हरिभूमि
रायपुर भूमि
रायपुर, सोमवार 18 अगस्त 2025

तापमान

अधिकतम 33.3 डिग्री

न्यूनतम 23.8 डिग्री

यहां भी लगाए जाएंगे कैमरे

ट्रैफिक पुलिस ने राजधानी के सात प्रमुख मार्गों के 16 स्थानों पर 58 एएनपीआर के साथ ओवरव्यू कैमरे लगाने प्रस्ताव भेजा है। जिन नए मार्गों पर कैमरे लगाए जाने हैं, उनकी सूची तथा संख्या इस प्रकार से है।

- फुंडहर की ओर जाने वाले एक्सप्रेस-वे मार्ग पर तेलीबांधा, अमलीडीह के बीच दो स्थानों पर चार एएनपीआर तथा दो ओवरव्यू कैमरे 1
- एक्सप्रेस-वे मार्ग पर तेलीबांधा, अमलीडीह के मध्य मौलश्री विहार की ओर दो स्थानों पर चार एएनपीआर तथा दो ओवरव्यू कैमरे
- रिंगरोड-1 भाठागांव ओवरब्रिज से कुशालपुर के मध्य कुशालपुर जाने वाले मार्ग पर चार एएनपीआर तथा दो ओवरव्यू कैमरे
- कुशालपुर ब्रिज से भाठागांव ब्रिज के मध्य भाठागांव जाने वाले मार्ग पर छह एएनपीआर तथा दो ओवरव्यू कैमरे
- रायपुर-बिलासपुर मार्ग पर वीनू पेट्रोल पंप के सामने रावाभांठा-बंजारी में चार एएनपीआर तथा दो ओवरव्यू कैमरे
- रायपुर-बिलासपुर मार्ग पर आकाशवाणी के सामने रावाभांठा-बंजारी में चार एएनपीआर तथा दो ओवरव्यू कैमरे
- वीआईपी रोड के मध्य मार्ग पर टेमरी से फुंडहर के बीच 16 एएनपीआर तथा चार ओवरव्यू कैमरे

तकनीकी तौर पर पांच साल में बदले जाने थे कैमरे

ट्रैफिक पर निगरानी के लिए सात साल पहले राजधानी में लगाए थे 1240 कैमरे, 20 फीसदी से ज्यादा को 'काला मोतियाबिंद'

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

खास खबर

इंटिग्रेटेड ट्रैफिक मैनेजमेंट के लिए सात वर्ष पूर्व शहर के अलग-अलग व्यस्त इलाकों में 1240 कैमरे लगाए गए थे। वर्तमान में इन कैमरों में से ज्यादातर की नजरें धुंधली हो गई हैं। इस वजह से ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों की गाड़ियों की नंबर प्लेट को कैमरे डिटेक्ट नहीं कर पा रहे हैं। इसके चलते कई बार बाइक चालक की जगह कार मालिक के पास चालान की कॉपी पहुंच जा रही है। कैमरे से नंबर प्लेट सही ढंग से रीड नहीं हो पाने की वजह से ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ सही ढंग से कार्रवाई नहीं हो पा रही है। इसके चलते जितनी संख्या में चालानी कार्रवाई होनी चाहिए, उससे ⏭ शेष पेज 13 पर

तीसरी आंख की नजर खराब होने से नंबर डिटेक्ट करने में हो रही गफलत

इस वजह से कैमरे हो रहे खराब

आईटीएमएस योजना के तहत लगाए गए कैमरों को हर दो-तीन माह में मरम्मत की जरूरत पड़ती है। शहर के प्रमुख मार्ग जयस्तंभ, घड़ी चौक, कलेक्टोरेट चौक जैसे क्षेत्रों के छोड़ अन्य स्थानों के कैमरों का रखरखाव सही ढंग से नहीं हो रहा है। पानी, धूल तथा सूर्य की रोशनी पड़ने से कैमरे खराब हो रहे हैं।

राजधानी में लगाए इस तरह के कैमरे

राजधानी के प्रमुख चौक-चौराहों पर जो कैमरे लगाए गए हैं, वे अलग-अलग प्रकार के हैं। इनमें फिक्स बॉक्स कैमरे 434, स्मार्ट पोल सीसीटीवी कैमरे 19, पीटीजेड कैमरे 93, बुलेट कैमरे 90, डोम कैमरे 11, आरएलवीडी कैमरे 297, एसवीडी कैमरे 21, डब्लूडब्लूडी कैमरे 12, एएनपीआर कैमरे 64 तथा 96 वीडीसी कैमरे लगाए गए हैं।

श्री शंकराचार्य कॉलेज ऑफ नर्सिंग
हुडको, भिलाई (छ.ग.)
(2005 से संचालित)
नर्सिंग
B.Sc(N)
M.Sc.(N) P.B.B.Sc.(N)
7489713804, 7869513804
For Online Admission
Visit : www.sscnbhilai.com

पुलिस के आवेदन पर कोर्ट ने दी स्वीकृति, कलेक्टर को भेजा प्रतिवेदन

हिस्ट्रीशीटर तोमर बंधु को मिली मोहलत आज होगी खत्म, फिर होगी संपत्ति कुर्क

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

हरिभूमि फॉलोअप

मारपीट, आर्म्स एक्ट, एक्सटॉर्शन समेत कई मामलों में फरार चल रहे हिस्ट्रीशीटर रोहित तथा वीरेंद्र तोमर की कोर्ट में पेश होने की मियाद सोमवार को खत्म हो रही है। इसके बाद पुलिस उनकी संपत्ति कुर्क करने की कार्रवाई करेगी। सूदखोर भाइयों की संपत्ति कुर्क करने पुलिस का आवेदन कोर्ट ने स्वीकार कर लिया है। पुलिस के आवेदन पर कोर्ट ने कलेक्टर के पास संपत्ति कुर्क करने प्रतिवेदन भेजा है। दोनों भाई आज कोर्ट में पेश नहीं होंगे, तो पुलिस उनकी संपत्ति कुर्क करने की कार्रवाई करेगी।

पुरानी बस्ती सीएसपी राजेश देवांगन ने तोमर भाइयों की संपत्ति कुर्क करने के संबंध में पुष्टि करते हुए कहा कि दोनों भाई सोमवार तक सरेंडर नहीं करेंगे तो उनकी संपत्ति कुर्क करने की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी। अफसर के अनुसार, दोनों भाइयों की चार संपत्तियों की पहचान की गई है। एक संपत्ति रोहित तथा तीन संपत्तियां उसके भाई वीरेंद्र के नाम की हैं। दोनों भाइयों की किन संपत्तियों की कुर्की की जाएगी, फिलहाल पुलिस ने इस बात का खुलासा नहीं किया है। एसएसपी डॉ. लाल उमेद सिंह ने सूदखोर भाइयों के खिलाफ पांच हजार रुपए ईनाम की घोषणा भी की है।

रोहित की एक तथा वीरेंद्र की तीन संपत्तियां कुर्क करने की प्रक्रिया मंगलवार से हो सकती है शुरू

सूदखोर तोमर भाई कर्जदारों से दैनिक और साप्ताहिक के साथ मासिक उगाही करते थे

5 जुलाई को प्रकाशित खबर

अंडा ठेला से लेकर राजसी ठाठ तक

वीरेंद्र तथा रोहित उत्तरप्रदेश के प्रतापपुर से वर्ष 2007-08 में रायपुर पहुंचे थे। रायपुर पहुंचने के दोनों भाई शुरुआती दिनों में अंडा ठेला लगाकर अपना गुजारा करते थे। अंडा ठेले से कमाई के चलते दोनों भाइयों ने सूदखोरी का व्यवसाय शुरू किया। वे हमपेशा लोगों को पांच हजार रुपए कर्ज देते थे और कर्ज पर हर माह 10 से 15 प्रतिशत तक ब्याज वसूलते थे। देखते ही देखते चार साल के भीतर दोनों भाइयों ने ब्लैकमेलिंग सहित तमाम तरह के हथकंडे अपनाते हुए सूदखोरी का एक बड़ा साम्राज्य स्थापित कर भाठागांव में पांच हजार वर्गफीट जमीन में करोड़ों की हवेली खड़ी कर ली। साथ ही बीएमडब्ल्यू, मर्सिडीज सहित कई महंगी कारों के मालिक बन गए।

फरार तोमर भाइयों का पता बताने वाले को मिलेगा पांच हजार रुपए इनाम

27 जून को प्रकाशित खबर

तोमर भाइयों के ठिकाने से हुई थी जब्ती

- नकद राशि- 35,10,300
- सोने के आभूषण- 734 ग्राम
- चांदी के आभूषण- 125 ग्राम
- लक्जरी वाहन- बीएमडब्ल्यू, थार, ब्रेजा।
- इलेक्ट्रॉनिक सामान- लैपटॉप, आईपैड, सीपीयू, डीवीआर, चेकबुक, एटीएम कार्ड, नोट गिनने की मशीन
- दस्तावेज- जमीन की रजिस्ट्री, ई-स्टाम्प, लेन-देन का रजिस्टर
- अवैध हथियार- एक रिवाल्वर, एक पिस्टल, पांच तलवार, जिंदा और आवाजी कारतूस

दो माह से फरार चल रहे

दोनों भाइयों के खिलाफ 5 जून को पुरानी बस्ती थाना में बीएनएस की धारा 308(2), 111(1) और छत्तीसगढ़ ऋणियों के संरक्षण अधिनियम की धारा 4 के तहत मामला दर्ज है। अपराध दर्ज होने के बाद पुलिस ने दोनों भाइयों की गिरफ्तारी की हरसंभव कोशिश की, लेकिन दोनों नहीं मिले। पुलिस के अनुसार, आरोपी फरारी के दौरान गंभीर अपराध करने की क्षमता रखते हैं और उनका खुले में घूमना समाज के लिए घातक हो सकता है। यही वजह है कि रेगुलेशन के पैरा 80-ए के तहत कार्रवाई करते हुए इनकी सूचना देने पर ईनाम घोषित किया गया है। साथ ही संपत्ति कुर्क करने की कार्रवाई की जा रही है।

दूरी कम, अपग्रेडेशन का लाभ ज्यादा, लंबी दूरी की ट्रेनों में सीटें फुल इसलिए मौके कम

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

रेलवे यात्रियों के लिए सफर अब और भी आरामदायक हो गया है। टिकट अपग्रेडेशन स्कीम के तहत यदि किसी यात्री ने स्लीपर क्लास में टिकट बुक कराया है और चार्ट बनने के बाद थर्ड एसी में सीटें खाली रहती हैं तो यात्री को अब तुरंत अपग्रेड कर दिया जा रहा है। खास बात ये है कि इसके लिए यात्रियों को किसी भी तरह का अतिरिक्त शुल्क नहीं देना पड़ रहा। रेलवे ने यह सुविधा मई से लागू कर दी है और यात्रियों को इसका फायदा मिलना शुरू हो चुका है। हरिभूमि की पड़ताल में सामने आया कि सामान्य दिनों में इसका लाभ ज्यादा मिल रहा है। रायपुर से विशाखापट्टनम, कानपुर, सिकंदराबाद और छत्तीसगढ़ जोन की ⏭ शेष पेज 13 पर

- स्लीपर से सीधे थर्ड एसी में हो रहा अपग्रेडेशन, यात्रियों को मिल रही बड़ी राहत
- रायपुर से नागपुर, गोंदिया और झारसुगुड़ा रूट पर थर्ड से सेकेंड एसी में सीटें हो रहीं अपग्रेड

सीधे एसी चेयरकार में सफर कर रहे

हसदेव व जनशताब्दी जैसी ट्रेनों में भी यही सुविधा अब द्वितीय श्रेणी कुर्सीयान टिकटधारकों को भी दी जा रही है। यदि ट्रेन में एसी चेयरकार की सीटें खाली रहती हैं तो कुर्सीयान यात्री सीधे एसी चेयरकार में सफर कर रहे हैं। इतना ही नहीं, थर्ड एसी टिकटधारकों को भी मौका मिल रहा है कि सीटें खाली रहने पर उन्हें सेकंड एसी में अपग्रेड किया जाए। वहीं फर्स्ट एसी में अपग्रेडेशन का लाभ केवल सेकंड एसी टिकटधारकों को ही मिल रहा है। रेलवे अधिकारियों का कहना है कि इसके लिए सॉफ्टवेयर में बदलाव कर दिया गया है और यह सुविधा यात्रियों को ट्रेनों में मिलनी शुरू हो चुकी है।

सीनियर सिटीजन को पहले मिल रहा एसएमएस

रेलवे अब सीनियर सिटीजन यात्रियों को अपग्रेडेशन की सुविधा उनकी पसंद के आधार पर दे रहा है। अगर टिकट बुकिंग के दौरान उन्हें लोअर बर्थ उपलब्ध है और उन्होंने अपग्रेडेशन का विकल्प चुना है तो अपग्रेडेशन से पहले उनके मोबाइल पर एसएमएस भेजा जा रहा है। एसएमएस में साफ लिखा होता है कि यात्री का टिकट उच्च श्रेणी में अपग्रेड होगा। हालांकि इसमें यह गारंटी नहीं दी जाती कि लोअर बर्थ ही मिलेगा। यात्री की स्वीकृति मिलने के बाद ही अपग्रेडेशन लागू किया जा रहा है। इस सुविधा का लाभ उठाने के लिए यात्रियों को आईआरसीटीसी की वेबसाइट से टिकट बुक करते समय ऑटो अपग्रेड के विकल्प को चुनना अनिवार्य है। यदि कोई यात्री इस विकल्प का चयन नहीं करता है तो उसे अपग्रेडेशन की सुविधा नहीं मिलेगी।

खबर संक्षेप

कैबिनेट कल, कई महत्वपूर्ण फैसले होंगे

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में 19 अगस्त को मंत्रिमंडल की बैठक होने वाली है। सीएम साय के विदेश दौरे से पहले यह बैठक मंत्रालय में सुबह 11 बजे से बुलाई गई है, जिसमें विभिन्न मुद्दों पर चर्चा के बाद महत्वपूर्ण निर्णय लिए जाएंगे। कैबिनेट बैठक को लेकर उपमुख्यमंत्री अरूण साव ने कहा, 19 अगस्त को कैबिनेट की बैठक है। इसमें कई महत्वपूर्ण विषयों को रखा जाएगा। कई महत्वपूर्ण निर्णय भी लिए जाएंगे। मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर उन्होंने कहा, यह सीएम का विशेषाधिकार है।

शराब पीने पैसे नहीं दिए तो सुपरवाइजर को पीटा

रायपुर। धरसींवा थाने में एक इस्पात कंपनी के सुपरवाइजर ने तीन बदमाश तथा उसके अन्य साथियों के खिलाफ शराब पीने के लिए पैसे नहीं देने पर मारपीट करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। सुमीत देवांगन ने लक्की, विमल तथा उसके अन्य साथियों के खिलाफ मारपीट करने की शिकायत दर्ज कराई है। सुमीत ने पुलिस को बताया कि शनिवार रात वह ड्यूटी खत्म कर घर जा रहा था, इस दौरान विमल, लक्की उसके पास पहुंचे और शराब पीने के लिए पैसों की मांग करने लगे। बीच-बचाव करने सुमीत के साथी पहुंचे तो बदमाशों ने सुमीत तथा उसके साथियों से मारपीट की।

शहीद वीरनारायण सिंह के शिलालेख में तोड़फोड़

रायपुर। गोलबाजार थाने में सर्व आदिवासी समाज के प्रदेश उपाध्यक्ष दीनू नेताम तथा समाज से जुड़े अन्य ने अज्ञात के खिलाफ शहीद वीरनारायण सिंह के जीवन परिचय तथा उनकी शौर्यगाथा से जुड़े शिलालेख में तोड़फोड़ करने रिपोर्ट दर्ज कराई है। दीनू ने पुलिस को बताया कि अज्ञात लोगों ने जयस्तंभ चौक स्थित शहीद वीरनारायण सिंह की मूर्ति के पास लगे शिलालेख तथा चबूतरा पर लगे स्टील के गेट को तोड़कर आदीवासी समाज की भावना आहत की है। समाज प्रमुखों की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ अपराध दर्ज कर लिया है।

कंप्यूटर शॉप में धावा इलेक्ट्रॉनिक सामान पार

रायपुर। माना थाने में एक कंप्यूटर शॉप के संचालक ने अज्ञात चोर के खिलाफ पुराना इस्तेमाल किया कंप्यूटर सहित 15 हजार रुपए के अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण चोरी कर ले जाने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। दीपक विधानी ने चोरी की शिकायत दर्ज कराई है। दीपक ने पुलिस को बताया कि कमल विहार सेक्टर-15 में अज्ञात चोर उसकी शॉप का ताला तोड़कर अंदर रखे कंप्यूटर सहित अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण चोरी कर ले गया।

सरकारी अस्पतालों की दवाओं में शिकायतें, डिपो में वापसी के बाद ठंडी पड़ी जांच

- महीनेभर में सीजीएमएससी के जरिए भेजी गई दवाओं समेत आठ प्रोडक्ट हो चुके वापस
- भुगतान की ढीली प्रक्रिया बड़ी कंपनियां नहीं ले रहीं दिलचस्पी, लोकल का बोलबाला

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

सरकारी अस्पताल में आने वाले मरीजों को दी जाने वाली दवाओं की शिकायतों को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है। घटिया होने की शिकायत पर उन दवाओं को सीजीएमएससी अपने गोदाम में वापस तो मंगा रही है, मगर घटिया होने की वास्तविक वजह का पता लगाने पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

दवा निगम के माध्यम से इन अस्पतालों में भेजे गए आठ प्रोडक्ट घटिया होने की वजह से डिपो में वापस मंगाए जा चुके हैं, इसके बाद की जाने वाली जांच रिपोर्ट का अब तक खुलासा नहीं किया गया है। सूत्रों के अनुसार, पिछले कुछ समय से दवा निगम में खरीदी जाने वाले दवा ⏭ शेष पेज 13 पर

जांच के लिए लैब, फिर भी दवाएं अमानक

सीजीएमएससी के पास सप्लायर एजेंसी से प्राप्त होने वाली दवाओं की जांच के लिए अपना लैब है। नियमानुसार सरकारी अस्पतालों में सप्लाई के पहले इन दवाओं सहित अन्य प्रोडक्ट की जांच की जाती है। उनकी ओके रिपोर्ट के बाद सप्लाई होती है, फिर स्वास्थ्य केंद्रों अथवा अन्य अस्पतालों में उपयोग के दौरान उन्हें लेकर विभिन्न तरह की शिकायतें मिलने लगती हैं। दवा निगम के स्तर पर हुई जांच के दौरान ओके रिपोर्ट मिलने वाले उत्पाद बाद में घटिया किस तरह हो जाते हैं, इस पर भी सवाल खड़े होने लगे हैं।

रासिटामॉल से लेकर सर्जरी ब्लेड तक में शिकायत

स्वास्थ्य केंद्रों से लेकर बड़े अस्पतालों तक हरारत अथवा बुखार की शिकायत लेकर आने वाले हर मरीज को पैरासिटामॉल की टेबलेट दी जाती है। इस दवा की सप्लाई 9 एम इंडिया द्वारा की गई थी। दवा में फंगस जैसी शिकायतों के बाद उसे वापस मंगाया गया। इसके पूर्व एंटीबायोटिक शिफा ट्राई एक्शन इंजेक्शन पॉवडर, डेक्स्ट्रोज विद सोडियम क्लोराइड, तीन तरह के सर्जिकल गल्ब्स वापस कराए गए थे। पूर्व में प्रेग्नेंसी टेस्ट किट, ग्लूकोज चढ़ाने के लिए उपयोगी इंट्रावीनस ड्रिप सेट और ऑपरेशन के लिए उपयोग की जाने वाली सर्जिकल ब्लेड वापस मंगाई गई थी।

दिनभर धूप-छांव का दौर देर शाम शहर में हल्की बारिश, पारा 33 डिग्री के पार

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

रात में मध्यम बारिश के बाद रविवार को शहर में दिनभर धूप-छांव का खेल चलता रहा। रात होने के बाद शहर में हल्की बारिश हुई और मौसम में थोड़ी ठंडक आ गई। रविवार को राजधानी का तापमान 33 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया, जो प्रदेश में सबसे अधिक था।

- हल्की से मध्यम वर्षा की संभावना

पंद्रह दिन के लंबे विराम के बाद शहर में दो दिन से वर्षा की गतिविधि नजर आ रही है। शनिवार-रविवार की दरमियानी रात शहर में काफी देर तक मध्यम वर्षा हुई। सुबह होते ही मौसम का मिजाज बदला और दिनभर धूप-छांव के बीच गर्मी का ⏭ शेष पेज 13 पर

दुर्ग में भारी बारिश

पिछले चौबीस घंटे में दुर्ग में भारी बारिश दर्ज की गई है। वहां सुबह साढ़े आठ बजे तक वर्षा की मात्रा 14 सेमी. रिकार्ड की गई है। इसके अलावा अंतागढ़ में 9 सेमी., गुंडरदेही में 7, राजनांदगांव में 6, अंबागढ़ चौकी, पाटन, डोंगरगांव में 5 सेमी. तथा रायपुर में डेढ़ सेमी. तक बारिश दर्ज की गई है।

अल्पसंख्यक स्कूलों में पढ़ रहे गरीब छात्र, लेकिन शासन ने सूची से बाहर किया, फीस को तरसे

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

प्रदेश के अल्पसंख्यक स्कूलों को उन छात्रों की फीस अब तक नहीं मिल सकी है, जिनका दाखिला उन्होंने आरटीई के तहत किया था। नियमानुसार अल्पसंख्यक स्कूलों में शिक्षा का अधिकार कानून लागू नहीं होता। प्रदेश में ऐसे बहुत से स्कूल हैं जो शुरू सामान्य स्कूल के रूप में हुए थे, लेकिन अब वह अल्पसंख्यक स्कूलों की मान्यता प्राप्त कर चुके हैं। जब वे सामान्य स्कूल के रूप में पंजीकृत थे, उस दौरान उन्होंने शिक्षा के अधिकार के अंतर्गत छात्रों का दाखिला ले लिया। अब नए दाखिले नहीं लिए जा रहे हैं, लेकिन पहले से पढ़ रहे छात्रों की पढ़ाई निरंतर कराई जा रही है। पूर्व में प्रवेशित इन विद्यार्थियों का शुल्क ही शासन द्वारा नहीं दिया जा रहा है।

गौरतलब है कि रायपुर जिले में ऐसे तीन विद्यालय हैं, जो पहले सामान्य थे लेकिन अब अल्पसंख्यक स्कूल की श्रेणी में आ गए हैं। इनमें ग्लोरियस पब्लिक स्कूल, गुरुनानक पब्लिक स्कूल तथा कृष्णा पब्लिक स्कूल शामिल हैं। पूरे प्रदेश में ऐसे विद्यालयों की संख्या 50 से अधिक है। प्रति विद्यालय 5 से 10 लाख रुपए की राशि बकाया है, जिसके लिए कई बाद संगठन खत लिख चुका है।

अल्पसंख्यक स्कूलों को रखा जाता है आरटीई से बाहर

- जिले में तीन ऐसे विद्यालय, जो सामान्य से तब्दील हुए अल्पसंख्यक स्कूल में

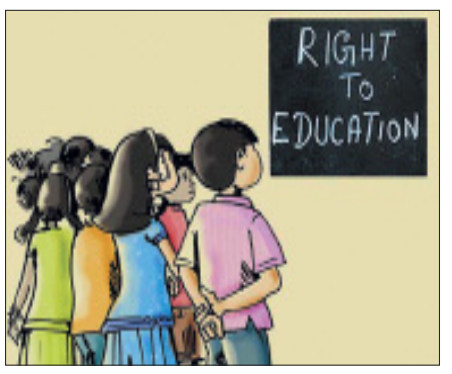

हम सक्षम नहीं

बार-बार निवेदन के बाद भी स्कूल शिक्षा विभाग फीस के विषय में कोई निर्णय नहीं ले रहा है। बगैर शुल्क अल्पसंख्यक स्कूल शिक्षा के अधिकार कानून में पूर्व से अध्ययनरत विद्यार्थियों को आगे पढ़ा पाने में सक्षम नहीं है।

- राजीव गुप्ता, अध्यक्ष, निजी स्कूल संघ

हट गए हैं पोर्टल से

इन विद्यालयों का स्वरूप बदलने के कारण अब इनमें विद्यार्थियों का प्रवेश नहीं हो रहा है तथा यह आरटीई के पोर्टल से भी हट गए हैं। सूची से हटने के कारण इन स्कूलों में पूर्व से अध्यनरत विद्यार्थियों की प्रतिपूर्ति राशि नहीं मिल पा रही है। जो स्कूल आरटीई पोर्टल में रजिस्टर होते हैं, उन्हें ही छात्रों की दर्ज संख्या के आधार पर फीस की राशि दी जाती है। कुछ स्कूलों ने राशि नहीं मिलने के कारण पूर्व प्रवेशित आरटीई के विद्यार्थियों को पढ़ाने से मना कर दिया था, जिसकी शिकायत मंत्रियों से की गई थी।

कॉलेजों में प्राध्यापकों के 50% पद रिक्त, फिर भी 6 साल से भर्ती नहीं

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

प्रदेश के महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों में सहायक प्राध्यापकों और प्राध्यापकों की नियुक्ति नहीं होने के विरोध में रविवार को अभ्यर्थियों ने धरना-प्रदर्शन किया। प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थी नेट-सेट क्वालीफाईड और पीएचडी उपाधिधारक भी शामिल रहे। प्रदर्शन राजधानी के कलेक्ट्रेट गार्डन में हुआ। इस दौरान नेट-सेट-पीएचडी सहायक प्राध्यापक प्रतियोगी ⏭ शेष पेज 13 पर

- नेट-सेट पीएचडी संघर्ष संघ का प्रदर्शन

उम्र में मिले छूट : सहायक प्राध्यापक पदों में भर्ती की तैयारी कर रहे युवाओं का कहना है कि पिछले 6 सालों से इन पदों पर भर्ती नहीं होने के कारण उनकी उम्र निर्धारित आयु से अधिक हो गई है। इसलिए जब कभी भर्ती निकाली जाए, उन्हें अधिकतम आयु सीमा में छूट दी जाए। विधानसभा में पेश किए गए आंकड़ों के अनुसार, प्रदेश के महाविद्यालयों में सहायक प्राध्यापकों के 2169 से अधिक पद रिक्त हैं, लेकिन भर्ती नहीं होने से नेट, सेट और पीएचडी डिग्रीधारी युवाओं में गहरी नाराजगी और निराशा है। अपनी मांगों को लेकर वे लगातार विभिन्न मंत्रियों को ज्ञापन सौंप रहे हैं।

पाठक सूचना

हरिभूमि के सुधि पाठकों को अखबार की प्रतियां नहीं मिल रही हो या अन्य अखबार दिया जा रहा हो तो हमें निम्न नंबर पर संपर्क करें या वाट्सअप करें

9827555678, 8224868411

खबर संक्षेप

धूमधाम से हुआ भोजली विसर्जन

धरसींवा। नगर पंचायत कुंरा में भोजली विसर्जन का कार्यक्रम बड़े ही धूमधाम और उत्साह के साथ संपन्न हुआ। विसर्जन शोभायात्रा में जस गीत गाते हुए बड़ी संख्या में नगरवासी शामिल हुए। इस कार्यक्रम में नगर पंचायत कुंरा के अध्यक्ष गोविंद साहू और पार्षदों में डालचंद पाल, ईश्वर यादव और गायत्री साहू प्रमुख रूप से उपस्थित थे। इनके साथ ही किसान कमेटी के अध्यक्ष योगेश साहू और सेवा समिति की सदस्य सुमित्रा धीवर, ललीता धीवर, संतोषी धीवर, कवीता, त्रिवेणी साहू, राजकुमारी साहू और संतराम यादव ने भी शोभायात्रा में हिस्सा लिया। नगर के सभी नागरिकों ने मिलकर इस विसर्जन शोभायात्रा को सफल बनाने में अपना योगदान दिया।

छग की अक्षुण्ण, आरुग आदिवासी संस्कृति को प्रणाम : अनुज

धरसींवा। धरसींवा विधानसभा के ग्राम चरौदा में विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर आदिवासी ध्रुव गोंड समाज द्वारा एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक अनुज शर्मा शामिल हुए। इस अवसर पर विधायक अनुज शर्मा ने सभी को बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आदिवासी समुदाय सदियों से प्रकृति की उपासना करते हुए अपनी सभ्यता और संस्कृति को बचाए रखे हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्र और समाज के उत्थान में आदिवासी भाई-बहनों की महत्वपूर्ण भूमिका है। जल, जंगल और जमीन के सच्चे संरक्षक हमारे आदिवासी भाई-बहन ही हैं।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में सरकार आदिवासी समुदाय की नई पीढ़ी के विकास, उनकी संस्कृति के संरक्षण और उनके सर्वांगीण विकास के लिए लगातार काम कर रही है। विधायक ने बताया कि आदिवासी दिवस का मुख्य उद्देश्य आदिवासी समुदाय के अधिकारों की रक्षा करना, उनके योगदान को पहचान देना, और उनके सामने आने वाली चुनौतियों पर ध्यान केंद्रित करना है। उन्होंने सभी से यह संकल्प लेने का आह्वान किया कि वे आदिवासी समाज की भाषा, संस्कृति, परंपरा, इतिहास और उनके अधिकारों का सम्मान करेंगे और उनके विकास में योगदान देंगे। इस कार्यक्रम में विधायक अनुज शर्मा के साथ जनपद अध्यक्ष शकुंतला ढिलेन्द्र , सरपंच संगीता पप्पू ध्रुव, हरेश और वरिष्ठजन, कार्यकर्ता और ग्रामवासी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

बच्चों की श्रीकृष्ण लीला ने सबको को किया मंत्रमुग्ध

हरिभूमि न्यूज ⏭ अभनपुर

सरस्वती शिशु मंदिर हाईस्कूल सारखी में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व बड़े ही धूमधाम मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत उपाध्यक्ष संदीप यदु उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला पंचायत सदस्य अन्नु तारक ने की। अन्य अतिथियों में जनपद सदस्य श्रीमती तनु महेश साहू,सरपंच भूपेंद्र नेताम, सरपंच श्रीमती शकुंतला महेश्वर बांधे, अध्यक्ष यादव-ठेठवार समाज संतोष यदु उपस्थित रहे।

- सरस्वती शिशु मंदिर हाईस्कूल सारखी में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी मनी

इस अवसर पर उपाध्यक्ष श्री यदु ने जन्माष्टमी की बधाई देते हुए बच्चों को शिक्षा के प्रति प्रोत्साहन के उद्देश्य से कक्षा 10वीं बोर्ड परीक्षा में टॉप 10 विद्यार्थियों में स्थान प्राप्त करने पर शिशु मंदिर के बच्चे को 51 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि देने की घोषणा की। साथ ही विद्यालय में छात्रों की डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए 1.50 लाख रुपये की लागत से स्मार्ट क्लास कक्ष प्रारंभ कराने एवं शासन एवं प्रशासन से समन्वय कर विद्यालय भवन निर्माण हेतु 10 लाख रुपये की सहायता दिलवाने की बात कही। कार्यक्रम में बच्चों द्वारा श्रीकृष्ण लीला, नृत्य, भजन एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दी गईं, जिसने उपस्थित अतिथियों और अभिभावकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस अवसर पर प्राचार्य भूपेंद्र कुमार साहू, प्रधानाचार्य डिगेश्वर प्रसाद साहू, समस्त आचार्य-दीदीजी व शिवशंकर शिक्षण समिति सारखी के सदस्यगण मौजूद रहे।

जीवन ज्योति स्कूल में मनाई कृष्ण जन्माष्टमी

आरंग। जीवन ज्योति इंग्लिश मीडियम स्कूल आरंग में भगवान श्रीकृष्ण के जन्म का पर्व जन्माष्टमी बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय प्रांगण को फूलों से सजाया गया था। कार्यक्रम की शुरुआत प्राचार्य द्वारा दीप प्रज्वलन से हुई। इसके बाद विद्यार्थियों ने भगवान श्रीकृष्ण के जीवन प्रसंगों पर आधारित सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। जिसके बाद जुलूस निकाला गया। छोटे-छोटे बच्चों ने 'नंदघर आनंद भयो' जय कन्हैया लाल की और 'माखनचोरी' की झांकियां प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। इस मौके पर नन्हे विद्यार्थियों के द्वारा मटकी भी फोड़ा गया। जिसमें बच्चों ने बड़े उत्साह से भाग लिया। छात्राओं ने भजन-कीर्तन और नृत्य प्रस्तुत कर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। इस अवसर पर प्राचार्य प्रसन्ना ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण का जीवन हमें सत्य, धर्म और कर्तव्यनिष्ठा का संदेश देता है। ऐसे आयोजन बच्चों के चरित्र निर्माण और सांस्कृतिक मूल्यों को मजबूत करते हैं। इस दौरान स्कूल के संचालक चेम्बक वल्ली सहित शिक्षक उपस्थित थे।

भगवान कृष्ण मानव जीवन के सच्चे मार्गदर्शक

धरसींवां। धरसींवां विधानसभा के नगर पंचायत कुंरा और ग्राम पवनी, तर्रा में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर अखंड रामायण पाठ, रामधुन और दही लूट कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विधायक अनुज शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। विधायक अनुज शर्मा ने भगवान कृष्ण की पूजा-अर्चना की और सभी भक्तों के लिए सुख-समृद्धि की कामना की। विधायक ने अपने संबोधन में कहा कि भगवान कृष्ण का जन्म धरती से अधर्म और अन्याय को मिटाने के लिए हुआ था। यह त्योहार सिर्फ एक धार्मिक उत्सव नहीं, बल्कि जीवन जीने की प्रेरणा भी है। उन्होंने कहा कि श्रीकृष्ण के उपदेश आज भी मानव जीवन का मार्गदर्शन करते हैं। भगवान कृष्ण कहते हैं कि कुछ भी आपकी किस्मत पर नहीं, अपितु कर्म पर निर्भर है, उन्होंने कहा। उन्होंने लोगों को अपने कर्मों से समझौता न करने और हमेशा अच्छे कर्म करने की सलाह दी। उन्होंने दही हांडी उत्सव में हिस्सा लेने वाले सभी गोविंदाओं की टोली को बधाई दी और सभी को जन्माष्टमी की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने प्रार्थना की कि मुरली मनोहर सबके जीवन में प्रेम, करुणा और भक्ति का संचार करें।

श्रीकृष्ण जन्मोत्सव के अवसर पर चतुर्भुजी मंदिर समिति और ग्रामीणों द्वारा मंदिर परिसर में 24 घंटे तक लगातार रामसत्ता का भजन गायन किया गया, जिसमें नगर सहित आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में भक्त शामिल हुए। इस कार्यक्रम में विधायक अनुज शर्मा के साथ नगर पंचायत अध्यक्ष गोविंद साहू, उपाध्यक्ष राजा भैया, मोहन प्रजापति, चतुर्भुजी मंदिर समिति के अध्यक्ष बल्लू रजक, सत्यनारायण देवांगन, बलराम देवांगन, ललित शर्मा, पुरुषोत्तम यादव, दीपक पटेल और अन्य पार्षद व नगरवासी मौजूद थे।

जन्माष्टमी पर बच्चों को बांटी चाकलेट

आरंग। कृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर सोच फाउंडेशन एक उड़ान आशा की ने मानव सेवा की मिसाल पेश करते हुए आंगनबाड़ी केंद्र नवागांव में बच्चों के बीच फल, चॉकलेट एवं स्टेशनरी सामग्री का वितरण किया। कार्यक्रम में बच्चों ने राधा-कृष्ण की आकर्षक वेशभूषा धारण कर उत्साहपूर्वक भागीदारी निभाई, जिससे पूरा माहौल भक्तिमय और उल्लासमय हो गया। फाउंडेशन की संरक्षक आशा पात्रे ने अपने उद्बोधन में कहा कि मानवता की सच्ची सेवा तभी है जब हम समाज के नन्हें बच्चों के चेहरे पर मुस्कान ला सकें। कृष्ण जन्माष्टमी हमें सिखाती है कि प्रेम, करुणा और सहयोग से ही समाज का उत्थान संभव है। सोच फाउंडेशन का उद्देश्य बच्चों के भविष्य को उज्ज्वल बनाने के साथ-साथ उनमें संस्कार और शिक्षा का दीप जलाना है।उनके प्रेरणादायी शब्दों से उपस्थित लोगों में उत्साह का संचार हुआ। वहीं नन्हें-मुन्नों ने श्रीकृष्ण की लीलाओं का मंचन कर सबका मन मोह लिया।

ग्रामीणों ने फाउंडेशन की इस सेवा भावना की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार की पहलें समाज में सकारात्मक संदेश देती हैं।

कृष्ण बलराम की निकाली झांकी, हुई मटकी फोड़ स्पर्धा

तरपोंगी। अंचल में कृष्ण जन्माष्टमी का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। सभी मंदिरों में रामायण पाठ व कृष्ण भजन का आयोजन किया गया। तरपोंगी में कृष्ण बलरामकी झांकी का गली भ्रमण कराया गया। जगह-जगह मटकी फोड़ व दही हांडी स्पर्धा का आयोजन भी किया गया।

खोरपा में धूमधाम से मना स्वतंत्रता दिवस

अभनपुर। उपतहसील खोरपा परिसर में स्वतंत्रता दिवस बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर अतिरिक्त तहसीलदार सृजन सोनकर ने ध्वजारोहण किया। ग्राम विकास शोध समाधान केंद्र खोरपा के साथ-साथ खट्टी, बेलर और भरेगाचौक में भी स्वतंत्रता दिवस समारोह आयोजित किए गए। यहां, सुप्रसिद्ध समाज विचारक और साहित्यकार प्रभात मिश्र ने झंडा फहराकर सभी को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर, बाबू शिवम वैष्णव, पटवारी विद्याभूषण सिन्हा, यशवंत कंवर, दुर्गादयाल धीवर, डोमार सिन्हा, प्रेम साहू, राधेश्याम साहू, शिवा चंदन, गणेश कोटवार, प्रदीप धीवर, विक्रम निषाद सहित बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

शिक्षक यादव का सेवानिवृत्ति पर समारोह में किया सम्मान

अभनपुर। पूर्व माध्यमिक शाला में कार्यरत शिक्षक यादव राम साहू के सेवानिवृत्त होने पर ग्राम पंचायत उल्बा ने एक विशेष सम्मान समारोह का आयोजन किया। इस अवसर पर सरपंच नेहरू लाल साहू ने उन्हें प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। सरपंच नेहरू लाल साहू ने अपने संबोधन में कहा कि यादव राम साहू ने अपने पूरे सेवाकाल में पूर्ण निष्ठा, समर्पण और सादगी के साथ शिक्षा के क्षेत्र में काम किया है। उनकी स्पष्टवादी कार्यशैली और सरल स्वभाव ने सभी के बीच एक विशेष पहचान दिलाई। उन्होंने यादव राम साहू के शैक्षिक जीवन पर प्रकाश डालते हुए बताया कि उन्होंने 22 फरवरी 1986 को बीजापुर जिले के मुसालुर में सहायक शिक्षक के रूप में अपनी सेवा शुरू की थी। उन्होंने बस्तर क्षेत्र में 9 वर्षों तक सेवा दी, जिसके बाद वे अभनपुर विकासखंड के चेरिया, जामगांव, खड़वा और अंत में उल्बा में कार्यरत रहे। इसके अतिरिक्त, उन्होंने 10 वर्षों तक संकुल समन्वयक के रूप में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सभी ने शिक्षक यादव राम साहू को उनकी सेवाओं के लिए धन्यवाद दिया और उनके आगामी जीवन के लिए शुभकामनाएं दीं।

सजग कॉलेज में धूमधाम से मनाया गया फ्रेशर डे, नए छात्रों ने बिखेरी प्रतिभा

धरसींवा। सजग कॉलेज में हाल ही में 'फ्रेशर डे' का भव्य आयोजन किया गया। जिसमें वरिष्ठ छात्रों ने नए विद्यार्थियों का रंगारंग प्रस्तुतियों के साथ गर्मजोशी से स्वागत किया। यह कार्यक्रम नए और पुराने छात्रों के बीच तालमेल स्थापित करने के लिए एक बेहतरीन अवसर था, जिससे सभी ने मिलकर इसे एक यादगार दिन बनाया। कार्यक्रम की शुरुआत वरिष्ठ छात्रों के मनमोहक गीतों, नृत्यों और नाट्य प्रस्तुतियों के साथ हुई, जिसने पूरे माहौल को उत्साह और उमंग से भर दिया। नए विद्यार्थियों ने भी इसमें सक्रिय रूप से भाग लिया और विभिन्न मनोरंजक खेलों का आनंद लिया। इस दौरान, बी.कॉम. के छात्र देवेंद्र निर्मलकर ने अपनी शानदार कॉमेडी से सबका खूब मनोरंजन किया और खूब तालियां बटोरीं। कॉलेज के प्रिंसिपल अजय सेन ने अपने प्रेरक संबोधन में नए छात्रों को कॉलेज जीवन के महत्व के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि यह समय अनुशासन और कड़ी मेहनत का है, जिसका सही उपयोग करके विद्यार्थी अपने उज्ज्वल भविष्य की नींव रख सकते हैं। वहीं, कॉलेज के डायरेक्टर भागवत साहू ने भी छात्रों को प्रेरित करते हुए कहा कि शिक्षा का असली उद्देश्य केवल डिग्री प्राप्त करना नहीं, बल्कि समाज में सकारात्मक बदलाव लाना है। कार्यक्रम का सफल संचालन सौभाग्य और मनीषा ने किया। इस आयोजन को सफल बनाने में वरिष्ठ छात्रों हर्ष, खिलेश, निखिल, फणीभूषण, माहेश्वरी, दुर्गा और अन्य ने भरपूर सहयोग दिया। इस अवसर पर कॉलेज के सभी शिक्षकगण, जिनमें आर.एम. भगत, विनय वर्मा, ममता भारती, संजय साहू, करिश्मा कोसले, ज्योति वर्मा, और राधा साहू उपस्थित रहे।

पूर्व सैनिक समाज कल्याण संगठन ने कई स्थानों पर फहराया तिरंगा

हरिभूमि न्यूज ⏭ तिल्दा नेवरा

79 वें स्वतंत्रता दिवस समारोह का आयोजन 15 अगस्त को सुबह ईजी कोचिंग सेंटर कोहका, निःशुल्क प्रशिक्षण केंद्र रजिया ग्राउंड, महराज जलपान गृह तिल्दा में पूर्व सैनिक समाज कल्याण संगठन द्वारा किया गया। संगठन के अध्यक्ष जगदीश यादव द्वारा झंडा फहराया गया । कार्यक्रम का संचालन ईजी कोचिंग सेंटर के संचालक बाल मुकुंद, टीएफजी संगठन के सभी सदस्यों द्वारा किया गया । देशभक्ति का माहौल कार्यक्रम स्थल पर देखने को मिला। महराज जलपान होटल के व्यवस्थापक पूर्व सरपंच खूबदास वैष्णवटोहड़ा व उनके परिवार द्वारा पूर्व सैनिकों को शाल भेंट कर सम्मान किया गया जिसमें वक्ता के रूप में समाजसेवक संदीप का विशेष सहयोग रहा। इस अवसर पर पूर्व सैनिक समाज कल्याण संगठन के अध्यक्ष जगदीश यादव, उपाध्यक्ष महेश वर्मा, उपाध्यक्ष रवि चौबे, विजय पासी,लखन लाल वर्मा,युगल किशोर यादव, संतोष वर्मा,टेकराम वर्मा,चन्द्रशेखर वर्मा, राधेश्याम शर्मा,प्रदीप सिंह, अनिल वर्मा,राधेश्याम यादव, ओंकार, विजय वर्मा, आशिक अली, राजेंद्र कुमार, गजेन्द्र नायक, हितेश कुमार, हीरालाल, अग्निवीर आर्मी चंदन वर्मा ,अग्निवीर नेवी चैतन्य वर्मा व ईजी कोचिंग सेंटर से बाल मुकुंद, देवप्रकाश, टीएफजी ग्रुप के स्टूडेंट आदि उपस्थित थे।

जीएसटी में सुधार लाने की घोषणा का कैट ने किया स्वागत

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

कैट ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दैनिक उपयोग की वस्तुओं पर जीएसटी घटाने और कर स्लैब सरल बनाने की घोषणा का स्वागत किया है। इसे आम नागरिकों पर कर बोझ को कम करने और खपत को बढ़ावा देने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम बताया है। कैट के पदाधिकारियों ने कहा कि छोटे व्यापारियों, एमएसएमई और खुदरा क्षेत्र के लिए यह बेहद फायदेमंद होगा तथा त्योहारों के मौसम से पहले अर्थव्यवस्था को नई गति देगा।

कैट के राष्ट्रीय वाइस चेयरमैन अमर पारवानी, प्रदेश चेयरमैन विक्रम सिंहदेव, प्रदेश अध्यक्ष परमानंद जैन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जीएसटी में सुधार लाने की घोषणा का स्वागत किया है। उनका ये भी कहना है, यह साहसिक कदम भारत के व्यापार और अर्थव्यवस्था के लिए गेमचेंजर साबित होगा। श्री पारवानी ने कहा कि यह सुधार कर संरचना को सरल बनाएगा, अनुपालन के बोझ को कम करेगा और सरकार के ईज ऑफ डूइंग बिजनेस तथा ईज ऑफ लिविंग के एजेंडे को और मजबूत करेगा। श्री पारवानी ने कहा कि देशभर का व्यापारिक समुदाय इस ऐतिहासिक निर्णय का पूर्ण समर्थन करता है।

राष्ट्र के प्रतीकों का सम्मान करना हम सबका परम कर्तव्यः ग्रामीण

कुरूद सिलयारी में गूंजा देशभक्ति की जयकारा महात्मा गांधी की प्रतिमा हुई स्थापित

हरिभूमि न्यूज ⏭ धरसींवा

कुरूद सिलयारी में राष्ट्रभक्ति का एक नया अध्याय लिखा गया है। वर्तमान ग्राम पंचायत ने अद्भुत देशभक्ति का परिचय देते हुए, पूरी निष्ठा और सम्मान के साथ बापू की एक नई, भव्य प्रतिमा स्थापित की है। इस पवित्र पहल ने पूरे गांव को राष्ट्र गौरव से भर दिया है। यह सिर्फ एक मूर्ति की स्थापना नहीं, बल्कि यह देश के प्रति अटूट आस्था और समर्पण का प्रतीक है। इस अवसर पर ग्राम पंचायत व महात्मा गांधी के नई मूर्ति स्थल पर ग्राम के सरपंच श्रीमती रूखमणी साहू ने तिरंगा फहराया।

सरपंच की पहल ने लिखी नई इबारत

ग्राम पंचायत की सरपंच श्रीमती रूखमणी साहू और उनकी टीम ने इस पुनीत कार्य को अंजाम देकर यह सिद्ध कर दिया कि राष्ट्रपिता के आदर्श आज भी हमारे दिलों में जीवित हैं। इस ऐतिहासिक क्षण का गवाह बनने के लिए गांव के हर वर्ग के लोग उमड़ पड़े। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक, हर चेहरे पर भारत माता के प्रति प्रेम और अपने राष्ट्रपिता के लिए सम्मान की भावना स्पष्ट दिखाई दे रही थी। ग्रामीणों ने एक स्वर में कहा कि यह कदम हमें एक बार फिर बापू के 'सत्य' और 'अहिंसा' के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करेगा। इस पहल ने न केवल गांव की गरिमा बढ़ाई है, बल्कि यह संदेश भी दिया है कि राष्ट्र के प्रतीकों का सम्मान करना हम सबका परम कर्तव्य है। इस गौरवमयी अवसर पर, पूरा गांव देशभक्ति के नारों से गूंज उठा।

इनका भी रहा महती योगदान

इस महत्वपूर्ण कार्य में उपसरपंच गजेन्द्र साहू, धनीराम साहू, खिलेंद्र चंद्रवंशी, संजय दीढ़ी, श्रीमती प्यारी कश्यप, श्रीमती उत्तरा वर्मा, श्रीमती यानी बघोल, श्रीमती सुनिता साहू, श्रीमती हेमा साहू, थानेश्वर गिलहरे, श्रीमती रूबी चक्रधारी, श्रीमती सविता मरकाम, दिलेन्द्र यदु, कादिर कुरेशी, श्रीमती प्रमिला यादव, श्रीमती चंद्रिका कुर्रे, श्रीमती भानमती मांडे, श्रीमती रितु साहू, शेखर यादव, श्रीमती मदिना बेगम कुरेशी सहित समस्त ग्रामवासियों का विशेष सहयोग रहा।

फोरलेन पर बेजुबान मवेशियों की जान पर आफत, बढ़ रही दुर्घटनाएं

आरंग। लखौली से मंदिरहसौद तक बने फोरलेन मार्ग पर इन दिनों बेजुबान मवेशियों की जान पर आफ़त बनी हुई है। तेज़ रफ़्तार से गुजरने वाले भारी वाहन और लापरवाह ड्राइविंग की वजह से आए दिन गायें दुर्घटनाओं की शिकार हो रही हैं। रविवार को कोल्हान नाला के पास महज़ कुछ ही दूरी पर अलग-अलग गायों की मौत अज्ञात वाहनों की टक्कर से हो गई। हादसों के बाद भी सड़क किनारे गायों की लाशें घंटों पड़ी रहीं, लेकिन उनकी सुध लेने वाला कोई नहीं पहुंचा। ग्रामीणों ने बताया कि यह पहला मामला नहीं है। फोरलेन बनने के बाद से ही रोज़ाना कभी बछड़े तो कभी गाय सड़क पर हादसों का शिकार होते आ रहे हैं।

आए दिन इस तरह की दुर्घटनाओं से स्थानीय लोग भी चिंतित हैं। उनका कहना है कि एक ओर गाय को मां का दर्जा दिया जाता है, वहीं दूसरी ओर सड़कों पर बेबस होकर उनकी असमय मौत हो रही है।

गंभीर बात यह है कि अब तक प्रशासन और पशुपालन विभाग की ओर से कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। न तो आवारा मवेशियों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने की व्यवस्था की गई है, न ही सड़क पर वाहनों की गति नियंत्रित करने कोई प्रयास किया गया।

चकल्लस

अभी नहीं तो कभी नहीं

मंत्रिमंडल में जगह पाने की चाहत हर विधायक की होती है। सीनियर हो या जूनियर, हर कोई चाहता है कि वह मंत्री बन जाए। ऐसा ही कुछ भाजपा में हो रहा है। दर्जनों गोलबंदी में लगे हैं कि किसी भी तरह उन्हें मंत्रिमंडल में जगह मिल जाए। लेकिन भाजपा तो भाजपा है। वहां किसी की चलती नहीं है। जो संगठन चाहे,वही होता है। कैबिनेट में ज्यादातर नए चेहरों को ही जगह मिल रही है। खबरी बता रहा था कि तीन वरिष्ठ विधायक और पूर्व मंत्रियों ने ऐढ़ी चोटी का जोर लगा रखा है। उसकी वजह भी है। तीनों पूर्व मंत्रियों की उम्र साठ पार है। अगर अभी नहीं बने तो पता नहीं कब मौका मिलेगा और मिलेगा भी की नहीं।

दिग्गजों की नहीं गल रही दाल

प्रदेश में मंत्रिमंडल का विस्तार तय हो गया है। लंबे समय से इसका इंतजार हो रहा है। इसके लिए प्रदेश के कई दिग्गज नेता, जो पूर्व में भी मंत्री रहे हैं, लगातार प्रयास करते रहे कि उनको मंत्रिमंडल में स्थान मिल जाए, लेकिन जिस तरह की खबरें सामने रही हैं, उससे साफ है कि भाजपा के राष्ट्रीय संगठन के सामने प्रदेश के दिग्गज नेताओं की दाल नहीं गल रही। रायपुर और बिलासपुर के कई दिग्गज नेता प्रदेश से लेकर दिल्ली दरबार तक प्रयास करते रहे कि उनको मंत्रिमंडल में स्थान मिल जाए, लेकिन राष्ट्रीय संगठन के सामने इनकी नहीं चली और अब नए चेहरों को मंत्री बनाने की तैयारी हो गई है। पहले भी मंत्रिमंडल में ज्यादातर नए चेहरों को ही स्थान दिया गया था।

महंगी पड़ी गप्पबाजी

बड़े-बुजुर्ग यूं ही नहीं कह गए है कि कम बोलना चाहिए। उनकी बात मान लेते तो रविवि के एक प्रोफेसर आज ओपन विवि के कुलपति होते। हुआ यूं हैं कि रविवि के प्रोफेसर का नाम 'बाय डिफाल्ट सेटिंग' प्रत्येक विवि की कुलपति की दौड़ में आ जाता है। एक बाद फिर यही हुआ। ओपन विवि के कौन बनेगा कुलपति के फाइनल राउंड अर्थात साक्षात्कार तक साहब पहुंच भी गए थे, लेकिन अपने बड़बोलेपन की वजह से नुकसान उठाना पड़ गया। साहब को कीमत बता दी गई थी। तीन करोड़ ही चुकाने थे बस। वे वैसे हैं तो मैनेजमेंट के व्याख्याता, लेकिन यहां उनका मैनेज फेल हो गया। दस जगह हल्ला करने के कारण आका नाराज हो गए और...।

मजे कर लो

जब चुनाव होने वाले हो तो कुछ दिनों के लिए नियुक्ति करके क्या मिलेगा? हम बताते हैं। इससे पदनाम मिल जाता है। फिर उसकी पट्टी लगाकर कार में घूमो और जब पद चला जाए तो उस पर लाल रंग का स्पेशल वाला कव्हर चढ़ा दो और टशन में घूमते रहो। हां, तो मुद्दे पर आते हैं। एनएसयूआई में देर-सवेरे नए चुनाव होने ही वाले हैं। इसके पहले पद बांटे जाएंगे। जिन्हें-जिन्हें चाहिए वे अपने-अपने आकाओं से संपर्क कर लें। एक आवश्यक सूचना भी, जिन्हें पद मिलेगा उन्हें आगामी चुनावों में पैसे खर्च कर अपने आकाओं के लिए मेंबरशिप का भी जुगाड़ करना होगा। पैसे हैं तो देख लो, वरना झोला उठाकर यूथ कांग्रेस चलते बनो।

गोल घूमकर आओ, हिसाब चुकता करो

हमारे शहर में बरसों-बरस से बदहाल ट्रैफिक की बेतरतीब कहानी साल-दर-साल दोहराई जा रही है। ट्रैफिक सुधरवाने के लिए अफसरों ने योजना बनवा ली, कि मुख्य चौराहों पर ट्रैफिक सिग्नल लगाए जाएंगे। यह काम करोड़ों रुपए खर्च कर किया गया। जब लोग रेड लाइट सिग्नल पर रुकने लगे तो यातायात कुछ हद तक सही हुआ, लेकिन शायद यह तरीका अफसरों को रास नहीं आया। अब शहर के कई चौराहों पर सिग्नल बंद करके रोटरी यानी गोल घेरा बनवाया जा रहा है। लोग अब बेरोकटोक गोल-गोल घूमकर निकल रहे हैं। ट्रैफिक पुलिस के लिए आसानी ये है कि किसी एक कोने पर खड़ा हो जाए और जिस गाड़ीवाले को चाहे, पकड़कर हिसाब दुरुस्त कर ले।

नकली बीमारों का इलाज, फायदे का सौदा

शहर के एक सरकारी डॉक्टर को सरकार ने नोटिस देकर जवाब तलब किया है। कारण भी बेहद खास है। दरअसल डॉक्टर साहब सरकारी कामकाज छोड़कर पांच साल से अवकाश पर रहे, लेकिन इस अवधि में वे क्या करते रहे। पता चला कि वे एक एक ऐसे मेडिकल कॉलेज में सेवाएं दे रहे हैं, जहां कोई मरीज ही नहीं। जांच के समय पता लगा कि सभी मरीज फर्जी रखे गए थे। अब डॉक्टर साहब की कारस्तानी देखिए, जिस अस्पताल में मरीज हैं और उनके इलाज के लिए सरकार हर माह मोटी तनख्वाह दे रही है, उसे छोड़कर बिना मरीजों वाले प्राइवेट अस्पताल में सेवाएं दे रहे हैं। वैसे नकली बीमारों के इलाज का फायदा क्या हो सकता है? ये सोचने और समझने वाली बात है।

अतिथि कब जाओगे...

राज्य में संचालित एक केंद्रीय स्तर के स्वास्थ्य संस्थान के आला अधिकारी के वापस जाने की प्रतीक्षा बेसब्री से की जा रही है। दरअसल प्रभारी बनकर यहां आने के कुछ दिनों बाद ही यहां दिल नहीं लगने पर उन्होंने स्वयं को मेहमान सरीखे बना लिया। यहां की सुविधाओं के विस्तार के बजाय औपचारिकता ही पूरी होने लगी है। संस्थान का परफॉर्मेंस कम होने लगा और स्थानीय कर्मचारियों के हितों की अनदेखी होने लगी। प्रभारी के प्रति नाराजगी बढ़ने लगी है, मगर नियुक्ति का मामला सेंट्रल से डील होने की वजह से स्टाफ 'अतिथि कब जाओगे..' की प्रार्थना ही कर पा रहे हैं।

छूट नहीं रहा मोह

एक बड़े सरकारी अस्पताल के डॉक्टर का सत्ताधीशों के साथ रहने का मोह छूटने का नाम ही नहीं ले रहा है। अस्पताल से दोपहर की ड्यूटी छूटने के बाद वे सीधे माननीय के ठिकाने पर पहुंच जाते हैं। ज्यादा समय वहीं बिताने की वजह से अपनी प्राइवेट प्रैक्टिस भी सही तरीके से नहीं कर पा रहे हैं। स्वास्थ्य गलियारों में इसे लेकर हो रही बुराई का उनकी साख पर भी असर पड़ रहा है, मगर सत्ताधारियों के साथ होने का महत्व मिलने की लत के आगे उन्हें कुछ दिखाई नहीं पड़ रहा है।

जिया कुरैशी, राजकुमार ग्वालानी,
विकास शर्मा, रुचि वर्मा।

प्रदेश भाजपा में संभाग, जिलों के प्रभारी, प्रकोष्ठों में भी बदलेंगे चेहरे

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

प्रदेश भाजपा की नई कार्यकारिणी के ऐलान के साथ सात मोर्चा के अध्यक्ष भी नियुक्त हो गए हैं। अब आने वाले समय में प्रदेश भाजपा संगठन की बैठक में संभाग और जिलों के प्रभारियों के साथ ही प्रकोष्ठों के संयोजक और सहसंयोजकों पर फैसला होगा।

ज्यादातर पदों पर नए चेहरे ही नजर आएंगे। पांच संभागों में से तीन संभागों के प्रभारियों को वैसे भी दूसरे पद मिल गए हैं। इसी के साथ प्रदेश कार्यकारिणी नई बनने के बाद सभी जिलों के प्रभारी भी नए बनेंगे। जिलाध्यक्ष पहले ही नए बन चुके हैं। भाजपा के प्रदेश संगठन में सात अहम मोर्चा हैं। इनके अध्यक्षों का ऐलान हमेशा ही प्रदेश कार्यकारिणी के साथ होता है। ऐसे में जब 13 अगस्त को किरण देव की नई टीम का ऐलान किया गया तो सात मोर्चा के अध्यक्ष भी बनाए गए। इन सब में नए चेहरों को मौका दिया गया है। वैसे भी सभी मोर्चा के अध्यक्षों का कार्यकाल पूरा होने के बाद इनका बदला जाना तय था।

हरिभूमि फॉलोअप

आने वाले समय में प्रदेश संगठन की बैठक में होगा फैसला

प्रभारी भी बदलेंगे

प्रदेश के पांच संभागों के इस समय जो प्रभारी हैं, उसमें दुर्ग के प्रभारी भूपेंद्र सवन्नी को क्रेडा का अध्यक्ष बना दिया गया है। इस तरह से बिलासपुर संभाग के प्रभारी अनुराग सिंहदेव छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल के अध्यक्ष बन गए हैं। सरगुजा संभाग के प्रभारी राजा पांडेय को छत्तीसगढ़ पाठ्यपुस्तक निगम का अध्यक्ष बनाया गया है। अभी रायपुर संभाग के प्रभारी सौरभ सिंह और बस्तर संभाग के प्रभारी रजनीश सिंह को कोई पद नहीं मिला है। अब प्रदेश संगठन तय करेगा कि सभी संभागों के प्रभारी बदले जाएंगे या फिर दो संभाग के प्रभारियों के संभाग बदलकर उनको वापस जिम्मा दिया जाएगा। इसी तरह से जिलों के प्रभारियों में भी फेरबदल के साथ नए चेहरों को भी मौका दिए जाने की संभावना है। कुछ जिलों के प्रभारियों को भी दूसरे पद मिल गए हैं। ऐसे में इनका बदला जाना तय है।

सभी प्रकोष्ठ के बदलेंगे संयोजक और सहसंयोजक

भाजपा के प्रदेश संगठन में करीब डेढ़ दर्जन प्रकोष्ठ हैं। अब इसके भी संयोजक और सहसंयोजक बदले जाएंगे। इनके संयोजक और सहसंयोजकों का कार्यकाल भी पूरा हो गया है। इनमें नियुक्ति के लिए प्रदेश संगठन की बैठक में चर्चा के बाद इनके संयोजकों और सहसंयोजकों के नामों का ऐलान होगा।

सांसद बृजमोहन की समीक्षा बैठक में भी उठा था मुद्दा

खाली भूखंडों से दो साल का वसूलना था टैक्स, पर नोटिस डायवर्सन तारीख से भेज रहे

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

शहरभर के खाली भूखंडों से नगर निगम प्लॉट की डायवर्सन तारीख से टैक्स वसूल रहा है, जबकि निगम सामान्य सभा और एमआईसी ने पहले ही खुले भूखंड की स्थिति में दो साल का बकाया कर का एकमुश्त भुगतान करने पर करदाताओं को इसमें राहत देने का निर्णय लिया है। यह प्रस्ताव शासन के पास मंजूरी के लिए भेजा गया है। ऐसे में सामान्य सभा के निर्णय की अनदेखी से निगम के सभापति सूर्यकांत राठौर नाराज हैं।

हरिभूमि सरोकार

उन्होंने निगम आयुक्त को इस संबंध में चिट्ठी लिखकर ऐतराज जताया है और कहा कि सामान्य सभा से निर्णय पर निगम कोई कार्रवाई नहीं कर सकता। आयुक्त केवल पुर्नविचार का प्रस्ताव ला सकते हैं। खुले भूखंड से डायवर्सन तारीख से टैक्स वसूलना गलत है। वहीं राजस्व विभाग की उपायुक्त डॉ. अंजलि शर्मा का कहना है कि सामान्य सभा से संकल्प पारित जरूर हुआ है, पर शासन स्तर अभी तक इस प्रस्ताव को मंजूरी नहीं मिली है। इस कारण खुले भूखंड के स्वामी को इसमें छूट नहीं दी जा रही है।

शिकायत मिली है, डायवर्सन तारीख से टैक्स नहीं ले सकते : राठौर

भुक्तभोगी करदाता ने शिकायत की है कि नगर निगम ने उन्हें ओपन प्लॉट के लिए डायवर्सन तारीख से बकाया कर जमा करने डिमांड नोटिस भेजा है। इसके हिसाब से 8 साल बकाया कर मांगा गया है, यह गलत है। मैंने निगम आयुक्त विश्वदीप को इस संबंध में पत्र लिखकर अवगत कराया है कि एमआईसी और सामान्य सभा से यह प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित हो चुका है कि खुले भूखंड के ओनर से डायवर्सन तारीख की जगह पिछले दो साल का बकाया कर एक साथ लेकर उसे रेगुलर कर सकते हैं। यह प्रस्ताव शासन के पास भेजा गया है। ऐसे में सामान्य सभा के निर्णय पर निगम प्रशासन कोई कार्रवाई नहीं कर सकता। आयुक्त चाहें तो केवल इस पर पुनर्विचार का प्रस्ताव ला सकते हैं। इससे निगम की राजस्व वसूली प्रभावित हो सकती है।

सभापति नाराज, निगम आयुक्त को लिखा पत्र

फाइल फोटो

राजस्व उपायुक्त का ये है कहना

नगर निगम उपायुक्त राजस्व डॉ. अंजलि शर्मा का कहना है, खुले भूखंड स्वामी को डायवर्सन तारीख से बकाया कर भुगतान के लिए जोन के माध्यम से डिमांड नोटिस भेज रहे हैं। एमआईसी और सामान्य सभा से प्रस्ताव को पारित कर शासन के पास मंजूरी के लिए भेजा गया है, वहां से अभी तक कोई जवाब नहीं आया है। सामान्य सभा के पास कर कम करने की पॉवर नहीं है, इसलिए नगर निगम खुले भूखंड के बकाया कर में छूट नहीं दे सकता। पूर्व की तरह डायवर्सन तारीख से खुले भूखंड के स्वामी से बकाया कर लिया जा रहा है।

निगम एक्ट के तहत ले रहे खाली भूखंडों से टैक्स

शहर में खाली भूखंडों से नगरपालिका निगम के एक्ट के तहत कर लिया जा रहा है। इस संबंध में सभापति का पत्र प्राप्त हुआ है, उसका अध्ययन कर रहे हैं, नियमानुसार इस पर विचार करेंगे।

- विश्वदीप, आयुक्त, ननि रायपुर।

सांसद बृजमोहन की समीक्षा बैठक में उठा था मामला

हाल ही में रायपुर लोकसभा सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने महात्मा गांधी सदन के सामान्य सभागार में शहर के तीन विधायकों, महापौर मीनल चौबे, निगम आयुक्त विश्वदीप, सहित एमआईसी सदस्यों, जोन अध्यक्ष, अपर आयुक्त, उपायुक्त समेत प्रभारी अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली थी। इस दौरान सभापति सूर्यकांत राठौर ने कहा कि शहर के खाली भूखंडों से दो साल का टैक्स लेने की बात हुई थी, फिर 2016-17 से टैक्स लेने की नोटिस जारी हो रहा है क्यों?

जीएसटी में सुधार लाने की घोषणा का कैट ने किया स्वागत

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दैनिक उपयोग की वस्तुओं पर जीएसटी घटाने की घोषणा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

कैट ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दैनिक उपयोग की वस्तुओं पर जीएसटी घटाने और कर स्लैब सरल बनाने की घोषणा का स्वागत किया है। इसे आम नागरिकों पर कर बोझ को कम करने और खपत को बढ़ावा देने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम बताया है।

कैट के पदाधिकारियों ने कहा कि छोटे व्यापारियों, एमएसएमई और खुदरा क्षेत्र के लिए यह बेहद फायदेमंद होगा तथा त्योहारों के मौसम से पहले अर्थव्यवस्था को नई गति देगा।0 कैट के राष्ट्रीय वाइस चेयरमैन अमर पारवानी, प्रदेश चेयरमैन विक्रम सिंहदेव, प्रदेश अध्यक्ष परमानंद जैन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जीएसटी में सुधार लाने की घोषणा का स्वागत किया है। उनका ये भी कहना है, यह साहसिक कदम भारत के व्यापार और अर्थव्यवस्था के लिए गेमचेंजर साबित होगा। श्री पारवानी ने कहा कि यह सुधार कर संरचना को सरल बनाएगा, अनुपालन के बोझ को कम करेगा और सरकार के ईज ऑफ डूइंग बिजनेस तथा ईज ऑफ लिविंग के एजेंडे को और मजबूत करेगा।

श्री पारवानी ने कहा कि देशभर का व्यापारिक समुदाय इस ऐतिहासिक निर्णय का पूर्ण समर्थन करता है और त्योहारों के मौसम से पहले इसके सुचारू और प्रभावी क्रियान्वयन के लिए सरकार के साथ सक्रिय सहयोग करने को तत्पर हैं।

कृषि विवि से रिटायर्ड अधिकारी-कर्मचारियों की पेंशन अटकी, ग्रेच्युटी के लिए भी तरस रहे

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

- सेवानिवृत्ति के बाद हो रहे परेशान, पिछले साल अप्रैल से अटकी राशि

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय में जीवनभर सेवा करने के बाद सेवानिवृत्त कृषि वैज्ञानिक, डीन व अन्य समकक्ष पदों से रिटायर होने वाले अधिकारी और कर्मचारी अब अपनी पेंशन और ग्रेच्युटी की राशि के लिए तरस रहे हैं। कई अधिकारियों को पिछले साल अप्रैल से यह राशि नहीं दी जा रही है।

विवाद नहीं, पर बनाया गया : इस संबंध में बताया गया है कि पेंशन के मामले को लेकर कोई विवाद नहीं है, लेकिन इसे विवादित बनाया जा रहा है। इस पूरे प्रकरण में दो दर्जन से अधिक सेवानिवृत्त अधिकारी परेशान हैं। यह पूरा मामला दो प्रकार के विवादों से घिरा है। पहला तो ये कि विश्वविद्यालय में डीन, प्रोफेसर, प्राध्यापक, अनुसंधान एवं प्रसार संबंधी विभागों से 62 साल की आयु में रिटायर होने वालों को तीन साल क्लासरूम टीचर के रूप में काम करने का अवसर दिया जाता है। इस काम के दौरान उन्हें प्रशासनिक अधिकारी के रूप में कोई अधिकार प्राप्त नहीं होते, लेकिन यही क्लासरूम टीचर जब तीन साल का अतिरिक्त सेवाकाल पूरा कर रहे हैं तो इन्हें पेंशन नहीं दी जा रही है और न ही ग्रेच्युटी का भुगतान हो रहा है। उल्टे उनसे रिकवरी की अनुशंसा किए जाने की बात सामने आ रही है। हालांकि किसी से रिकवरी नहीं हुई है।

पीएचडी का भी मामला : इस संबंध में एक और विवाद ये बताया जा रहा है कि कई अधिकारियों को पेंशन इसलिए नहीं मिल रही है, क्योंकि उन्होंने नौकरी शुरू करने के बाद पांच साल के भीतर पीएचडी नहीं की, लेकिन इस बारे में अधिकारियों का कहना है कि इस मामले में विश्वविद्यालय का नियम ये था कि पांच साल की सेवा के बाद ही पीएचडी करने की अनुमति दी जाएगी। लिहाजा कई अधिकारी बिना पीएचडी किए ही रिटायर हो गए हैं। इन अधिकारियों के पेंशन प्रकरणों को लेकर विवाद की बात सामने आई है। बताया गया है कि पिछले साल अप्रैल तक रिटायर होने वाले सभी अधिकारियों के मामले में यह दुविधा नहीं रही, लेकिन उसके बाद से पेंशन, ग्रेच्युटी रोकी गई है। इस पूरे मामले को लेकर कृषि विवि के रिटायर हो चुके अधिकारियों में भारी नाराजगी है।

भाजपा प्रदेश मीडिया संयोजक-प्रवक्ताओं ने किया पदभार ग्रहण

रायपुर। भाजपा प्रदेश कार्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में रविवार को भाजपा के नवनियुक्त प्रदेश मीडिया संयोजक एवं प्रवक्ताओं ने पदभार ग्रहण किया। इस दौरान प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय, प्रदेश महामंत्री अखिलेश सोनी, सांसद एवं भाजपा मुख्य प्रवक्ता संतोष पांडेय, प्रदेश मीडिया संयोजक हेमंत पाणिग्रही, प्रदेश प्रवक्ता शिवनारायण पाण्डेय, नलिनीश ठोकने, डॉ. विजयशंकर मिश्रा, देवलाल ठाकुर, प्रमोद कुमार शर्मा, टेकेश्वर जैन, डॉ. किरण बघेल, वेदराम जांगड़े, शताब्दी पाण्डेय, केएस चौहान, उज्ज्वल दीपक मौजूद रहे। प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय एवं सांसद व भाजपा मुख्य प्रवक्ता संतोष पांडेय ने प्रदेश मीडिया विभाग की नवनियुक्त टीम को आवश्यक मार्गदर्शन दिए एवं आगामी कार्ययोजना को लेकर चर्चा हुई।

साइकलिस्ट हेरिटेज वॉक : ऐतिहासिक इमारतों के इतिहास से हुए परिचित

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण के 25 वर्ष पूरे होने पर रजत महोत्सव मनाया जा रहा है। इसके अंतर्गत जिला प्रशासन एवं नगर निगम संस्कृति विभाग के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को साइकलिस्ट हेरिटेज वॉक का आयोजन किया गया।

- ऐतिहासिक इमारतों से होकर गुजरी यात्रा

साइकिल सवार लिली चौक, पुरानी बस्ती के टूरीहटरी बाजार, नागरीदास मंदिर, जैतूसाव मठ, अखाड़ा बावली गली, हनुमान मंदिर पहुंचकर ऐतिहासिक इमारतों के स्थापना, नामकरण समेत उसके ऐतिहासिक महत्व से परिचित हुए। नगर निगम मुख्यालय भवन के सामने से साइकिल यात्रा रवाना होकर सिटी कोतवाली चौक, चिकनी मंदिर, रवि भवन, जयस्तंभ चौक, जवाहर मार्केट, गांधी मैदान, रंग मंदिर होते हुए वापस निगम मुख्यालय भवन पहुंची। साइकलिस्ट को नगर निगम संस्कृति विभाग की कार्यक्रम समन्वयक निष्ठा जोशी ने सिटी कोतवाली, चिकनी मंदिर, रवि भवन, जवाहर बाजार, गांधी मैदान एवं रंग मंदिर के ऐतिहासिक महत्व की संक्षिप्त जानकारी दी। इस मौके पर सभी साइकलिस्ट को प्रमाणपत्र प्रदान किया गया। साइकलिस्ट हेरिटेज वॉक में प्रमुख रूप से नगर निगम सभापति सूर्यकांत राठौर, नगर निगम संस्कृति विभाग के अध्यक्ष अमर गिदवानी, जोन-4 के जोन अध्यक्ष मुरली शर्मा, जिला रोजगार अधिकारी कार्यक्रम के जिला नोडल अधिकारी केदार पटेल, निगम उपायुक्त एवं निगम नोडल अधिकारी डॉ. अंजलि शर्मा तथा जोन-4 जोन कमिश्नर अरुण ध्रुव की सहभागिता रही। महापौर मीनल चौबे, कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह के आदेशानुसार तथा नगर निगम आयुक्त विश्वदीप के निर्देशानुसार यह आयोजन किया गया।

खेतों में अब डिजिटल क्रॉप सर्वे शुरू, आधुनिक तरीके से होगी गिरदावरी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ में धान की फसल के लिए होने वाली गिरदावरी अब इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम से होगी। इस डिजिटल क्रॉप सर्वे कहा जाता है। यह अभियान 15 अगस्त से शुरू किया गया है, जो 30 सितंबर तक चलेगा। इस क्रम में रायपुर जिले की सभी तहसीलों में यह काम प्रारंभ हो गया है।

हरिभूमि सरोकार

बताया गया है कि डिजिटल सर्वे का मुख्य उद्देश्य किसानों की वास्तविक फसल स्थिति का आकलन कर उन्हें राज्य एवं केंद्र शासन की योजनाओं का अधिकतम लाभ दिलाना है। इसके अलावा डिजिटल क्रॉप सर्वे किसानों की समृद्धि और पारदर्शिता की दिशा में एक बड़ा कदम है। इससे खेती को नई तकनीक से जोड़कर किसानों की आय बढ़ाने का मार्ग प्रशस्त होगा।

हर खेत की सटीक जानकारी आएगी सामने

डिजिटल क्रॉप सर्वे में मोबाइल इंटरफेस के माध्यम से बोई गई फसल की जानकारी एकत्र करने के लिए डिजिटल फसल सर्वेक्षण प्रणाली स्थापित की गई है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि डेटा सीधे खेत से लिया जाए। यह डेटाबेस प्रत्येक कृषि भूखंड के बारे में सटीक, वास्तविक समय की फसल क्षेत्र की जानकारी प्रदान करता है, जो सटीक उत्पादन अनुमान लगाने में मदद करेगा।

30 सितंबर तक चलेगा अभियान **रायपुर की सभी तहसीलों में काम शुरू**

फाइल फोटो

एग्रीटेक एप में दर्ज होगी रिपोर्ट

डिजिटल क्रॉप सर्वे फील्ड स्तर पर सर्वेयर के माध्यम से किया जा रहा है, जिसमें सर्वेयर को स्वयं खेत में जाकर वहां की स्थिति और फसल का विवरण एग्रीटेक एप में दर्ज करना होता है। साथ में फोटो अपलोड करना होता है, जिसका सत्यापन बाद में पटवारी एवं वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा किया जाएगा। इससे फसल का वास्तविक मूल्यांकन किया जा सकेगा और जमीन की जो परिसम्मति है, उनके संबंध में सही जानकारी प्राप्त होगी।

किसानों का अपने डेटा पर होता है पूरा नियंत्रण

कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय ने डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण अधिनियम, 2023 और देश के अन्य आईटी कानूनों के अनुसार एग्री स्टैक विकसित किया है। एग्री स्टैक किसानों के डेटा की पूर्ण गोपनीयता सुनिश्चित करते हुए किसानों के डेटा को केवल उनकी सहमति से एकत्र करता है। किसानों का अपने डेटा पर पूरा नियंत्रण होता है, जिसे केवल एक विशिष्ट उद्देश्य के लिए उनकी सहमति के आधार पर अधिकृत संस्थाओं के साथ साझा किया जाता है। भारत सरकार एग्री स्टैक में मजबूत डेटा सुरक्षा भी सुनिश्चित करती है। एग्री स्टैक किसानों की जानकारी को एक गुप्त कोड में भेजता है, ताकि केवल निर्दिष्ट सिस्टम ही इसे पढ़ सके। सुरक्षित एपीआई और टोकन-आधारित प्रमाणीकरण सभी डेटा एक्सचेंजों को नियंत्रित करते हैं, जिससे डेटा तक नियंत्रित पहुंच सुनिश्चित होती है। इसके अलावा सरकार इन सभी आईटी प्रणालियों का सुरक्षा ऑडिट करती है और जोखिमों की निगरानी करती है।

खबर संक्षेप

हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में किया पौधारोपण

रायपुर। राष्ट्रीय पर्यावरण एवं खनिज संरक्षण संस्थान के सहयोग से रेसिडेंट को-ऑपरेटिव सोसाइटी हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी फेस-2 सेजबहार द्वारा कॉलोनी परिसर में रविवार को पौधारोपण कार्यक्रम किया गया। पौधारोपण के बाद आयोजित सभा में संस्था द्वारा पर्यावरण संरक्षण के संबंध में जागरूक किया गया। साथ ही प्लास्टिक के उपयोग से परहेज करने के संबंध में समझाइश दी गई। सोसाइटी के वरिष्ठ सदस्य दुर्गेश मिश्रा द्वारा बिना दवाईयों के स्पर्श चिकित्सा द्वारा गंभीर रोगों से मुक्ति के लिए उपायों की जानकारी दी गई। पौधारोपण कार्यक्रम में सुनील कुमार, प्रकाश शर्मा, अमित सोनी, नितिन शर्मा, उदयपाल सिंग, एचडी ढेकवार, मोनिका बागरेचा, अनिल सिन्हा, बीआर देवांगन बड़ी संख्या में कॉलोनीवासी उपस्थित थे।

मूर्त रूप लेने लगी माता कौशल्या की मूर्ति

रायपुर। चित्रोत्पला लोककला परिषद द्वारा माता कौशल्या संग तीजा तिहार चंदखुरी में मनाया जा रहा है, जिसके लिए अयोध्या से मिट्टी लाई गई है, उसी मिट्टी से प्रसिद्ध मूर्तिकार पीलू साहू द्वारा माता कौशल्या और भगवान राम की भव्य मूर्ति बनाई जा रही है। यह जानकारी परिषद के निदेशक राकेश तिवारी ने देते हुए बताया कि मूर्ति अब मूर्त रूप लेने लगी है, मूर्ति को विभिन्न छत्तीसगढ़ी वेशभूषा तथा आभूषणों से सजाया जाएगा एवं पोला त्योहार के पावन पर्व पर चंदखुरी में स्थापित किया जाएगा। तीजा मनाने के बाद बासी खिलाकर लुगरा भेंट कर जुलूस के रूप में पूरे चंदखुरी ग्राम का भ्रमण कराकर मूर्ति को विसर्जित किया जाएगा।

तीजा पर्व पर हुआ कार्यक्रम महिलाओं ने लिया भाग

रायपुर। हरितालिका तीज के उपलक्ष्य में अग्र-यारी सखी मंच द्वारा सामाजिक भवन कोटा में 15 अगस्त को करू भात का सफल आयोजन किया। यह छत्तीसगढ़ में तीज व्रत से पहले महिलाओं द्वारा किया जाने वाला एक पारंपरिक भोजन है, जिसमें करेले की सब्जी और भात खाया जाता है। सभी सखियां उत्साह के साथ 16 श्रृंगार कर कार्यक्रम स्थल पहुंचीं, जहां अनीता अग्रवाल, वंदना अग्रवाल, अपी अग्रवाल, नीरजा अग्रवाल ने सभी का स्वागत अखंड सौभाग्य की कामना के साथ कुमकुम अक्षत से किया। फिर विजयलक्ष्मी अग्रवाल और रेखा अग्रवाल ने सौभाग्य और समृद्धि का प्रतीक महावर लगाकर मंगलकामना की। कार्यक्रम में रत्ना अग्रवाल, लक्ष्मी अग्रवाल, रश्मि अग्रवाल, रानी अग्रवाल, किरण अग्रवाल, मिथिला अग्रवाल, ममता अग्रवाल, मंजूषा अग्रवाल तथा अग्र-शक्ति की अध्यक्ष आशी अग्रवाल उपस्थित रहीं।

सिंधु संस्कार सेवा समिति महिला विंग ने मनाया थदड़ी पर्व

रायपुर। सिंधु संस्कार सेवा समिति महिला विंग ने शीतला सप्तमी के अवसर पर 'थदड़ी महोत्सव' का भव्य आयोजन किया। यह त्योहार समाज की उन बहनों के साथ मनाया गया, जो हमारे घरों को सुव्यवस्थित रखने में महत्वपूर्ण योगदान देती हैं। सिंधी समाज में थदड़ी के दिन घरों में चूल्हा नहीं जलाया जाता तथा एक दिन पूर्व मीठी कोकी, नमकीन कोकी, दही बड़े, मूंग के पराठे, पूरी-सब्जी सहित विविध पारंपरिक व्यंजनों को तैयार कर अगले दिन ठंडा भोजन ग्रहण किया जाता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता डिंपल शर्मा ने की। महासचिव भावना चांदनी, सुमन साहनी, रश्मि गोवानी, जया नेभानी, पायल तलरेजा, सुमन बजाज, भावना बिरजू, रेजा अनीता कुकरेजा, ज्योति हुंदानी, सुलोचना नारायणी, भारतीय अम्लानी, प्रिया अम्लानी, हेमा सुंदरानी आदि शामिल रहे।

निधन

लखीराम अग्रवाल

रायपुर। समता कॉलोनी निवासी लखीराम अग्रवाल का 17 अगस्त को निधन हो गया। उनकी अंतिम यात्रा 18 अगस्त को शाम 4 बजे उनके निवास स्थान से मारवाड़ी श्मशानघाट के लिए निकलेगी। वे श्याम सुंदर, बिहारी, ग्यारसी एवं विनोद अग्रवाल के पिता थे।

निगम की मोटर वर्कशॉप में न स्थायी वाहन चालक, न मोटर मैकेनिक

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

नगर निगम के मोटर वर्कशॉप में गिनती के नियमित कर्मचारी-अधिकारी होने से यह अहम विभाग प्लेसमेंट कर्मचारियों के भरोसे चल रहा है। हालात ये हैं कि न तो नगर निगम की गाड़ियों की धुलाई की व्यवस्था है और न ही निगम के पास अपने विभिन्न विभागों के वाहन चलाने स्थायी वाहन चालक पदस्थ हैं। यहां तक कि मोटर मैकेनिक, इंजीनियर से लेकर हेल्पर और वेल्डर तक के पद सालों से खाली हैं, जिन्हें अब तक नहीं भरा गया। जोन कार्यालय या निगम मुख्यालय को गाड़ियों की मरम्मत करानी हो तो उसे मोटर वर्कशॉप से बाहर प्राइवेट गैरेज भेजकर मरम्मत कराने की नौबत आती रही है। जबकि पहले निगम की यह मोटर वर्कशॉप संसाधन के मामले समृद्ध रही है।

वर्कशॉप में संसाधन का टोटा, गाड़ियों की मरम्मत के लिए बाहर भेजने की नौबत

डिप्लोमाधारी इंजीनियर मैकेनिक वेल्डर, हेल्पर का टोटा

मोटर वर्कशॉप के लिए 2 डिप्लोमाधारी मैकेनिकल इंजीनियर्स की जरूरत है। इसी तरह 2 मैकेनिक चाहिए, 1 वेल्डर और 2 कंप्यूटर ऑपरेटर के साथ ही 2 हेल्परों की आवश्यकता है। अब ये मैनपॉवर प्लेसमेंट के जरिए पूरा किया जाएगा। 12 महीने की समयावधि के लिए ठेका एजेंसी प्लेसमेंट पर कर्मचारी उपलब्ध कराएगी। इसके एवज में नगर निगम को 2 करोड़ 28 लाख रुपए अनुमानित खर्च करना होगा।

महापौर, सभापति, एमआईसी मेंबर नेता प्रतिपक्ष को वाहन चालक

शहरी सरकार की मुखिया यानी महापौर से लेकर निगम सभापति और परिषद के दर्जनभर से ज्यादा एमआईसी मेंबर्स को नगर निगम वाहन चालक उपलब्ध कराएगा। साथ ही नेता प्रतिपक्ष की गाड़ी के लिए भी वाहन चालक की व्यवस्था निगम मुख्यालय से होगी। इसके लिए प्लेसमेंट के माध्यम से वाहन चालक रखे जाएंगे। विदित हो कि निगम आयुक्त से लेकर उपायुक्त, अपर आयुक्त, अधीक्षण अभियंता, स्वास्थ्य विभाग सहित अन्य विभागों के लिए उपलब्ध कराए गए वाहनों के लिए प्लेसमेंट पर ही वाहन चालक की व्यवस्था की गई है, यानी नियमित वाहन चालक नगर निगम के पास गिनती के हैं।

प्रदेश के सबसे बड़े नगर निगम की मोटर वर्कशॉप कर्मचारी-अधिकारियों की कमी से जूझ रही है। हालत ये है कि निगम के अलग-अलग विभाग जैसे बिजली, नगर निवेश, स्वास्थ्य, सफाई, जल विभाग, लोक निर्माण विभाग के पास गाड़ियों को चलाने स्थायी वाहन चालक नहीं हैं। इसके चलते निगम के गाड़ियों का परिचालन प्रभावित होने लगा है।

इसे देखते हुए मोटर वर्कशॉप विभाग ने 87 वाहन चालक प्लेसमेंट के जरिए रखने एमआईसी में प्रस्ताव दिया है, यानी अब निगम की गाड़ियां नियमित वाहन चालक की जगह प्लेसमेंट के तहत ठेकेदार द्वारा रखे गए वाहन चालक गाड़ी चलाते नजर आएंगे। कलेक्टर दर पर 87 वाहन चालक रखने की तैयारी है।

धमतरी, रायपुर, बेमेतरा, सारंगढ़-रायगढ़ के बांधों से पानी छोड़ने की मांग

धान की फसल सूखने लगी, किसानों की मांग पर गंगरेल से छोड़ा गया पानी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ में इस बार अच्छी बारिश हुई है। प्रदेश के कई बांध भर चुके हैं, लेकिन पिछले कुछ दिनों से मानसून ब्रेक की स्थिति के चलते प्रदेश में धान की फसल सूखने लगी है। सारंगढ़-रायगढ़ इलाके में बारिश के अभाव में खेत सूखने लगे है। धमतरी, बेमेतरा, सारंगढ़, रायगढ़ और रायपुर जिले के कुछ इलाकों में बारिश के अभाव में फसलों पर खतरा मंडराने लगा है। यहां फसलों को बचाने बांधों से पानी छोड़ने की मांग लगातार की जा रही है। रविवार को सिंचाई के लिए गंगरेल बांध के दो गेट खोले गए।

हरिभूमि सरोकार

बीते 10-12 दिनों से बरसात न होने व मानसून ब्रेक की स्थिति के चलते खेतों में पानी की कमी से किसानी कार्य लगभग ठप हो गया था। किसानों का कहना है कि कम बारिश होने से अब उनकी खेती-किसानी पर असर पड़ने लगी है। जिला प्रशासन से मांग की गई है कि जल्द पानी नहीं छोड़ा गया तो फसल पर विपरीत प्रभाव पड़ेगा।

बताया जाता है कि धमतरी जिले के सिवानकला और उनके आसपास के 15 गांवों में भी यही स्थिति है। अल्पवर्षा के कारण खेती-किसानी कार्य, रोपा और बियासी नहीं हो पाए हैं। किसानों की धान की फसल बर्बाद होने लगी है। यही हाल अभनपुर, आरंग, धरसींवा के कुछ इलाकों का है। खंड वर्षा की वजह से कई गांवों में पानी बरसने के बाद तेज धूप के चलते खेतों से पानी गायब होने के कारण जमीन पर दरार दिखाई दे रही है। रोपा और बियासी के लिए खेतों में पानी होने पर फसल सूखने से बच सकती है।

सिकासार भरा, नदी में छोड़ा जा रहा पानी

लगातार हो रही बारिश से गरियाबंद जिले स्थित सिकासार बांध में जलस्तर बढ़ गया है। बांध में पानी 193.97 मीटर क्यूबिक तक पहुंच गया है। इस सीजन में पहली बार जलाशय 97.51 प्रतिशत जलभराव पर पहुंचा है। बढ़ते जलस्तर को नियंत्रित करने के लिए सिकासार बांध से 2500 क्यूसेक पानी छोड़ा गया है।

सिंचाई के लिए गंगरेल के दो मुख्य गेट खुले

गंगरेल बांध के मुख्य 14 गेट से पानी छोड़े जाने का नजारा लेने लोग लालयित रहते हैं, लेकिन बांध लबालब होने से पहले सिंचाई के लिए रविवार को दो गेट खोले गए। इसके अलावा पेन स्टाक (बिजली उत्पादन) वाला तथा भिलाई केनाल से पानी छोड़ा जा रहा है। दो रेडियल गेट से 2500 क्यूसेक, पेन स्टाक से 1650 क्यूसेक तथा एचआर गेट से 300 क्यूसेक पानी गंगरेल बांध से छूट रहा है। रविवार शाम को गंगरेल बांध में 81.30 फीसदी जलभराव की स्थिति है। पानी की आवक 6200 क्यूसेक दर्ज की गई है।

धान की फसल के लिए पानी की ज्यादा जरूरत

धान की फसल के लिए पानी की ज्यादा डिमांड होती है। अगर रोपाई और बियासी के समय ज्यादा मात्रा में पानी नहीं मिलती है तो फसल बर्बाद हो सकता है, इसलिए किसान परेशान हैं।

अब तक 722 मिमी बारिश, बेमेतरा में सबसे कम

छत्तीसगढ़ में 1 जून से अब तक 722 मिमी. औसत वर्षा रिकार्ड की जा चुकी है। मिली जानकारी के अनुसार, प्रदेश में अब तक बलरामपुर जिले में सर्वाधिक 1140 मिमी वर्षा रिकार्ड की गई है। बेमेतरा जिले में सबसे कम 367.2 मिमी वर्षा दर्ज हुई है। रायपुर संभाग के रायपुर जिले में 639 मिमी, बलौदाबाजार में 571.3 मिमी, गरियाबंद में 620 मिमी, महासमुंद में 582 मिमी और धमतरी में 625 मिमी औसत वर्षा दर्ज हुई है। बिलासपुर संभाग के बिलासपुर जिले में 732 , मुंगेली में 743, रायगढ़ में 858, सारंगढ़-बिलाईगढ़ में 621, जांजगीर-चांपा में 909, सक्ती में 771, कोरबा में 753, गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही 679 मिमी औसत वर्षा दर्ज हुई है। दुर्ग संभाग के दुर्ग जिले में 603, कबीरधाम में 531, राजनांदगांव में 669, मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी में 891, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई में 509, बालोद में 749. औसत वर्षा दर्ज हुई है। सरगुजा संभाग के सरगुजा जिले में 530, सूरजपुर में 865, जशपुर में 769, कोरिया में 820 और मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में 747 औसत वर्षा दर्ज हुई है। बस्तर संभाग के बस्तर जिले में 908, कोंडागांव में 618, कांकेर में 798, नारायणपुर में 813, दंतेवाड़ा में 826, सुकमा में 642, और बीजापुर में 905 औसत वर्षा रिकार्ड की जा चुकी है।

27 फीसदी वेतनवृद्धि, 10 लाख का बीमा और 30 दिन के चिकित्सकीय अवकाश पर जताई सहमति

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की कार्यकारिणी समिति ने कर्मचारियों को 27 प्रतिशत वेतनवृद्धि का लाभ दिए जाने पर सैद्धांतिक सहमति प्रदान की है। इसके अलावा उन्हें पिछले साल के वेतन में अतिरिक्त 5 फीसदी का लाभ शासन की सहमति के उपरांत दिए जाने का फैसला लिया है। इसके अलावा उनकी तबादला नीति में सुधार के साथ 10 लाख का स्वास्थ्य बीमा और गंभीर बीमारी अथवा दुर्घटना होने पर 30 दिन तक सवैतनिक अवकाश दिए जाने का फैसला लिया है।

- तबादला नीति में होगा सुधार कर्मचारियों को मिलेगा राहत पैकेज

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) अंतर्गत राज्य स्वास्थ्य समिति की कार्यकारिणी समिति की बैठक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के सचिव अमित कटारिया की अध्यक्षता में हुई। बैठक में कर्मचारी संघ की ओर से प्रस्तुत मांगों पर चर्चा की गई। समिति ने वार्षिक कार्य मूल्यांकन (सीआर) व्यवस्था में पारदर्शिता लाने पर सहमति दी। अब राज्य और जिला स्तर पर ऐसे पदों के लिए, जिनके स्वीकारकर्ता अधिकारी मिशन संचालक होंगे, अपील सुनवाई का अधिकार स्वास्थ्य विभाग के भारसाधक सचिव को मिलेगा। वहीं जिला और विकासखंड स्तर पर जहां स्वीकारकर्ता अधिकारी कलेक्टर अथवा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी होंगे, वहां अपील मिशन संचालक के समक्ष प्रस्तुत की जा सकेगी। अपीलीय अधिकारी को प्रतिकूल टिप्पणी अथवा सेवा समाप्ति संबंधी आदेश को मान्य अथवा अमान्य करने का अधिकार दिया गया है। इसके अलावा उन्हें चिकित्सकीय अवकाश सुविधा के अंतर्गत दुर्घटना या गंभीर बीमारी की स्थिति में 30 दिन का सवैतनिक अवकाश देने का निर्णय लिया गया।

तबादला नीति में होगा आंशिक संशोधन

मुख्यमंत्री की घोषणा के अनुरूप जुलाई 2023 की स्थिति में कार्यरत संविदा कर्मचारियों को वित्तीय वर्ष 2023-24 में 1 जुलाई 2023 से 31 मार्च 2024 तक तथा वित्तीय वर्ष 2024-25 में 5 प्रतिशत अतिरिक्त वेतन वृद्धि का लाभ वित्त विभाग, छत्तीसगढ़ शासन से सहमति उपरांत वेतन वृद्धि प्रदान किए जाने का निर्णय लिया गया। बैठक में स्थानांतरण नीति एवं मानव संसाधन नीति में आंशिक संशोधन करने का भी निर्णय लिया गया। इसके लिए राज्य स्तरीय समिति का गठन होगा, जो अन्य विभागों की नीतियों का अध्ययन कर नियमसंगत एवं तर्कसंगत प्रस्ताव प्रस्तुत करेगी।

पटवारी कार्यालयों के लिए 7.70 करोड़ रुपए की स्वीकृति

रायपुर। पटवारियों द्वारा ऑनलाइन काम बंद किए जाने की चेतावनी के बाद राजस्व विभाग ने पटवारी कार्यालयों के सुचारू संचालन के लिए 7.70 करोड़ रुपए की स्वीकृति दी है। राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने कहा, सरकार ने पटवारियों की जायज मांगों को स्वीकार करते हुए वित्तीय स्वीकृति दी है। मांग पत्रक में शामिल बिंदुओं पर विचार करते हुए पटवारियों के लिए विभिन्न मदों में राशि आवंटित की गई। कार्यालय संचालन, आवश्यक संसाधन एवं सुविधा विस्तार के लिए यह राशि उपलब्ध कराई जाएगी। इस निर्णय से कार्यप्रणाली में पारदर्शिता बढ़ेगी और आम जनता को और अधिक सुगम सेवाएं मिलेंगी। राजस्व विभाग द्वारा आदेश जारी कर दिए गए हैं। पटवारी संगठनों ने इस फैसले का स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री और राजस्व मंत्री का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि यह निर्णय छत्तीसगढ़ की राजस्व व्यवस्था को सुदृढ़ करने वाला ऐतिहासिक कदम है। गौरतलब है कि पटवारियों द्वारा लंबे समय से पटवारी कार्यालयों के सुचारू संचालन एवं अन्य व्यवस्थाओं के लिए लगातार मांग की जा रही थी।

- पटवारियों की ऑनलाइन काम बंद की की धमकी के बाद एक्शन में विभाग

रोड क्रॉस करते कार टकराई, विवाद के बाद युवक पर चाकू से हमला कर आरोपी फरार

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

राजेंद्र नगर थाना क्षेत्र के महावीर नगर सिग्नल के पास रोड क्रॉस करने के दौरान गाड़ी टकराने के विवाद पर एक पक्ष के युवकों के समूह ने दूसरे पक्ष के एक व्यक्ति के साथ मारपीट कर उसके मामा के ऊपर चाकू से जानलेवा हमला कर दिया। घटना शनिवार रात साढ़े 8 से 9 बजे के बीच की है। घटना के बाद आरोपी फरार हैं। घटना का सीसीटीवी फूटेज सामने आया है। फूटेज के आधार पर पुलिस बदमाशों की पहचान कर कार्रवाई करने की बात कह रही है।

- घटना राजेंद्र नगर थाना क्षेत्र के महावीर नगर सिग्नल के पास की

सुजीत ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है कि घटना दिनांक को उसका मामा अपनी ओला कार से महावीर नगर चौक के पास रोड क्रॉस कर रहा था। इस दौरान रेड सिग्नल होने की वजह से सुजीत के मामा की कार रंजीत की गाड़ी से टकरा गई। इस बात को लेकर रंजीत तथा उसके साथी सुजीत के मामा के साथ विवाद करने लगे। सुजीत के मामा ने घटना की जानकारी अपने परिजनों को दी।

जानकारी मिलने के बाद सुजीत मौके पर पहुंचा तो मौके पर उपस्थित रंजीत तथा उसके साथी सुजीत के साथ विवाद करने लगे और उसे जान से मारने की धमकी देते हुए उसकी लाठी-डंडों से पिटाई करने लगे।

बचने के लिए सुजीत एक्टिवा छोड़कर भागने लगा तो रंजीत तथा उसके साथी उसे चारों ओर से घेर लिए। इस दौरान रंजीत जेब से चाकू निकालकर सुजीत पर ताबड़तोड़ वार करने लगा। चाकू लगने से सुजीत के कंधे, पीठ, जांघ तथा शरीर के अन्य हिस्सों में चोटें आई हैं। घटना के बाद से आरोपी युवक फरार हैं।

पेज 11 के शेष ...

ट्रैफिक पर निगरानी...

25 प्रतिशत कम कार्रवाई हो रही है। वर्ष 2018 में राजधानी की जरूरत के हिसाब से शहर के व्यस्त मार्गों की निगरानी करने आईटीएमएस योजना के तहत कैमरे लगाए गए थे। इन कैमरों में से 25 प्रतिशत कैमरों की तत्काल मरम्मत की जरूरत है। नियमतः इन कैमरों को पांच साल में बदलने का नियम है। बावजूद इसके कैमरे बदले तो नहीं, साथ ही इन कैमरों की मरम्मत तक नहीं कराई गई है। इसके चलते तीसरी आंख को धीरे-धीरे लाइलाज बीमारी काला मोतियाबिंद हो रही है।

दूरी कम, अपग्रेडेशन...

लंबी दूरी की ट्रेनों में यह स्कीम असर ज्यादा दिखा रही है। खासतौर पर कम दूरी वाले यात्रियों को टिकट अपग्रेडेशन का अधिक फायदा मिल रहा है, जबकि एक से दो दिन की लंबी यात्रा वाले यात्रियों को अपेक्षाकृत कम अवसर मिल पा रहे हैं।

दिनभर धूप-छांव का...

अहसास होता रहा है। दिन का अधिकतम तापमान 33 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचा, जो सामान्य से करीब तीन डिग्री और प्रदेश में सबसे अधिक था। शाम होने के बाद मौसम में थोड़ी ठंडक आई और हवा की गति बढ़ने के बाद कुछ देर तक बारिश भी हुई। पानी गिरने से थोड़ी राहत मिली। मौसम विशेषज्ञों का अनुमान है कि अगले चौबीस घंटे में हल्की से मध्यम वर्षा का दौर रह सकता है। अभी बंगाल की खाड़ी में सिस्टम बना हुआ है, जिसके दो दिन में विकसित होकर बारिश का कारण बनने की संभावना है। बारिश का अधिक प्रभाव मध्य और दक्षिण छत्तीसगढ़ में रहने का अनुमान है। अगले चौबीस घंटे में बीजापुर, सुकमा, दंतेवाड़ा और बस्तर के जिलों में बारिश होने की संभावना है।

सरकारी अस्पतालों की...

सहित अन्य सामग्री की भुगतान प्रक्रिया काफी ढीली हो चुकी है। इसकी वजह से जारी होने वाले टेंडर में शामिल होने वाली की मल्टीनेशनल कंपनियां अपना हाथ खींच चुकी हैं। दवा निगम द्वारा जारी किए जाने वाले ज्यादातर टेंडरों में स्थानीय कंपनियों का दबदबा है और उन्हीं के द्वारा मेडिकल उपकरणों समेत अन्य दवाओं की सप्लाई की जा रही है। महीनेभर से दवा निगम द्वारा तमाम सरकारी अस्पतालों को पत्र भेजकर विभिन्न तरह की दवाओं को वापस गोदाम भेजने के निर्देश दिए जा रहे हैं। इस दौरान मिलने वाली शिकायतों की जांच कर संबंधित कंपनी के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई का तर्क दिया जा रहा है, मगर अब तक किसी भी सप्लायर कंपनी के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई है। सजा के तौर पर दवा कंपनियों से खराब बैच की दवाओं के बदले नई बैच की दवाएं भेजने की प्रक्रिया पूरी कराई गई है।

कॉलेजों में प्राध्यापकों के...

संघर्ष संघ के पदाधिकारी और सदस्य जुटे। संघ ने छत्तीसगढ़ के विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में रिक्त सहायक प्राध्यापकों के रिक्त पदों पर शीघ्र भर्ती करने की मांग की है। संघ का कहना है कि प्रदेश के उच्च शैक्षणिक संस्थानों में प्राध्यापकों के 50 से 70% तक पद रिक्त हैं। लंबे समय से रिक्त पड़े पदों के कारण उच्च शिक्षा की गुणवत्ता प्रभावित हो रही है। शासन यदि इसमें दिलचस्पी लेते हुए रिक्त पदों पर भर्ती करे तो बेरोजगार युवाओं को रोजगार मिलने के साथ ही शिक्षा की गुणवत्ता भी बेहतर होगी।

खबर संक्षेप

पूर्व पीएम अटलजी को दी श्रद्धांजलि

रायपुर। मार्निंग वॉक कॉफी ग्रुप एवं एक नया प्रयास फाउंडेशन द्वारा शंकर नगर चौपाटी में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई की पुण्यतिथि मनाई गई। साथ ही श्रद्धांजलि भी अर्पित की गई। श्रद्धांजलि देने वालों में पार्षद राजेश गुप्ता, फाउंडेशन के अध्यक्ष अनूप खेलकर, सुधीर कुमार चौबे, सरोरा के पूर्व सरपंच बिहारी वर्मा, डीआर साहू, राधेश्याम राय, सीताराम कुर्रे, रामानंद पांडे, मनोज पाण्डेय, झंगलू एवं अन्य नागरिक उपस्थित रहे।

दलदल सिवनी में मनाया गुरु बालकदास का जन्मदिवस

रायपुर। सतनाम आंदोलन के महानायक महान क्रांतिकारी अमर शहीद राजा गुरु बालकदास का 214वां जन्मदिवस 16 अगस्त को पीएम आवास दलदल सिवनी में धूमधाम से मनाया गया। जहां संस्था के सदस्यों ने जानकारी देते हुए बताया कि इस अवसर पर पंथी नृत्य के साथ भण्डारे का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम में संरक्षक जय बंजारे, अध्यक्ष प्रवीण कुर्रे, टिकेश्वर चतुर्वेदी, संतोष जांगड़े, जुगनू आडिल, हेमंत घृतलहरे, उत्तम सोनवानी, प्रदीप जांगड़े, मनोज डहरिया, भूपेंद्र चेलक, दिलेश्वर बघेल, रवि बांधे, उमेंद्र जांगड़े, शशिकला जांगड़े, वर्षा जांगड़े, नर्गिस आडिल सहित बड़ी संख्या में महिलाएं भी उपस्थित रहीं।

आदिवासी हितों की रक्षा करने में बीजेपी-कांग्रेस फेल

रायपुर। आम आदमी पार्टी प्रदेशाध्यक्ष गोपाल साहू ने सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा है कि छत्तीसगढ़ में बस्तर से लेकर सरगुजा तक पूरे राज्य में धर्मांतरण का मामला गरमाया हुआ है। आजादी के 79 वर्ष बीत जाने के बाद भी प्रदेश के सुदूर आदिवासी अंचलों में आज भी मूलभूत सुविधाओं का अभाव है। प्रदेश महासचिव सूरज उपाध्याय ने कहा, आदिवासियों को जल-जंगल-जमीन से बेदखल कर उनकी जमीनों पर उद्योगपतियों का कब्जा करवाया जा रहा है।

डॉ. पुरुषोत्तम बने चंद्रनाहू कुर्मी क्षत्रिय समाज के अध्यक्ष

रायपुर। चंद्रनाहू कुर्मी क्षत्रिय समाज रायपुर नगर उपक्षेत्र रायपुर राज का चुनाव किया गया, जिसमें अध्यक्ष डॉ. पुरुषोत्तम चंद्राकर, उपाध्यक्ष हरिशंकर चंद्राकर को बनाया गया। अन्य पदाधिकारियों में सचिव किरण चंद्राकर, कोषाध्यक्ष अनिल चंद्राकर, न्याय कमेटी लीलाधर चंद्राकर, ट्रस्ट कमेटी केदार प्रसाद चंद्राकर, शिक्षण समिति प्रमोद चंद्राकर, संगठन मंत्री जागेश्वरी चंद्राकर, महिला सदस्य मनीषा चंद्राकर, डॉ. सरोज चंद्राकर, महिला अध्यक्ष योगिता चंद्राकर, युवा अध्यक्ष धर्मेंद्र चंद्राकर चुने गए। चुनाव प्रभारी प्रभात चंद्राकर एवं खुमेश चंद्राकर रहे। कार्यक्रम में सभी सजातीय जनों की उपस्थिति रही। छात्रावास अधीक्षक होमोकांत चंद्राकर का विशेष सहयोग रहा।

छात्रों के लिए स्पेशल टॉक-शो, इसके जरिए करेंगे कौशल विकास, मिलेंगे असल जीवन के अनुभव

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड बातचीत के जरिए छात्रों को हुनरमंद बनाने की तैयारी कर रहा है। सीबीएसई बच्चों में कौशल शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए टॉक शो सीरीज का सहारा लेगा। अगले छह महीनों में बोर्ड द्वारा टॉक शो सीरीज की शुरुआत की जा सकती है। टॉक शो सीरीज का उद्देश्य कौशल शिक्षा को बढ़ावा देना और छात्रों को विभिन्न कौशल क्षेत्रों में कॅरिअर बनाने के लिए प्रेरित करना है। इसके साथ ही बोर्ड सामुदायिक रेडियो को भी लाने की तैयारी कर रहा है। सीबीएसई की प्रबंध समिति की बैठक में कौशल शिक्षा समिति ने इस एजेंडे पर सहमति व्यक्त कर इसे मंजूरी दे दी है। बोर्ड टॉक शो को एक माध्यम के रूप में उपयोग करेगा। इससे छात्रों और शिक्षकों के बीच कौशल शिक्षा को बढ़ावा दिया जा सकेगा। यह सीरीज नीति-निर्माताओं, शिक्षकों, उद्योग जगत के नेताओं और छात्रों के लिए कार्यान्वयन रणनीतियों पर चर्चा करने के लिए एक मंच के रूप में काम कर सकती है। सीरीज में सफल पेशेवरों के शिक्षक व छात्र के साथ साक्षात्कार शामिल होंगे। वे वास्तविक दुनिया के अपने अनुभव साझा करेंगे। इसके अलावा कौशल शिक्षा से लाभान्वित होने वाले छात्रों की सफलता की कहानियों को भी दिखाया जाएगा, जिससे अन्य लोगों को भी इसका अनुसरण करने के लिए प्रोत्साहित हों।

अलग खबर

उद्योगपतियों संग छात्रों की सफलता की कहानी भी होगी साझा

कम्युनिटी रेडियो स्टेशन भी

सीबीएसई कम्युनिटी रेडियो स्टेशन शुरू करने की तैयारी भी कर रहा है। रेडियो पर सिर्फ लेक्चर या नोट्स नहीं बल्कि लाइव और इंटरैक्टिव कार्यक्रम होंगे। बोर्ड की प्रबंध समिति की बैठक में इस प्रस्ताव को भी मंजूरी मिली है। यह संवाद का ऐसा मंच बनेगा जो सभी को एक साथ जोड़ेगा। बोर्ड जल्द ही कम्युनिटी रेडियो के लाइसेंस के लिए आवेदन शुरू करेगा। कुछ माह में अलग-अलग विशेषज्ञों, हितधारकों के साथ बैठकें होंगी, जिसमें यह तय किया जाएगा कि इस पर किस तरह के कार्यक्रम प्रसारित किए जाएं।

शिक्षा वाणी से अलग होगा कम्युनिटी रेडियो

बोर्ड पहले ही शिक्षा वाणी नाम से एक पॉडकास्ट चला रहा है। यह कम्युनिटी रेडियो शिक्षा वाणी से थोड़ा अलग होगा। इससे उन इलाकों में जानकारी पहुंचाने में आसानी होगी जहां इंटरनेट की सुविधा कम है। सीबीएसई का मानना है कि यह रेडियो शिक्षा और कौशल विकास के विषय में जागरूकता फैलाने में मदद कर सकता है। जहां छात्र और शिक्षक अपने विचारों व अनुभवों को साझा कर सकते हैं।

कलेक्टोरेट और तहसील में काम हो रहे प्रभावित, नियमित सुनवाई नहीं हो रही

हर दिन आधे मामलों की सुनवाई, इसलिए थोक में डंप हुए राजस्व न्यायालयों के केस

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

कलेक्टोरेट एवं तहसील के राजस्व न्यायालयों में हर दिन सुनवाई के लिए जितने प्रकरणों में पेशी की तारीख दी जाती है, उनमें 50 प्रतिशत प्रकरणों में भी सुनवाई नहीं हो पा रही है। यही कारण है कि राजस्व न्यायालयों में लंबित प्रकरणों की संख्या भी घट नहीं रही है। राजस्व विभाग के पोर्टल में दर्शित आंकड़े बताते हैं कि न्यायालयों में किस गति से सुनवाई हो रही है। गुरुवार को पोर्टल में जारी आंकड़ों के अनुसार राज्यभर के राजस्व न्यायालयों में 5258 प्रकरणों पर सुनवाई होनी थी, जिनमें से 1926 प्रकरणों पर ही सुनवाई हो पाई। शेष 3332 प्रकरणों पर पेशी की तारीख आगे बढ़ा दी गई। इस तरह 36 प्रतिशत प्रकरणों पर ही सुनवाई हो पाई।

हरिभूमि सरोकार

सरकारी आयोजन, प्रोटोकॉल ड्यूटी बन रही बाधा

राजस्व न्यायालयों में प्रकरणों पर नियमित सुनवाई नहीं होना एवं हर दिन निर्धारित प्रकरणों में 50 प्रतिशत से कम में सुनवाई होने का बड़ा कारण सरकारी आयोजन एवं प्रोटोकॉल ड्यूटी है। इन आयोजनों में राजस्व अधिकारी एवं तहसीलदारों की प्रोटोकॉल ड्यूटी लगा दी जाती है। इसके कारण अधिकारी एवं तहसीलदार कोर्ट में बैठ नहीं पाते। इसके कारण पेशी की तारीख भी आगे बढ़ा दी जाती है।

हड़ताल खत्म होने के बाद भी सुनवाई का प्रतिशत कम

हाल ही में प्रदेशभर के तहसीलदार 17 सूत्रीय मांगों को लेकर हड़ताल पर थे। इसके कारण राजस्व न्यायालयों में सुनवाई भी नहीं हो पाई। सभी प्रकरणों में पेशी की तारीख आगे बढ़ा दी गई। हड़ताल खत्म होने के बाद संभावना जताई जा रही थी कि अब राजस्व प्रकरणों की सुनवाई में तेजी आएगी, लेकिन ऐसा हुआ नहीं। हड़ताल खत्म होने के बाद भी कई अधिकारी एवं तहसीलदारों की ड्यूटी विभिन्न सरकारी आयोजन के अलावा 15 अगस्त समारोह की तैयारियों में लगा दी गई। इसके कारण जिन प्रकरणों में सुनवाई होनी थी, उनमें बहुतों को अगली तारीख दे दी गई।

कहीं 10 हजार, कहीं सात हजार प्रकरण लंबित

प्रकरणों में नियमित सुनवाई नहीं होने के कारण कई जिलों के राजस्व न्यायालयों में लंबित प्रकरणों का आंकड़ा भी बढ़ता जा रहा है। प्रदेश में सबसे ज्यादा दुर्ग जिले में 10 हजार के करीब प्रकरण लंबित हैं। इसी प्रकार रायपुर, बिलासपुर सहित अन्य कई जिलों में 5 हजार से 7 हजार प्रकरण लंबित हैं।

'नाइट राउंड' के आदेश को ठेंगा दिखा रहे सीनियर डॉक्टर

इमरजेंसी विभाग में भर्ती मरीज अब भी जूनियर के भरोसे

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

आंबेडकर अस्पताल के इमरजेंसी विभाग में भर्ती गंभीर मरीज अभी भी इलाज के लिए जूनियर डॉक्टर और सीएमओ के भरोसे हैं। अस्पताल प्रबंधन ने ऐसे मरीजों का ध्यान रखते हुए आठ महीने पहले सीनियर डॉक्टरों की नाइट राउंड ड्यूटी का सिस्टम बनाया था। ज्यादातर डॉक्टर इसका पालन नहीं कर रहे हैं और जो रजिस्टर में अपनी उपस्थिति दिखाते हैं, वे शाम 5 बजे ही नाइट राउंड के रजिस्टर में साइन कर यहां से चले जाते हैं। ओपीडी के बाद इलाज के लिए आने वाले मरीजों द्वारा लापरवाही किए जाने की शिकायतों को दूर करने के लिए दिसंबर महीने में

अस्पताल प्रबंधन ने कंसल्टेंट डॉक्टर अथवा विभागाध्यक्ष रात्रि 9 बजे वार्डों तथा इमरजेंसी के मरीजों की खैर-खबर लेकर और जूनियर को आवश्यकता होने पर इलाज संबंधी निर्देश जारी करने का सिस्टम बनाया था। इस दौरान यह भी व्यवस्था की गई थी कि ड्यूटी के बाद लौटने के दौरान डॉक्टर सीएमओ कार्यालय में रखे उपस्थिति रजिस्टर में अपना हस्ताक्षर करेंगे।

डॉक्टरों की जांच का मामला भी ठंडा

अस्पताल प्रबंधन ने ओपीडी में सही समय पर मरीजों का इलाज शुरू करने के लिए ड्यूटीरत केजुअल्टी मेडिकल ऑफिसरों के विभागों में जाकर राउंड लेने और डॉक्टर की मौजूदगी पर रिपोर्ट तैयार करने का सिस्टम बनाया था। इसमें डॉक्टरों की खाली टेबल की जानकारी अस्पताल अधीक्षक के कार्यालय तक पहुंचानी थी। कुछ ही समय में डॉक्टरों की लेटलतीफी की थोक में रिपोर्टिंग हो गई, जिसके बाद इस व्यवस्था को ही बंद करना पड़ गया था।

तूता में प्रदेश स्तरीय धरना-प्रदर्शन

अतिथि व्याख्याता की भर्ती में मूलनिवासी की प्राथमिकता की अनदेखी, बिफरे अभ्यर्थी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

प्रदेश के महाविद्यालयों में अतिथि व्याख्याता के 800 पदों पर हो रही भर्ती में छत्तीसगढ़ के मूलनिवासी की प्राथमिकता को दरकिनार कर दूसरे राज्यों के आवेदकों की नियुक्ति को लेकर छत्तीसगढ़ मूलनिवासी व्याख्याता संघ ने मोर्चा खोल दिया है। इसके विरोध में प्रदेशभर से आए अतिथि व्याख्याता अभ्यर्थियों ने नवा रायपुर के तूता धरनास्थल पर रविवार को प्रदर्शन किया। प्रदर्शन करने पहुंचे अभ्यर्थियों का कहना है कि अतिथि व्याख्याता नीति-2024 में यह स्पष्ट है कि महाविद्यालयों में अतिथि व्याख्याता की नियुक्ति में छत्तीसगढ़ के मूलनिवासी को ही प्राथमिकता देनी है। इसके बाद भी प्रदेश के विभिन्न संभागों में अतिथि व्याख्याता भर्ती नियम को दरकिनार कर भर्ती प्रक्रिया की जा रही है, जो नियमतः गलत है।

- छत्तीसगढ़ मूलनिवासी अतिथि व्याख्याता संघ के आह्वान पर प्रदर्शन

दरअसल प्रदेश के कॉलेजों में नई शिक्षा नीति के तहत-2024 में अतिथि व्याख्यातों की व्यवस्था की गई है। अधिकतम 11 महीनों के लिए प्रदेश में करीब 2300 अतिथि व्याख्याताओं के पद निकाले गए हैं, लेकिन इनकी नियुक्ति में गड़बड़ी की शिकायतें आ रही है। मूलनिवासी की प्राथमिकता को दरकिनार कर दूसरे राज्य के

आवेदकों की नियुक्ति को लेकर प्रदेश के अभ्यर्थी नाराज हैं। छत्तीसगढ़ मूलनिवासी अतिथि व्याख्याता संघ के प्रदेश अध्यक्ष लवकुमार वर्मा का कहना है कि छत्तीसगढ़ में अतिथि व्याख्याता के चयन के लिए मूलनिवासी का नियम अनिवार्य है, इसके बावजूद बाहरी लोगों की नियुक्तियां धड़ल्ले से हो रही हैं। जो अतिथि व्याख्याता लंबे समय से अपनी सेवाएं दे रहे हैं और जिन्होंने महाविद्यालयों को सुचारू रूप से चलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, उन्हें प्राथमिकता दी जानी चाहिए। प्रदेश के महाविद्यालयों में अतिथि व्याख्याता पद पर स्थानीय युवाओं को प्राथमिकता देने की मांग को लेकर नवा रायपुर के तूता धरनास्थल पर प्रदर्शन किया है।

जमकर की नारेबाजी, प्रदेशव्यापी प्रदर्शन

नवा रायपुर के तूता धरनास्थल पर प्रदेश के विभिन्न स्थानों से पहुंचे अभ्यर्थियों ने अपनी एक सूत्रीय मांग को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया। उनका कहना है कि राज्य के मूलनिवासी युवा नेट, सेट व एमफिल कर बेरोजगार बैठे हैं। वहीं राज्य में भर्ती प्रक्रिया में यहां के प्रशिक्षित युवाओं की अनदेखी की जा रही है, जो कि गलत है। उन्हें अतिथि व्याख्याता पद की भर्ती में पहले प्राथमिकता दी जाए। अभ्यर्थियों ने मुख्यमंत्री और राज्यपाल के नाम एसडीएम को ज्ञापन सौंपा है।

स्वतंत्रता दिवस पर किया पौधारोपण

रायपुर। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर डॉ. केके गुप्ता के फार्म हाउस में ध्वजारोहण किया गया। इस अवसर पर फार्म हाउस में अलग-अलग प्रकार के आम के पौधे रोपे गए। ध्वजारोहण करने वालों में कीर्ति व्यास, वरुण गुप्ता, दिलीप गुप्ता एवं कृष्ण कुमार गुप्ता आदि शामिल रहे।

दाऊजी कांप्लेक्स में ध्वजारोहण

रायपुर। दाऊजी काम्प्लेक्स बोरियाखुर्द के पास आसपास के लोगों ने मिलकर ध्वजारोहण किया। इसमें बिल्डिंग मटेरियल यूनियन के व्यापारी भी प्रमुख रूप से शामिल हुए। सभी ने अपने संबोधन में देश को आजादी दिलाने के लिए प्राणों की आहुति देने वाले गौरवशाली क्षण को याद किया।

आनंद समाज वाचनालय में ध्वजारोहण

रायपुर। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आनंद समाज वाचनालय में ध्वजारोहण किया।

अशोका पाम मेडोस कॉलोनी में ध्वजारोहण

रायपुर। अशोका पाम मेडोस में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर ध्वजारोहण किया गया। कॉलोनी के मुख्य द्वार से प्रभात फेरी करते हुए कॉलोनीवासियों ने देशभक्ति गीत गाए। ध्वजारोहण वरिष्ठ सदस्य राजीव अग्रवाल ने किया। इस अवसर पर कॉलोनीवासी बालाराम वर्मा, संदीप तिवारी, भास्कर तिवारी, अशोक पटेल, दिलीप पांडे आदि शामिल हुए।

विनायक विहार में मनाया स्वतंत्रता दिवस

रायपुर। विनायक विहार डीडीनगर में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर ध्वजारोहण किया गया। मुख्य अतिथि रमेश कुमार साहू ने ध्वजारोहण किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रोफेसर अरुण कुमार ने की तथा विशेष अतिथि एलडी त्रिपाठी रहे। इस अवसर पर पवन ठाकुर, मनीष ठाकुर और प्रकाश यादव समेत अनेक लोग शामिल हुए। कार्यक्रम का संचालन विजय पांडे ने किया।

डाकघर की चिट्ठी सुनी नहीं जा रही, वह कह रहा-मैं जर्जर हूं

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

रायपुर जिले के माना क्षेत्र में संचालित उपडाकघर सालों पहले बने भवन में संचालित हो रहा है। इस भवन की स्थिति ऐसी है कि भवन की दीवारों से लेकर छत पर दरारें पड़ चुकी हैं, जिसे देखकर लोग आशंकित है कि यह दीवारें या छत कभी भी गिर सकती हैं, जिससे बड़ा हादसा हो सकता है। यह स्थिति प्रदेश में कुछ अन्य डाकघरों की भी है, जिनका मेंटनेंस ही नहीं किया जा रहा है। इन डाकघरों की दीवार, छत की मरम्मत से लेकर रंगाई तक नहीं की जा रही है। यही नहीं, इन भवनों में सालों पुराने लगे सिलिंग पंखे खराब होने के बाद भी बदले नहीं जा रहे हैं।

ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित डाकघरों में मेंटनेंस का अभाव

ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित उप डाकघरों में मेंटनेंस का अभाव देखा जा रहा है। यही कारण है कि कई उप डाकघर भवनों की स्थिति भी सहीं नहीं है। कर्मचारियों का यह भी कहना है कि फंड के अभाव के कारण मेंटनेंस नहीं किया जा रहा है।

माना उप डाकघर में हो सकता है कभी भी हादसा

माना कैंप स्थित उपडाकघर एक ऐसे भवन में संचालित हो रहा है, जिसका निर्माण सालों पहले हुआ था। इस भवन की छत लकड़ी बल्लियों से बनी हुई है, वहीं पुरानी होने के कारण दीवारों पर भी जगह-जगह दरारें पड़ चुकी हैं। कई जगह बड़ी दरारें भी हैं, जिसे देखकर लगता है मानों दीवार टूटकर गिरने वाली है। इस भवन में पंखा और बिजली वायरिंग भी काफी पुरानी है। इसे तक बदला नहीं गया है। यहां पदस्थ कर्मचारियों ने बताया कि पंखा कई बार खराब हो चुका है, लेकिन उसे बदला तक नहीं गया है। कर्मचारियों का यह भी कहना है कि भवन की छत गिर नहीं जाए, इस डर से भी पंखा नहीं चलाते।

नेशनल लोक अदालत में पिछले साल 22 लाख से ज्यादा केस निपटे थे, इस बार सितंबर में आयोजन

हरिभूमि न्यूज रायपुर

अगले महीने नेशनल लोक अदालत का आयोजन 13 सितंबर को किया जाएगा। खास बात ये है कि लोगों को त्वरित और प्रभावी न्याय दिलाने के लिए इस आयोजन की अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका रही है। पिछले साल छत्तीसगढ़ में नेशनल लोक अदालत के माध्यम से 22 लाख 59 हजार मामलों का निपटारा हुआ था। वहीं देशभर में पिछले चार साल के दौरान करोड़ों मुकदमों का समाधान हुआ था।

प्राधिकरण ने जारी किया पत्रः छत्तीसगढ़ में 13 सितंबर को होने वाली नेशनल लोक अदालत के संबंध में छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण ने राज्य के मुख्य

सचिव को पत्र जारी किया है। इस पत्र में कहा गया है कि राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) के पत्र के हवाले से बताया गया है कि 13 सितंबर को होने वाली नेशनल लोक अदालत में सिविल एवं राजस्व न्यायालयों में सभी स्तरों पर लोक अदालत का आयोजन किया जाकर अधिक से अधिक प्रकरणों का निराकरण लोक अदालत के माध्यम से किया जाना है।

पिछले वर्षों में उल्लेखनीय प्रदर्शन

पिछले कुछ वर्षों में राष्ट्रीय लोक अदालतों ने लाखों मामलों का निपटारा किया है, जिससे न्याय प्रणाली पर बोझ कम करने में मदद मिली है। 2021: 72.06 लाख मुकदमे-पूर्व और 55.82 लाख लंबित मामलों सहित कुल 127.88 लाख मामलों का निपटारा। 2022: 310.15 लाख मुकदमे-पूर्व और 109.11 लाख लंबित मामलों सहित कुल 419.26 लाख मामलों का निपटारा। 2023: 710.33 लाख मुकदमे-पूर्व और 143.09 लाख लंबित मामलों सहित कुल 853.42 लाख मामलों का निपटारा। 2024: 646.35 लाख मुकदमे-पूर्व और 126.34 लाख लंबित मामलों सहित कुल 772.69 लाख मामलों का निपटारा। इन आंकड़ों से स्पष्ट है कि राष्ट्रीय लोक अदालतें न केवल लंबित मामलों को कम करने में बल्कि मुकदमे-पूर्व चरण में ही विवादों को सुलझाने में भी प्रभावी साबित हुई हैं।

चार साल में करोड़ों प्रकरणों का निपटारा

छत्तीसगढ़ में पिछले साल लोक अदालतों के माध्यम से 22 लाख 59 हजार प्रकरणों का निपटारा किया गया था। लेकिन देश में पिछले चार सालों की बात की जाए तो इसके माध्यम से करोड़ो प्रकरणों का निराकरण किया गया है। देश भर में राष्ट्रीय लोक अदालतें विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम, 1987 और राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (लोक अदालत) विनियम, 2009 के तहत आयोजित की जा रही हैं, जो न्यायालयों और न्यायाधिकरणों में लंबित और मुकदमे-पूर्व मामलों के निपटारे में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। ये लोक अदालतें त्वरित, किफायती और सौहार्दपूर्ण तरीके से विवादों के समाधान का एक प्रभावी मंच प्रदान करती हैं।

हरिभूमि लाइव
रायपुर, सोमवार 18 अगस्त 2025

गुढ़ियारी अवधपुरी मैदान में ऐतिहासिक दही हांडी उत्सव में सीएम विष्णु देव साय हुए शामिल, हजारों धर्म प्रेमी बने साक्षी

पवनदीप के गीतों पर झूमे गोविंदा, फोड़ी मटकी

'जाने -माने बॉलीवुड सिंगर पवनदीप राजन के गीतों की श्रृंखला ने जहां सार्वजनिक दही हांडी उत्सव समिति एवं हनुमान मंदिर ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में किए गए ऐतिहासिक आयोजन में युवाओं को झूमने का अवसर दिया। वहीं, कृष्ण भक्ति से ओतप्रोत भजनों ने गोविंदा टोलियों को झूमने ही नहीं, बल्कि मटकी फोड़ने का दम दिखाने के लिए एनर्जी का काम किया। एक तरफ जहां हाथों में गिटार लिए गीतों का सिलसिला चल रहा था, दूसरी ओर मंच के सामने ही महिला एवं पुरुष गोविंदा टोलियों के मेंबर्स मटकी तक पहुंचने के लिए जोर -आजमाइश करते हुए आकर्षण का केन्द्र बने। इनके बीच प्रदेश के मुखिया विष्णु देव साय, मंत्री टंकराम वर्मा भी संत समाज के साथ प्रमुख रूप से मंचस्थ रहे।'

रायपुर। गुढ़ियारी के अवधपुरी मैदान में कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर रविवार को ऐतिहासिक विशाल दही हांडी उत्सव का हिस्सा बनने के लिए हजारों की तादाद में भक्तों का सैलाब उमड़ा। इस भव्य आयोजन में विशेष आकर्षण वह क्षण रहा, जब दक्षिण कौशल पीठाधीश्वर महंत राजीव दास लोचन ने आयोजन के संयोजक बसंत अग्रवाल को 'धर्म वीर' की उपाधि से सम्मानित किया। इस पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बसंत अग्रवाल को बधाई दी। उन्होंने कहा कि धर्म की अलख जगाने के लिए आगे भी इस तरह के आयोजनों का सिलसिला बसंत अग्रवाल जारी रखेंगे। साथ ही सार्वजनिक दही हांडी उत्सव समिति एवं हनुमान मंदिर ट्रस्ट को भी भव्य आयोजन के लिए बधाई दी। किरण देव साय, नंदकुमार साहू, संजय श्रीवास्तव सहित हजारों दर्शकों से सराबोर अवधपुरी मैदान भव्य ऐतिहासिक दही-हांडी उत्सव का साक्षी बना। इस दौरान संत समाज से दक्षिण कोशल के पीठाधीश्वर राजीव लोचन महाराज सहित कई मठ-मंदिरों के संत-महंत भी मंचस्थ थे।

व्यवस्था बनाने बसंत ने दी कृष्ण की कसम

प्रोग्राम के दौरान संयोजक को कई बार माइक लेकर लोगों को व्यवस्था में सहयोग के लिए आग्रह करना पड़ा। बूंदाबांदी शुरू होते ही माहौल बिगड़ने की स्थिति को देखते हुए बसंत अग्रवाल ने कहा जितने भी धर्म प्रेमी और भक्त आए हैं, अगर किसी ने भी व्यवस्था बनाने में सहयोग नहीं किया, तो आपको भगवान कृष्ण की कसम है। फिर क्या था कृष्ण के जयघोष से माहौल सराबोर हुआ और गीत-संगीत का दौर एक फिर चला। हास्य-परिहास से भरे संवादों के बीच दही हांडी उत्सव को लीड करते हुए बसंत ने खुद ही महाराष्ट्र, झारखंड, मध्यप्रदेश सहित छत्तीसगढ़ के अलग-अलग क्षेत्र से आई 30 टोलियों को शाम 6 बजे से सवा आठ बजे तक जोर -आजमाइश का मौका दिया।

सितारों की प्रस्तुति पर झूम उठे सैकड़ों युवा

इंडियन आइडल फ्रेम पवनदीप राजन ने आते ही जो तुम ना हो तो रहेंगे हम नहीं..., जो है अलबेला..., कान्हा आन पड़ी तेरे द्वार..., जैसे गीतों को अपनी सुरीली आवाज दी। म्यूजिक टीम के साथ पवनदीप ने करीब आधे घंटे की प्रस्तुति में हर वह रंग बिखेगा, जिसकी लोग भी उम्मीद कर रहे थे। युवाओं को जोड़ने के साथ ही उन्होंने गीतों से भक्तिमय माहौल भी बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। इस बीच जयश्री कृष्ण की गूंज मैदान में रही। वहीं, विख्यात भजन गायिका गीता बेन रबारी के भजनों ने पूरे वातावरण को भक्तिपूर्ण बना दिया, जिस पर दर्शक भाव-विभोर हुए। छत्तीसगढ़ की लोकप्रिय गायिका पूनम-दिव्या तिवारी ने सरस्वती वंदना संग नृत्य प्रस्तुति के साथ ही जय बोलो नारायण...,मंउहा झरे मंउहा झरे...,चंदा चंदा मोर पुन्नी के चंदा..., जैसे गीतों पर अपनी टीम के साथ मंच से दर्शकों के बीच रंग जमाया।

कालीबाड़ी में छलका गोविंदा दल का उत्साह

कालीबाड़ी चौक के पास युवाओं ने इस साल भी भव्य दही हांडी उत्सव का आयोजन किया। इसमें निगम के पूर्व महापौर एजाज ढेबर भी उत्सव का हिस्सा बनने के लिए युवाओं के बीच पहुंचे। डीजे पर गीत-संगीत के बीच आयोजकों ने मटकी तक पहुंचने से रोकने के लिए पानी की बौछार करने में भी कोई कसर नहीं छोड़ी। इसके चलते मुख्य मार्ग पर उत्सव का माहौल बना।

सन्नाटे में ओडिशा के कलाकारों की दस्तक

जैसे ही गोविंदा दल प्रयास करने में जुटते और गीत-संगीत कुछ पल के लिए थमता था, इस बीच मंच से दूर बैठे ओडिशा के कलाकारों का पारंपरिक 'घंटा बाजा' और ग्रीस युक्त खंभे पर चढ़ने की प्रतियोगिता भी आकर्षण का केंद्र रही। खंभे पर चढ़ने में संयुक्त टीम को ही सफलता मिली, क्योंकि इसके लिए किसी एक टीम के प्रयास से मटकी को फोड़ना असंभव सा लग रहा था। 'गोविंदा आला रे' के जयघोष के बीच मानव पिरामिड बनाकर मटकी फोड़ने का रोमांच देखने लायक था। काफी कड़े मुकाबले में टिकरापारा के महिला एवं पुरुष सोनझरा गोविंदा टीम ने इस बार पहला और दूसरा स्थान बनाया। समाज की प्रसिद्ध गोविंदा टोली ने इस बार भी साहस दिखाया। इसके अलावा समिति द्वारा अन्य टोलियों को भी सांत्वना पुरस्कार देकर उनका हौसला बढ़ाया गया।

एजूकेशन लाइव

पंडित सुंदरलाल शर्मा ओपन यूनिवर्सिटी में 31 अगस्त तक आवेदन आमंत्रित

रायपुर। पंडित सुंदरलाल शर्मा ओपन यूनिवर्सिटी, बिलासपुर ने शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए प्रवेश प्रक्रिया शुरू कर दी है। विश्वविद्यालय ने 31 अगस्त तक आवेदन करने की अंतिम तिथि तय की है। यह अवसर उन विद्यार्थियों और कामकाजी लोगों के लिए खास है, जो नियमित कॉलेज नहीं जा सकते और अपनी पढ़ाई पूरी करना चाहते हैं।शासकीय कर्मचारी भी विभागीय अनुमति लेकर विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश ले सकते हैं। विश्वविद्यालय ने स्पष्ट किया है कि सभी सरकारी विभागों द्वारा परीक्षा में शामिल होने की अनुमति सामान्य प्रक्रिया के रूप में दी जाती है। विश्वविद्यालय ने यह भी निर्देश दिए हैं कि जिन छात्रों के प्रथम, द्वितीय या तृतीय वर्ष/सेमेस्टर के परिणाम घोषित नहीं हुए हैं, वे भी अगली कक्षा में प्रवेश हेतु आवेदन कर सकते हैं। पुराने विद्यार्थी अपने पंजीकृत मोबाइल नंबर और नामांकन संख्या के माध्यम से लॉगिन कर पाठ्यक्रम जोड़ सकते हैं। आवश्यकता पड़ने पर आवेदन पत्र विश्वविद्यालय कार्यालय, बिलासपुर से भी प्राप्त किया जा सकता है।

सिविलियन ट्रेड्समैन के पदों पर आवेदन शुरू

इंडियन नेवी की ओर से सिविलियन ट्रेड्समैन (ग्रुप-सी) के पदों पर कल यानी 13 अगस्त से आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई है। जो उम्मीदवार इंडियन नेवी में सिविलियन ट्रेड्समैन (ग्रुप-सी) के पदों पर आवेदन करना चाहते हैं, वे अब आधिकारिक व वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। बता दें, इंडियन नेवी की ओर से सिविलियन ट्रेड्समैन के कुल 1266 उम्मीदवारों की नियुक्ति की जाएगी। साथ ही इन पदों पर उम्मीदवारों का चयन लिखित परीक्षा के आधार पर किया जाएगा। उम्मीदवार आधिकारिक वेबसाइट **indiannavy.gov.in** पर जाकर ऑनलाइन फीस का भुगतान करके इन पदों के लिए ऑनलाइन माध्यम से आवेदन कर सकते हैं।

सिटी इवेंट

महिलाओं ने कृष्ण बन रचाई रासलीला नृत्य-गीतों से मनमोहक प्रस्तुति

रायपुर। जय हरितिमा महिला समिति द्वारा स्वतंत्रता दिवस एवं जन्माष्टमी पर्व धूमधाम से मनाया गया। आयोजन इंटरनेशनल गेस्ट हाउस, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय में किया गया। कार्यक्रम की संपूर्ण थीम राधा-कृष्ण पर आधारित रही, जिसे समिति की अध्यक्ष ममता चंदेल के मार्गदर्शन एवं कार्यकारिणी टीम के सहयोग से आयोजित किया गया। हरियाली और देशभक्ति के रंग में पूरा आयोजन सराबोर रहा। इस विशेष आयोजन समिति की महिलाओं ने कृष्ण जन्माष्टमी पर आकर्षक झलकियां प्रस्तुत कीं। अध्यक्ष ममता चंदेल व समिति के पदाधिकारियों ने दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

देशभक्ति गीतों से मन में भरा राष्ट्र प्रेम की भाव

संध्यारानी गौर ने देशभक्ति गीत एवं नृत्य प्रस्तुत कर माहौल को देशप्रेम से ओतप्रोत कर राष्ट्र प्रेम की भाव मन में भरा। वहीं, मनमोहक राधा-कृष्ण नृत्य ने पूरे हॉल में तालियों की गड़गड़ाहट भर दी। दिप्तीमयी दास, स्वाति बिसेन एवं उषा जॉन्सन की ऊर्जावान सोलो नृत्य की प्रस्तुति ने प्रतिभागी महिलाओं में मनोरंजन का तड़का लगाया। प्रतिभा वर्मा ने कृष्णभक्ति गीत गाकर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया।

कार्नर न्यूज

24वां सीनियर रैंकिंग बैडमिंटन टूर्नामेंट में सुजेय अभिषेक की जोड़ी ने डबल्स में मारी बाजी

रायपुर। बस्तर जिला बैडमिंटन संघ द्वारा आयोजित 24वां छत्तीसगढ़ सीनियर रैंकिंग बैडमिंटन टूर्नामेंट 2025 का भव्य आयोजन 10 से 14 अगस्त तक जगदलपुर में हुआ। इस राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में प्रदेशभर के प्रतिभावान खिलाड़ियों ने शिरकत की। पुरुष डबल्स वर्ग में सुजेय तंबोली और एमवी अभिषेक की जोड़ी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विजेता का खिताब अपने नाम किया। सिंगल्स पुरुष वर्ग में हर्षित ठाकुर ने दमदार खेल दिखाते हुए खिताबी जीत दर्ज की। महिला एकल वर्ग में रेनू येवार्णा ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए जीत हासिल की। इस प्रतियोगिता ने प्रदेश के सीनियर खिलाड़ियों को उत्कृष्ट मंच प्रदान किया। साथ ही, बस्तर में खेल प्रतिभाओं को बढ़ावा देने की दिशा में अहम भूमिका निभाई।

भक्तिमय कार्यक्रमों की रही धूम, महाआरती व दर्शन के लिए कतारें लगी रहीं

श्रीकृष्ण मंदिरों में दूसरे दिन भी श्रद्धालु रहे पूजा-दर्शन में लीन

रायपुर। कृष्ण-कन्हैया के भक्ति रंग में श्रद्धालु जन्माष्टमी उत्सव के दूसरे दिन भी सराबोर दिखे। शहर के प्रमुख कृष्ण मंदिरों में भक्तों की सुबह से ही पूजा - महाआरती व दर्शन के लिए कतारें लगी रहीं। वहीं, दोपहर से लेकर देर शाम तक विविध भक्तिमय भजन-कीर्तन, महाआरती, महाअभिषेक, प्रसादी वितरण का सिलसिला कृष्ण मंदिरों में चलता रहा। इसमें प्रमुख रूप से टाटीबंध स्थित इस्कॉन मंदिर, सदरबाजार स्थित गोपाल मंदिर, सदर बाजार की खाटू श्याम मंदिर, बूढ़ातालाब गोकुलचंद्र मंदिर, राधा-कृष्ण मंदिर, जैतूसाव मठ में श्रद्धालुओं की कतारें लगी रहीं। वहीं, श्रद्धालुओं, पुजारियों, मंदिर प्रबंधन के सदस्य कृष्ण भक्ति की पूजा-आरती, अभिषेक, भोज-भंडारे में लीन दिखे।

टाटीबंध स्थित श्रीश्री राधारास बिहारी मंदिर में 15 से 17 अगस्त तक तीन दिवसीय जन्माष्टमी महा महोत्सव का भव्य आयोजन हुआ। रविवार को इस्कॉन मंदिर टाटीबंध के अध्यक्ष एचएच सिद्धार्थ स्वामी द्वारा महोत्सव का समापन किया गया। इस अवसर पर इस्कॉन मंदिर टाटीबंध रायपुर के कार्यकारी अध्यक्ष सुलोचन कृष्णदास एवं फेस्टिवल कमेटी के चेयरमैन राजेश अग्रवाल और वाइस चेयरमैन शुभम सिंघल, कमेटी के सदस्यगण व मंदिर के भक्तगण भी उपस्थित थे। प्रचार-प्रसार समिति, इस्कॉन मंदिर के दिलीप केडिया एवं राजेन्द्र पारख ने बताया कि इस्कॉन मंदिर में हर साल कि तरह इस वर्ष भी धूमधाम से कृष्ण जन्माष्टमी उत्सव मनाया गया। इस अवसर पर वृंदावन धाम और मुम्बई से मंगाए गए वस्त्र एवं आभूषण से श्रीश्री राधारास बिहारीजी का श्रृंगार किया गया।

भक्तों ने तालाब, नदी घाटों पर कृष्ण प्रतिमाओं का किया विसर्जन

शहर के युवा समिति सदस्यों में कृष्ण जन्माष्टमी को लेकर खूब उत्साह देखने को मिला। कृष्ण भक्तों ने जन्माष्टमी पर शहर भर में जगह-जगह चौक -चौराहों पर पंडाल बनाकर कृष्ण भगवान की प्रतिमाएं स्थापित किया। जन्माष्टमी पर भक्तों ने बड़ी श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ पूजा-अर्चना की। वहीं, दूसरे दिन धूमधाम से झांकी के साथ कृष्ण प्रतिमाओं का शहर के तालाबों व नदी घाटों में विसर्जन किया।

इस्कान मंदिर में व्यासपूजा महामहोत्सव में श्रील प्रभुपाद महाभिषेक

इस्कान मंदिर में जन्माष्टमी महामहोत्सव के तीसरे दिन रविवार को मंदिर में व्यासपूजा महामहोत्सव मंगल आरती सुबह 4.30 बजे, उसके बाद 5 बजे तुलसी आरती, 7.30 बजे गुरु पूजा, श्रृंगार आरती, धूप आरती 8.30 बजे, श्रील प्रभुपाद गुणान 9 बजे, श्रील प्रभुपाद महाभिषेक सुबह 11 बजे से दोपहर 12 बजे तक, 9.30 से 11 बजे तक राजभोग अर्पण, दोपहर 12.00 बजे राजभोग आरती, दोपहर 12.30 बजे प्रसादम, दोपहर 1 बजे से उस्थापन आरती, संध्या 4.15 बजे संध्या आरती, रात्रि 8.30 बजे शयन आरती का कार्यक्रम चला। मंदिर प्रांगण में श्रद्धालुओं द्वारा भजन-कीर्तन की प्रस्तुति से उत्सवपूर्ण और भक्तिमय वातावरण बना रहा। भक्तों ने श्रील प्रभुपाद के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त करने और उनके आशीर्वाद प्राप्त करने के इस अवसर का लाभ उठाया।

सिटी लाइव

बच्चों को लुभा रही छायाचित्र प्रदर्शनी

छत्तीसगढ़ की परंपराओं से हो रहे अवगत

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य की रजत जयंती वर्ष पर राजधानी के टाउन हॉल में जनसंपर्क विभाग द्वारा लगाई गई छायाचित्र प्रदर्शनी राजधानीवासियों को लुभा रही है। इस प्रदर्शनी में केबीसी की तर्ज पर यहां क्विज प्रतियोगिता भी आयोजित की जा रही है। युवा इसमें उत्साह के साथ हिस्सा ले रहे हैं। छायाचित्र प्रदर्शनी में छत्तीसगढ़ की परंपराओं, स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास, छत्तीसगढ़ के पुरोधाओं का जीवन परिचय और उनका स्वतंत्रता संग्राम में अमूल्य योगदान तथा राज्य निर्माण की यात्रा से जुड़ी कई दुर्लभ तस्वीरें प्रदर्शित की गई हैं। साथ ही डिजिटल स्क्रीन पर स्लाइड शो के माध्यम से भी छत्तीसगढ़ सरकार की उपलब्धियों को प्रदर्शित की जा रही है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने स्वतन्त्रता दिवस के अवसर पर छत्तीसगढ़ के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के जीवन पर आधारित छायाचित्र प्रदर्शनी का शुभारंभ किया।

क्विज प्रतियोगिता में ले रहे हिस्सा

जे.आर. दानी गर्ल्स हायर सेकंडरी स्कूल की छात्राओं के दल ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया और क्विज में हिस्सा भी लिया। इस दौरान सरिता यादव, कशिश श्रीवास, हेमा पटेल और छाया लालवानी ने कहा कि प्रदर्शनी रोचक और ज्ञानवर्धक है। प्रदर्शनी में आगंतुकों के लिए छत्तीसगढ़ के इतिहास और सामान्य ज्ञान पर आधारित क्विज प्रतियोगिता भी आयोजित किया जा रही है। जिसमें रायपुर के विभिन्न स्कूलों और छात्रावासों के बच्चे बढ़-चढ़कर हिस्सा लेकर संबंधित प्रश्नों का उत्तर दे रहे हैं। क्विज के विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार भी वितरित किया जा रहा है।

● तिरंगा तोला नमन : देशभक्ति शेरो-शायरी से प्रतिभागियों ने बांधा समां

कठपुतली के हास्य संवादों पर लगे ठहाके शायरी-कथक नृत्य में दिखा देशभक्ति प्रेम

सांईनाथ फाउंडेशन की ओर से रविवार की शाम को शंकर नगर स्थित विमतारा ऑडिटोरियम में स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष में तिरंगा तोला नमन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें कई प्रतिभागियों ने देशभक्ति शायरी, गीत, कविताएं, नाटक और नृत्य की प्रस्तुति से कार्यक्रम में समां बांधा। कार्यक्रम में देश के सिपाही भी शामिल हुए और अमर शहीदों के परिजनों का सम्मान हुआ।

रायपुर। प्रोग्राम की शुरुआत देशभक्ति शेरो-शायरी से हुआ। डॉ. कंचन ने अपनी कविता में कहा- सिंदूर अब सुहाग नहीं, तपते रण की है ज्वाला, भारतबाला की बांहों में शक्ति का वो है व्याला.. आंसू की कीमत शत्रु के खून से चुकाएंगी, अब भारत की बेटिया रणचंडी बनकर आएंगी...। उन्होंने इस अदांज में अपनी कविता से सबको स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम को आगे बढ़ाते महिला प्रतिभागी ने शायरी पढ़ा- 'ऐसे नहीं मिली आजादी, कीमत बड़ी चुकाई हैं, पानी जैसा रक्त बहाया, तब आजादी पाई हैं, अपने भारत गौरव का एक बार संज्ञान करो और बलिदानों की इस भूमि का तन-मन से सम्मान करो।' कुछ ऐसे पंक्तियों से महिला प्रतिभागी ने शायरी से वीरों को याद किया और दर्शकों ने खूब तलियों के साथ प्रस्तुति की वाह! वाह! की।

कथक प्रस्तुति में दिखाई कन्हैया की रासलीला

लखनऊ खारने कथक में जब गीतिका चक्रधर, राधिका शर्मा और सिद्धि पाठक ने प्रस्तुति दी तो सभी का मन मत्रमुंग्ध हो गया। गीत कान्हा के चतुराई में ठुमरी की प्रस्तुति में उन्होंने गोपियों के साथ रासलीला को दिखाया, जहां कृष्ण दोनों गोपियों से रूठता, हट करता और उनसे प्रेम-प्रसंग की लीला रचाता। आगे उन्होंने बचपन की यादों को ताजा करते कृष्ण ने गोपियों के साथ नदी के किनारे पिट्ठू खेलते, मटकी तोड़ते बेहद खूबसूरती के साथ जन्माष्टमी की शुभकामनाएं दी। अपने घुंघरू की आवाज और ताल से दर्शकों का दिल जीत लिया।

कठपुतली साथी झुग्गी के साथ की जुगलबंदी

जब स्टेज पर जुगलबंदी के लिए डॉ. मिताली और उनकी कठपुतली साथी झुग्गी आई, तब सब हंसते-हंसते लोटपोट हो गए। मिताली पूछती, बताओ हम यहां क्यों आए हैं? झुग्गी बोलती समोसा खाने.. मिताली बोलती क्या समोसा खाने हम्मम, झुग्गी अरे हां! तुमने ही तो कहा था कि समोसा मिलेगा। अच्छा बोलो हम यहां क्यों आए हैं? अरे हां, आप सभी को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं। क्या झुग्गी गणतंत्र दिवस नहीं, स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं, इतना तो राटाई थी? वो तो मैं भूल गई....भूल गई क्या होता है, छोटी बच्ची हो? हम वैसे यहां क्यों आए हैं? गाना गाने। तो गाओ फिर। हां सुनो, मेरा मुल्क- मेरा देश- मेरा ये वतन, शांति का, उन्नति का, प्यार का चमन...नन्हा मुन्ना राही हूं, देश का सिपाही हूं, बोलो मेरे संग, जय हिन्द, जय हिन्द, जय हिन्द... और दर्शकों ने भी जय हिन्द का नारा लगाने लगे।

इवेंट लाइव

गीत-संगीत के साथ जादूगर ए. लाल ने दिखाए करतब

रायपुर। छत्तीसगढ़ सिंधी पंचायत का भव्य सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से सजी जादूगर ए लाल की श्रृंखला में हर वर्ग के लोग शामिल हुए। सिंधी समाज के पर्व थदडी और आजादी के जश्न से सजे बहुत ही भव्य आयोजन का साक्षी बनने के लिए शहीद स्मारक भवन में समाज के युवाओं ने उत्साह से शिरकत की। पंचायत के प्रदेश अध्यक्ष महेश दयानी और प्रवक्ता सुभाष बजाज, तनेश आहूजा के साथ आयोजन के संयोजक अमर चदनानी ने कार्यक्रम को सफल बनाने में योगदान दिया। मनीष पंजवानी, अनिल लाहौरी, विकास रूपरेला के मार्गदर्शन में सिंधी लोक नृत्य, देशभक्ति गीतों की बेजोड़ प्रस्तुति दी गई। इसमें समाज के लोगों ने भरपूर आनंद लिया। इसके साथ ही सिंधी समाज के जादूगर ए लाल ने प्रस्तुति से रंग जमाया। अपने जादू से सभी को अचंभित करते हुए दर्शक दीर्घा से ही बच्चों, महिलाओं और पुरुषों को भी बुलाकर उनके सामने ही अलग जादू पेश किए।

रूमाल से बनाया कबूतर दिखाया अद्भुत जादू

बच्चों को बुलाकर उनके ही रुमाल से कबूतर बना कर उड़ा दिया, दो पुरुषों को बुलाकर दोनों की आंखें बंद करवाई और एक पुरुष को नाक में मोर पंख से स्पर्श किया और वह स्पर्श दूसरे पुरुष को महसूस हुआ। इस तरह के अद्भुत जादू उन्होंने मंच पर दिखाए। साथ ही मंच पर दर्शक दीर्घा से एक महिला को बुलाकर उसके गिलास में पानी भरा और पूरे मंच और दर्शकों के सामने ही गिलास को उनके सर पर ही उल्टा किया तो वह गिलास खाली था। इस तरह के कई चौंकाने वाले करतब दिखाए। साथ ही आजादी के जश्न का एहसास भी मंच से करवाने का प्रयास किया गया। इस रंगारंग आयोजन का हिस्सा बनने के लिए सिंधी समाज के लोग परिवार के साथ पहुंचे थे।

पहली बार चातुर्मास में महाभारत के जरिए प्रवचन जैन मुनि प्रसंगों से दे रहे जीवनोपयोगी संदेश

रायपुर। आम्रपाली सोसायटी स्थित श्री अभिनंदन स्वामी मंदिर परिसर में पहली बार महाभारत कथा प्रवचन श्रृंखला का आयोजन किया गया है। मुनिराज श्री शोभनतिलक विजय जैन धर्मों व ग्रंथों के अनुसार लोगों को महाभारत के विभिन्न प्रसंगों के जरिए जीवनोपयोगी संदेश दे रहे हैं। रविवार को मुनिश्री ने अपने प्रवचन में कहा कि जीवन में किए गए अच्छे कार्यों का फल अवश्य मिलता है। कई बार ऐसा होता है कि लोग सम्मान न मिलने या बहुमान न होने पर वहां से चले जाते हैं। जबकि वास्तव में पुण्य का सच्चा फल हमें तभी मिलता है, जब हम बिना अहंकार और बिना अपेक्षा के कार्य करें। उन्होंने महाभारत के उदाहरणों का उल्लेख करते हुए बताया कि एक समय के बाद बलरामजी ने भी सांसारिक मोह को त्यागकर आत्मोन्मुख जीवन की ओर कदम बढ़ाए। मुनिश्री ने कहा कि जीवन में अच्छे गुणों की अनुमोदना करना बहुत आवश्यक है। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी की तारीफ करने से अहंकार नहीं बढ़ता, बल्कि प्रशंसा से अहंकार समाप्त हो जाता है और व्यक्ति में विनम्रता का विकास होता है। महापुरुषों का भी यही मत रहा है कि यदि सबसे बड़ी सम्पत्ति कोई है तो वह है – विनम्रता और सद्गुण। उन्होंने श्रद्धालुओं से आह्वान किया कि समाज में सकारात्मकता और सद्भावना का प्रसार करने के लिए एक-दूसरे के गुणों की सराहना करें। सुपुर्दगी और प्रशंसा से न केवल समाज में आपसी प्रेम बढ़ता है, बल्कि व्यक्ति का आत्मबल और आस्था भी मजबूत होती है।

स्वतंत्रता दिवस पर भव्य वरघोड़ा, 108 तपस्वियों ने किया पारणा

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अरिहंत हाइट्स से गुरु भगवंतों एवं तपस्वियों का भव्य वरघोड़ा निकाला गया। श्रद्धा और भक्ति से परिपूर्ण माहौल में यह वरघोड़ा नगर भ्रमण करते हुए नाकोड़ा जैन भवन पहुंचा। मार्ग पर जगह-जगह धर्मप्रेमियों ने पुष्पवृष्टि कर तपस्वियों का भावपूर्ण स्वागत किया। नाकोड़ा जैन भवन में शाही पारणा महोत्सव का आयोजन हुआ, जिसमें 108 तपस्वियों ने पारणा किया। सैकड़ों श्रद्धालुओं की उपस्थिति में सम्पन्न यह क्षण ऐतिहासिक और धर्ममय वातावरण से सराबोर रहा। समिति की ओर से सभी तपस्वियों का विशेष बहुमान किया गया। उन्हें श्रीफल और शॉल भेंट कर सम्मानित किया गया। इस दौरान पूरा परिसर श्रद्धालुओं के जयकारों से गूंज उठा। कार्यक्रम में शामिल धर्मप्रेमियों ने इसे अविस्मरणीय आयोजन बताया। आयोजन न केवल तपस्वियों के तप की महिमा को उजागर करने वाला रहा, बल्कि समाज के लिए भी प्रेरणास्रोत बनकर सामने आया।

गृहस्थ जीवन पाप नहीं, पुण्य कमाने का प्लेटफार्म

टैगोर नगर स्थित पटवा भवन में रविवार को विशेष प्रवचनमाला में उपाध्याय भगवंत युवा मनीषी श्री मनीष सागरजी महाराज ने परिवार को आदर्श परिवार बनाने की सीख दी। परिवार से परमात्मा तक विषय पर प्रवचन देते हुए उपाध्याय भगवंत ने कहा कि हमारा लक्ष्य हो कि परिवार के सभी सदस्यों को धर्म का महत्व समझ आना चाहिए। हमें धर्म किसी पर थोपना नहीं है। परिवार के सभी सदस्यों को धर्म का महत्व समझाते रहना है। ऐसा करके ही सभी को धर्म का महत्व समझ में आएगा।

मानव जीवन भोग-विलास के लिए नहीं आत्मा के उत्थान और शुद्धिकरण का साधन

आत्मोत्थान चातुर्मास 2025 के अंतर्गत रविवार को दादाबाड़ी में आयोजित प्रवचन में परम पूज्य हंसकीर्ति श्रीजी म.सा. ने कहा कि मानव जीवन केवल भोग-विलास के लिए नहीं है, बल्कि यह आत्मा के उत्थान और शुद्धिकरण का साधन भी है। जब व्यक्ति अपनी इच्छाओं, वासनाओं और इंद्रियों पर नियंत्रण करना सीखता है, तभी उसका जीवन सार्थक बनता है। इस आत्मनियंत्रण को प्राप्त करने का श्रेष्ठ मार्ग तप और उपवास है। तप का अर्थ है संयम और आत्मसंयम के साथ साधना करना। तप से मनुष्य कठिनाइयों को सहने की क्षमता प्राप्त करता है। क्रोध, लोभ, मोह और अहंकार जैसी कषायें नियंत्रित होती हैं। यह आत्मा को बल और मन को स्थिरता प्रदान करता है। तप का अभ्यास हमें सिखाता है कि सुख-दुःख, लाभ-हानि और मान-अपमान में समान भाव रखना ही वास्तविक आध्यात्मिक शक्ति है।

2000 से अधिक कुत्तों-बिल्लियों का किया रेबीज़ टीकाकरण

रायपुर। 79वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर पेट हेल्थ क्लिनिक में विशेष टीकाकरण अभियान चलाया गया। इस दौरान 2000 से अधिक कुत्तों और बिल्लियों को एंटी-रेबीज़ वैक्सीन लगाया गया। कार्यक्रम के साथ-साथ फलदार पौधों का वितरण भी किया गया। यह अभियान लगातार 21वें वर्ष आयोजित किया गया, जो पशु और जनस्वास्थ्य की सुरक्षा के प्रति क्लिनिक की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इस अभियान का उद्देश्य 'जीरो रेबीज' लक्ष्य को प्राप्त करना है, ताकि इस घातक किंतु पूरी तरह से रोके जा सकने वाले रोग से समाज को सुरक्षित रखा जा सके। कार्यक्रम में पशु चिकित्सकों, स्वयंसेवकों और पशु प्रेमियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। आयोजकों ने जनता का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि निरंतर वार्षिक टीकाकरण ही रेबीज़ उन्मूलन और मानव व पशु जीवन की रक्षा का सबसे प्रभावी तरीका है।

समाज इवेंट

वीर शहीदों को दी श्रद्धांजलि परिवार को किया सम्मानित

रायपुर। अवंती विहार व्यापारी संघ द्वारा स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अटल चौक में रायपुर राजधानी के माटी पुत्र एडिशनल एसपी आकाश राव की शहादत पर 'एक शाम शहीदों के नाम' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। संघ के अध्यक्ष राजकुमार राठी ने बताया कि देशभक्ति गीतों के साथ शहीद आकाश राव गिरिपुंजे की धर्मपत्नी स्नेहा राव व छत्तीसगढ़ के सुप्रसिद्ध कवि सुरेंद्र दुबे की धर्मपत्नी शशि दुबे, राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित मनतृप्त कौर, समाजसेवी पूजा शर्मा एवं वनबंधु महिला समिति रायपुर चैप्टर का सम्मान छत्तीसगढ़ के पूर्व डीजीपी राजीव श्रीवास्तव के मुख्य आतिथ्य में किया गया।

ये रहे उपस्थित

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से अध्यक्ष राजकुमार राठी, महामंत्री किशोरचंद्र नायक, उपाध्यक्ष सुब्रत घोष, इंद्रपाल सिंह तोमर, संरक्षक संतोष श्रीवास्तव, डॉ. सुजीत परिहार, सुनील जेठानी, हरीश लोकवाणी, राजेश ढुलानी, अजय पनीकर, राधेश्याम शर्मा सहित कई व्यापारी बंधु एवं नागरिकगण उपस्थित रहे।

कार्नर न्यूज

90 दिवसीय राष्ट्रीय रंगमंच कार्यशाला में नाट्य प्रेमी कलाकार सीख रहे अभिनय कौशल

रंगमंच पर फेस एक्सप्रेशन, नवरस की कला के साथ क्ले आर्ट लोकगीत-संगीत विधा में भी प्रशिक्षु कलाकार हो रहे पारंगत

रायपुर। गोल्डन फ्रेम एकेडमी ऑफ फिल्म आर्ट्स के बैनर तले चल रही 90 दिवसीय राष्ट्रीय रंगमंच कार्यशाला के 16वें दिन प्रशिक्षु कलाकारों ने क्ले आर्ट्स सीखा। इसके अलावा छत्तीसगढ़ी लोकगीत-संगीत की भी बारीकियां जानी। बता दें कि गोल्डन फ्रेम एकेडमी ऑफ फिल्म आर्ट्स के अंतर्गत रंगमंच अभिनय कला में कॅरियर बनाने वाले कला प्रेमियों के लिए 1 अगस्त से राजधानी में 90 दिवसीय राष्ट्रीय रंगमंच कार्यशाला आयोजित की जा रही है। इसमें पंजीकृत प्रशिक्षु कलाकारों को रंगमंच पर अभिनय, निर्देशन, रंग गीत-संगीत, वेशभूषा साज-सज्जा, संवाद डिलीवरी व स्टोरी लेखन की बेसिक एवं तकनीकी प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इस राष्ट्रीय रंगमंच कार्यशाला में अलग-अलग दिन रंगमंच कला के प्रसिद्ध रंगकर्मी व बालीवुड कलाकारों के अलावा छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध लोकगीत-संगीत के कलाकार, क्ले आर्टिस्ट प्रशिक्षक के तौर पर विभिन्न सत्रों में प्रतिभागियों को प्रशिक्षण प्रदान कर रहे हैं। गोल्डन फ्रेम एकेडमी ऑफ फिल्म आर्ट्स के संस्थापिका व कार्यशाला की संचालिका पल्लवी शिल्पी ने बताया कि पिछले दिनों 1 अगस्त को संस्कृति विभाग सभागार में 90 दिवसीय राष्ट्रीय रंगमंच कार्यशाला का उद्घाटन सत्र रखा गया रहा। इसके बाद समता कॉलोनी स्थित गोल्डन फ्रेम एकेडमी ऑफ फिल्म आर्ट्स कैंपस में कार्यशाला का सत्र संचालित हो रही है। अब तक कार्यशाला में पूरे देशभर से 20 प्रशिक्षु कलाकारों ने पंजीयन कराया है। 19 अगस्त को दोपहर 3 बजे तक अंतिम पंजीयन करा सकते हैं।

एक्सपर्ट कलाकार दे रहे ट्रेनिंग

छत्तीसगढ़ के जाने माने लोकगीत-संगीत कलाकार राकेश तिवारी ने कार्यशाला में लोकगीत-संगीत, नाचा-गम्मत की बारीकियां सिखाईं। वहीं, एनएसडी से पास आउट रंगकर्मी कुणाल मांगे ने प्रशिक्षु कलाकारों को रंगमंच पर फिजिकल मूवमेंट, फेस एक्सप्रेशन और नवरस की बेसिक प्रशिक्षण दिया। खैरागढ़ विश्वविद्यालय से फाइन आर्ट्स में पासआउट फाइन आर्टिस्ट ने प्रशिक्षु कलाकारों को क्ले आर्ट से मिट्टी की मूर्तियां निर्माण करना सिखाया। प्रशिक्षु कलाकारों ने क्ले आर्ट्स से गणपति की प्रतिमा बनाना सीखा। वहीं, खैरागढ़ विश्वविद्यालय से फाइन आर्ट्स में पासआउट फाइन आर्टिस्ट ने प्रशिक्षु कलाकारों को क्ले आर्ट से मिट्टी की मूर्तियां निर्माण करना सिखाया। प्रशिक्षु कलाकारों ने क्ले आर्ट्स से गणपति की प्रतिमा बनाना सीखा।

20 अगस्त को प्रसिद्ध रंगकर्मी व फिल्म अभिनेता अखिलेंद्र मिश्र देंगे टिप्स

गोल्डन फ्रेम एकेडमी ऑफ फिल्म आर्ट्स के संस्थापिका व कार्यशाला की संचालिका पल्लवी शिल्पी ने बताया कि 90 दिवसीय राष्ट्रीय रंगमंच ,कार्यशाला के 20वें दिन फिल्मी दुनिया के जाने माने अभिनेता व रंगमंच के प्रसिद्ध रंगकर्मी अखिलेंद्र मिश्र कार्यशाला के हिस्सा बनेंगे। वे राष्ट्रीय रंगमंच, कार्यशाला के प्रशिक्षु कलाकारों को रंगमंच अभिनय से जुड़ी बेसिक कला में निपुण बनाने टिप्स देंगे।

हेल्थ टिप्स

नींद रहती है आंखों से दूर तो करें स्ट्रेचिंग एक्सरसाइज

अगर रात को बिस्तर पर लेटने के बाद भी घंटों आप करवट बदलते हुए बिताती हैं और नींद आपकी आंखों से कोसों दूर रहती है, तो इन स्ट्रेचिंग एक्सरसाइज को करें। इससे अच्छी नींद आएगी।

आजकल भागदौड़ भरी जिंदगी, तनाव, स्क्रीन टाइम और अनियमित जीवनशैली के कारण नींद न आना, एक आम समस्या बन चुकी है। कई लोग रात में घंटों करवट बदलते रहते हैं लेकिन नींद आंखों से कोसों दूर रहती है। नींद न आने को कई बार लोग हल्के में ले लेते हैं लेकिन असल में यह एक बड़ी समस्या है। अच्छी नींद न केवल दिमाग को रिलैक्स देती है, बल्कि शरीर को एनर्जी देने के लिए भी बहुत जरूरी है। अगर आप भी देर रात तक जागते रहते हैं और आपको आसानी से नींद नहीं आती है, तो बिस्तर पर कुछ आसान स्ट्रेचिंग एक्सरसाइज करने से आपकी मुश्किल हल हो सकती है। सबसे कमाल की बात यह है कि इन्हें आपको बिस्तर में ही करना है। ये स्ट्रेचिंग मांसपेशियों को रिलैक्स करने, ब्लड सर्कुलेशन को बेहतर बनाने और दिमाग को शांत करने में मदद करती हैं। इस बारे में योगा एक्सपर्ट नताशा कपूर जानकारी दे रही हैं।

एक्सरसाइज 1 : सबसे बिस्तर पर पीठ के बल लेट जाएं।दोनों पैरों को सीधा रखें और फिर दाहिने पैर को मोड़कर बाईं तरफ ले जाएं।सिर को दाईं तरफ घुमाएं और हाथों को दोनों तरफ फैलाएं।इस स्थिति में पको 30 सेकेंड रुकना है और फिर ऐसा ही दूसरी तरफ करें।इससे रीढ़ की हड्डी की जकड़न कम होती है।पेट और कमर की मसल्स रिलैक्स होती हैं।दिमाग शांत होता है और अच्छी नींद आती है।

एक्सरसाइज 2 : आपको सीधा लेटना है। अब पैरों को ऊपर की तरफ उठाएं।अब अपनी जांघों को हाथों से पकड़ें।आप घुटनों को सीधा हवा में रखें या सीने से टच करवाएं।इसे कुछ देर होल्ड करें।इससे पेट में जमा गैस बाहर निकलेगी, पैरों का दर्द कम होगा। शरीर रिलैक्स होगा और अच्छी नींद आएगी।

एक्सरसाइज 3 : आप सुखासन में बैठ जाएं।अब अपने सीधे हाथ को बाएं हाथ की तरफ स्ट्रेच करें।इस समय पर अपनी गर्दन और बाकी शरीर को आपको दूसरी तरफ स्ट्रेच करना है।कुछ देर इस पोजिशन में रहें और फिर इसे दूसरी तरफ से दोहराएं। यह स्ट्रेचिंग एक्सरसाइज हाथ और कमर की अकड़न और दर्द को कम कर सकती है।

बीयर हग : यह स्ट्रेचिंग एक्सरसाइज मांसपेशियों के दर्द से राहत दिला के बेहतर नींद दे सकती है। इसके लिए बेड पर सीधे बैठकर अपने दाएं हाथ की हथेली से अपने बाएं कंधे को पीछे से छूने की कोशिश करें। इसी तरह से अपने बाएं हाथ की हथेली से अपने दाएं कंधे को पीछे से छूने की कोशिश करें। इसे करके आपको ऐसा लगेगा जैसे आप खुद को गले लगा रहे हैं। कुछ देर इस एक्सरसाइज को करने के बाद सामान्य हो जाएं।

नेक स्ट्रेचिंग : कुछ कामों को काफी देर तक करने से गर्दन में दर्द होने लगता है और यह नींद न आने का कारण बन सकता है। इससे राहत पाने के लिए अपने बिस्तर पर सीधे बैठ जाएं। अब अपने बाएं हाथ को अपने सिर के ऊपर से दाएं कान के ऊपर लाएं। फिर अपने हाथ से कान पर थोड़ा दबाव डालें। 10 सेकंड तक इसी स्थिति में रहने के बाद दाएं हाथ से इस प्रक्रिया को दोहराएं। इससे आपको अच्छी नींद आएगी।

स्पाइन ट्विस्ट : इस स्ट्रेचिंग एक्सरसाइज के लिए जमीन या फिर बिस्तर पर पीठ के बल लेट जाएं।अब अपने दाएं पैर को घुटने से मोड़ें और ऊपर उठाते हुए इसके तलवे को बाएं घुटने पर टिकाएं।फिर अपनी पीठ को बाईं ओर मोड़ें और अपने दाएं हाथ को दाएं पैर के घुटने पर रखें। वहीं बाएं हाथ को कंधे की सीध में फैलाएं।इसके बाद सिर को बाईं ओर घुमाएं। कुछ देर इसी स्थिति में रहने के बाद सामान्य हो जाएं।

साइड बेंड : इस स्ट्रेचिंग एक्सरसाइज को करने के लिए बिस्तर पर चौकड़ी मारकर बैठ जाएं। अब अपने दाएं हाथ को ऊपर उठाएं और बाईं ओर झुककर खुद को अधिक से अधिक स्ट्रेच करने की कोशिश करें। इस मुद्रा में 10 से 15 सेकेंड तक रहें और फिर इसी प्रक्रिया को अपने बाएं हाथ से भी दोहराएं। हर तरफ से कम से कम 20 बार ऐसा करें। बेहतर परिणाम के लिए कुछ दिनों तक इस स्ट्रेचिंग एक्सरसाइज को लगातार करें।

बारिश के इस मौसम में हेल्दी फूड्स अपनाना बेहद जरूरी

इस मौसम में चटपटा खाने की इच्छा हो तो अपने मन पर रखें काबू, अपनाएं हेल्दी और टेस्टी स्नैक्स

बारिश के मौसम में अक्सर हमारी तबीयत बिगड़ने की वजह हमारा खानपान बनता है। इस मौसम में तरह-तरह के अनहेल्दी स्नैक्स खाने का मन करता है। लेकिन अगर आप चाहें तो इन हेल्दी स्नैक्स की मदद से अपने टेस्ट और हेल्थ दोनों का ख्याल रख सकती हैं। मानसून के मौसम में कई तरह की अनहेल्दी स्नैकिंग की क्रेविंग काफी बढ़ जाती है। जब बारिश होती है तो चाय और पकौड़े खाने का मन होता है। कभी हम ब्रेड पकौड़े तो कभी समोसे खाना चाहते हैं। इस तरह की स्नैक आइटम्स आपको टेस्ट अवश्य दें, लेकिन इससे आपकी सेहत पर बहुत बुरा असर पड़ता है। बार-बार इस तरह के ऑयली व डीप फ्राइड फूड्स खाने से ना केवल वजन बढ़ता है, बल्कि कोलेस्ट्रॉल लेवल पर भी बुरा असर पड़ता है। इसलिए, मानसून में ऐसे फूड्स ना खाने की सलाह दी जाती है।

खाएं ग्रिल्ड फ्रूट

मानसून के मौसम में कई तरह के फल मिलते हैं। हो सकता है कि आपको वह खाना अच्छा ना लगता हो। लेकिन जब बात हेल्दी स्नैकिंग की हो तो ऐसे में आप फ्रूट्स को ग्रिल्ड करके उन्हें खा सकते हैं। यह खाने में जितने टेस्टी लगते हैं, उतने ही हेल्दी भी होते हैं। इन फलों से आपको फाइबर के अलावा कई तरह के विटामिन और मिनरल्स भी मिलते हैं। इसके लिए आप मौसमी फलों को बड़े टुकड़ों में काट लें और उन्हें ग्रिल्ड करें।

खाएं शकरकंद फ्राइज

मानसून में अक्सर हम सभी आलू चाट या फिर फ्रेंच फ्राइज खाना बेहद पसंद करते हैं। लेकिन अगर आप अपने टेस्ट के साथ-साथ हेल्थ का भी पूरा ख्याल रखना चाहती हैं तो ऐसे में आप आलू के फ्राइज की जगह शकरकंद फ्राइज खाएं। शकरकंद विटामिन, पोटेशियम और फाइबर का एक बेहतर स्रोत है, जो अपेक्षाकृत अधिक हेल्दी होता है। साथ ही साथ, जब आप इसे बना रही हैं तो ध्यान रखें कि इसे बेक करना या फिर एयर फ्रायर में बनाना अधिक बेहतर ऑप्शन है।

खाएं मसाला रोस्टेड नट्स

मानसून के मौसम में बार-बार मंचिंग करने का मन करता है। ऐसे में अगर आप एक हेल्दी स्नैकिंग की तलाश में हैं तो आप मसाला रोस्टेड नट्स का ऑप्शन चुन सकती हैं। नट्स में हेल्दी फैट्स के साथ-साथ प्रोटीन और अन्य कई पोषक तत्व मौजूद होते हैं। इन्हें जब आप रोस्ट करके और कुछ मसालों का इस्तेमाल करके तैयार करते हैं तो यह खाने में और भी अधिक टेस्टी हो जाते हैं। इन्हें आसानी से कैरी भी किया जा सकता है। ये नट्स ना केवल आपकी भूख को शांत करते हैं, बल्कि एनर्जी लेवल को भी बनाए रखते हैं। बारिश के दिनों में हम सभी ने भुट्टे का लुत्फ उठाया है। अक्सर हम सड़क किनारे से भुट्टा खरीदकर खाते हैं, लेकिन इनसे आपकी सेहत पर विपरीत असर पड़ता है। बेहतर होगा कि आप घर पर ही स्टीम्ड कॉर्न तैयार करें। गरमा-गरम कॉर्न में नमक, काली मिर्च और चाट मसाला छिड़ककर जब खाया जाता है तो उसका स्वाद कई गुना बढ़ जाता है। साथ ही साथ, इससे सेहत को भी फायदा होता है। दरअसल, कॉर्न फाइबर, विटामिन, मिनरल्स और फोलेट का अच्छा स्रोत है, जिससे आपके डाइजेशन सिस्टम पर पॉजिटिव असर पड़ता है।

लोहे के तवे पर भी नहीं चिपकेगा डोसा, बस अपनाएं ये तरीके

साउथ इंडियन फूड किसे पसंद नहीं होता। अक्सर कई सेलिब्रिटी को ये कहते सुना जाता है कि वो सांभर और चटनी के साथ नाश्ते में डोसा खाना पसंद करते हैं। ये काफी हेल्दी होता है। कई लोग कोशिश करते हैं कि उनका डोसा बाजार जैसा बने पर ऐसा नहीं होता। अक्सर जब लोग लोहे के तवे पर डोसा बनाते हैं तो ये चिपक जाता है। इससे तवा भी खराब होता है और साथ में डोसे का टेस्ट भी खराब होता है। लोगों की इस परेशानी का हल हमारे पास है। दरअसल, आज की खबर में हम आपको कुछ ऐसे टिप्स बता रहे हैं, जिसको अपनाकर आप अपने डोसे को एकदम बाजार जैसा कुरकुरा बना सकते हैं। इसके लिए आपको डोसा बनाते वक्त सिर्फ कुछ बातों का ध्यान रखना होगा।

अगर आप डोसा बनाना चाह रही हैं तो सबसे पहले तवे को अच्छे से साफ कर लें। अगर इस पर तेल या गंदगी लगी रहेगी तो डोसा सही से नहीं बनेगा। इसके लिए आपको तवे को अच्छे से साफ करना चाहिए।

डोसा बनाने के लिए तवे को पहले से तैयार करना चाहिए। इसके लिए आप प्याज या आलू को आधा काट लें। अब आप कटे हुए आधे प्याज या आलू को तेल में डुबोकर इससे तवे को चिकना कर सकते हैं।

भूल से भी दीवार पर न लगाएं ऐसी तस्वीर घर की खुशियों को लग सकती है नजर

बहते झरने की तस्वीर : किसी पहाड़ से गिरता हुआ झरना देखने में काफी खूबसूरत लगता है, लेकिन फेंगशुई के अनुसार इस तरह की तस्वीर शुभ नहीं मानी जाती है। ऐसी तस्वीरों को लगाने से बिना वजह का खर्च बढ़ता है। मान्यता है कि झरने की तस्वीर लगाने से जिस तरह पानी बहता है उसी तरह से घर से पैसा बहने लगता है।

तीन सदस्यों वाली फोटो : अक्सर लोग घर की दीवार पर फैमिली फोटो लगाते हैं, लेकिन इस तरह की फोटो लगाते समय हमेशा ध्यान रखें कि एक ही परिवार के तीन सदस्यों वाली तस्वीर कभी भी दीवार पर न लगाएं। फेंगशुई के अनुसार तीन लोगों की फोटो एक फ्रेम में लगाना शुभ नहीं माना जाता है। साथ ही तीन दोस्तों की

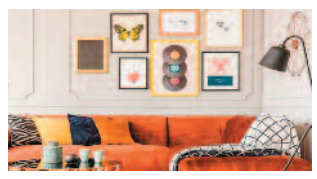

फोटो भी एक फ्रेम में लगाना सही नहीं होता है। इससे दोस्ती में दरार पड़ सकती है।

हर कमरे में न लगाएं भगवान की तस्वीर : अक्सर लोग घर के हर कोने में ईश्वर की तस्वीर लगा देते हैं। फेंगशुई और वास्तुशास्त्र के अनुसार ऐसा करना बिल्कुल उचित नहीं होता है। ऐसा करने से लाभ की बजाए हानि होती है। ईश्वर की तस्वीरों के लिए एक उचित और पवित्र स्थान बनाएं।

आयुर्वेद के अनुसार रखें शरीर को साफ, तन-मन रहेगा प्रसन्न

शरीर का अंदर और बाहर से स्वच्छ रखना जरूरी है। आयुर्वेद के अनुसार, नहाते वक्त और इससे पहले कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए। नहाने का गलत समय आपको बीमार कर सकता है।

आयुर्वेद में स्वस्थ जीवन के कुछ नियम बताए गए हैं। इनमें खाने-पीने, नहाने, सोने और भी कई चीजों से जुड़े नियम शामिल हैं। मौसम के हिसाब से डाइट में बदलाव, नहाने का सही समय, सोने का सही समय और शरीर की प्रकृति के हिसाब से खाने की कुछ चीजों को छोड़ना, ये सारी बातें आयुर्वेद में जरूरी मानी गई हैं। शरीर का अंदर और बाहर से स्वच्छ रहना जरूरी है।

आयुर्वेद के अनुसार, नहाते वक्त और इससे पहले कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए। नहाने का गलत समय आपको बीमार कर सकता है। शरीर की बाहर से सफाई सिर्फ सुंदरता के लिए नहीं, बल्कि स्वच्छता के लिए भी जरूरी है। इस बारे में डॉक्टर नीतिका कोहली जानकारी दे रही हैं। डॉक्टर नीतिका, आयुर्वेद में एमडी हैं। उन्हें इस फील्ड में 17 सालों का अनुभव हैं।

आयुर्वेद के अनुसार नहाने का सही समय और तरीका

आयुर्वेद के अनुसार, दिन में दो बार नहाना चाहिए। सूरज उगने से पहले पेट का साफ होना, दांत साफ होना और शरीर का स्वच्छ होना जरूरी है। दूसरी बार, शाम के वक्त हल्के गुनगुने पानी से नहाना चाहिए। इससे मसल्स और नर्व्स को आराम मिलता है। एक्सपर्ट के मुताबिक, आयुर्वेद कहता है कि आपको हाथी की तरह नहाना चाहिए यानी शरीर को साफ करने के लिए पर्याप्त पानी की इस्तेमाल करना चाहिए। इसका यह मतलब बिल्कुल नहीं है कि आप पानी की बर्बादी करें लेकिन पानी सही से जरूर इस्तेमाल करें ताकि शरीर पूरी तरह साफ हो सके।

स्नान से पहले करें मसाज : आयुर्वेद में नहाने से पहले मसाज करने की सलाह दी जाती है। अभ्यंग यानी तेल से मसाज, नहाने से पहले जरूरी है। मसाज के लिए तिल का तेल सबसे अच्छा माना जाता है। हालांकि, आप बादाम या नारियल तेल का उपयोग भी कर सकती हैं। इससे ब्लड सर्कुलेशन भी अच्छा होता है और शरीर को अंदर से डिटॉक्स करने में भी मदद मिलती है।

हर्बल पाउडर से स्क्रब

नहाने से पहले और मसाज के बाद हर्बल पाउडर से शरीर को साफ करें। हर्बल पाउडर में बेसन, मूंग दाल, हल्दी, गुलाब की पंखुड़ियां, चंदन की लकड़ी, नीम की पत्तियां और खस का इस्तेमाल करें।

नहाने के लिए ऐसा होना चाहिए पानी

आयुर्वेद की मानें तो नहाने के लिए हल्के गुनगुने पानी का इस्तेमाल करना चाहिए। हालांकि, सिर और बालों में गुनगुने पानी को सीधा नहीं डालना चाहिए। सिर धोने के लिए रूम टेम्परेचर पर पानी लेना चाहिए। खाना खाने के तुरंत बाद नहाने से बचें। इससे डाइजेशन खराब हो सकता है।

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

स्पाइडरमैन की शूटिंग के दौरान टॉम-जेंडाया ने बिताया क्वालिटी टाइम

हॉलीवुड के मशहूर अभिनेता टॉम हॉलैंड और अभिनेत्री जेंडाया इन दिनों सिर्फ फिल्मों में नहीं, बल्कि अपनी निजी जिंदगी में भी सुर्खियों में हैं। जहां एक ओर दोनों मार्बल की अगली फिल्म स्पाइडर मैनःब्रैंड न्यू डे की शूटिंग में बिजी हैं, वहीं दूसरी ओर वो लंदन में सुकून के पल बिताते भी नजर आ रहे हैं। दोनों ने साथ में वक्त बिताया और इंडियन मील को एन्जॉय करते हुए नजर आए। लंदन के गेरार्ड क्रॉस इलाके में हाल ही में दोनों को एक पार्क में देखा गया। टॉम उस दौरान अपनी फिल्म 'स्पाइडरमैनः ब्रैंड न्यू डे' का एक अहम सीन शूट कर रहे थे, जिसमें उनका किरदार पीटर पार्कर अपनी आंटी की कब्र पर जाता है। वहीं जेंडाया, जो इस फिल्म में अभिनय नहीं कर रही हैं, सिर्फ टॉम से मिलने सेट पर पहुंचीं। दोनों की ये छोटी-सी मुलाकात सोशल मीडिया पर वायरल हो गई। इस दौरान कपल ने पास के एक भारतीय रेस्टोरेंट में भी समय बिताया। रेस्टोरेंट ने खुद इस यादगार मुलाकात की तस्वीरें पोस्ट कर बताया कि टॉम और जेंडाया के आने से उनकी शाम खास बन गई। ये पहली बार नहीं है जब दोनों कैमरे से दूर भी साथ समय बिताते दिखे हों। कुछ दिन पहले ही दोनों को लंदन के रिचमंड पार्क में अपने डॉग्स के साथ वॉक करते हुए देखा गया। इससे पहले स्कॉटलैंड में दोनों को कॉफी डेट पर भी एक साथ देखा गया था। साल के शुरुआत में जेंडाया और टॉम की सगाई की खबर ने फैंस को चौंका दिया था।

टॉलीवुड

'कंतारा चैप्टर 1' से रुक्मिणी वसंत का फर्स्ट लुक जारी, ट्रेडिशनल लुक से जीता दिल

ओम्बले फिल्म्स ने ऋषभ शेट्टी की फिल्म 'कंतारा चैप्टर 1' से रुक्मिणी वसंत का पहला लुक जारी कर दिया गया है। इस पोस्टर के सामने आने से ऋषभ के फैंस के बीच फिल्म को लेकर और अधिक उत्सुकता पैदा कर दी है। इस साल की शुरुआत में, निर्माताओं ने ऋषभ शेट्टी के जन्मदिन पर उनका पहला लुक जारी किया था, जिसने सोशल मीडिया पर खूब चर्चा बटोरी। अब, वरमहालक्ष्मी महोत्सव के मौके पर, होम्बले फिल्म्स ने अपनी आगामी फिल्म 'कंतारा चैप्टर 1' में मुख्य किरदार कनकवती के रूप में अभिनेत्री रुक्मिणी वसंत का पहला लुक शेयर कर फैंस की उत्सुकता को और अधिक बढ़ा दिया है। निर्माताओं ने फिल्म 'कंतारा चैप्टर 1' से साउथ अभिनेत्री रुक्मिणी वसंत का पहला लुक जारी कर दिया है। इस फिल्म में रुक्मिणी मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। रुक्मिणी वसंत का किरदार पोस्टर में पारंपरिक परिधान और भारी आभूषणों में दिखाया गया है, जो प्रशंसकों को बेहद पसंद आ रहा है। यह फिल्म 2022 की सुपरहिट फिल्म कंतारा का प्रीक्वल है, जिसे ऋषभ शेट्टी ने लिखा और निर्देशित किया है। कंतारा चैप्टर-1 कर्नाटक के कदंब काल की कहानी पर आधारित है, जो भारतीय इतिहास का स्वर्णिम काल माना जाता है। कदंब शासकों ने कर्नाटक की संस्कृति और वास्तुकला को बहुत प्रभावित किया था। ऋषभ शेट्टी ने 2023 में बताया था कि 2022 की कंतारा असल में कहानी का दूसरा हिस्सा थी। अब प्रीक्वल के रूप में कंतारा चैप्टर 1 आएगी। कंतारा चैप्टर 1, 2 अक्टूबर, 2025 को कन्नड़, तेलुगु, हिंदी, तमिल, मलयालम, बंगाली और अंग्रेजी में दुनिया भर में रिलीज हो सकती है।

भोजपुरी

'सास बहू चली स्वर्ग लोक' में अनोखी कहानी स्वर्ग में भिड़ीं सास बहू और देवरानी जेठानी

भोजपुरी एक्ट्रेस रानी चटर्जी की नई भोजपुरी मूवी 'सास बहू चली स्वर्ग लोक' का जबरदस्त, दिलचस्प और धमाकेदार ट्रेलर रिलीज हो गया है। वैसे तो फिल्मों में सास बहू या देवरानी जेठानी को लड़ते देखा होगा, लेकिन जब यही नजारा स्वर्ग लोक में भी देखने को मिले तो क्या होता है, जानिए। क्या हो, जब सास, बहू, देवरानी और जेठानी मरने के बाद नरक की बजाय गलती से स्वर्ग लोक में चली जाएं! क्या हुआ? नहीं सोच पा रहे? लेकिन हम आपको बताने जा रहे हैं कि अगर ऐसा हुआ तो फिर क्या होगा। दरअसल, नई भोजपुरी फिल्म 'सास बहू चली स्वर्ग लोक' कुछ ऐसी ही अनोखी कहानी लेकर आ रहा है आपको गुदगुदाने। जैसा कि फिल्म का नाम है, 'सास बहू चली स्वर्ग लोक', वैसी ही इसकी कहानी भी है। इसके 4 मिनट 30 सेकेंड के ट्रेलर में दिखाया गया है कि स्वर्ग लोक है, जहां इंद्र देव कहते हैं कि तीनों लोक में सबसे मनमोहक उनका लोक है। समस्त देवी-देवता वहां निवास करते हैं और कोई भी वहां की सुख-शांति भंग नहीं कर पाया है। इसके बाद रानी चटर्जी और संजना पांडे अपनी सास के साथ स्वर्ग लोक में आंखें खोलती हैं। तीनों धरती पर तो लड़ती ही थीं, स्वर्ग लोक में भी उनकी तू-तू मैं-मैं खत्म नहीं होती है। उनकी किच-किच से पूरा स्वर्ग लोक परेशान हो जाता है। पर वो वहां की सुख-सुविधाओं को खूब इंजॉय करती हैं। पर इंद्रदेव उनसे कहते हैं कि उन्हें नरक लोक में होना चाहिए था। फिर वो बताते हैं कि चित्रगुप्त की गलती के कारण वो नरक की जगह स्वर्ग में चली आती हैं। इसके बाद तीनों देवताओं के खिलाफ मोर्चा खोल देती हैं। वो न्याय मांगने लगती हैं। इसके बाद स्वर्ग लोक का क्या होता है, सास बहू का क्या होता है, ये तो आपको इस फिल्म को देखने के बाद ही पता चलेगा। इस फिल्म में रानी चटर्जी, संजना पांडेय, लाडो मधेसिया, प्रशांत सिंह, विद्या सिंह, गोपाल चव्हाण, अलोक कुमार, पार्थ मिश्रा, राजेश तोमर, नविन चंद्रा, प्रीति राज, सोनाली मिश्रा हैं। डायरेक्टर मंजुल ठाकुर हैं। कांसेप्ट संदीप सिंह का है। स्क्रिप्ट मंजुल ठाकुर और अरविंद तिवारी ने लिखी है।

स्वदेशी फैशन

लाइफ स्टाइल

टोरंटो में द्विवार्षिक स्वदेशी फैशन आर्ट्स महोत्सव में पहली बार समकालीन स्वदेशी फैशन डिजाइनरों पर फोकस रखा गया। ईटन सेंटर मॉल के अंदर ₹हमारा फैशन-स्वदेशी फैशन₹ की थीम को दर्शकों ने खूब पसंद किया। इवेंट के कलात्मक निदेशक सेज पॉल कहते हैं-लोग अपनी परंपराओं की ओर लौट रहे हैं।

कंधे से बार-बार गिरने लगता है ब्लाउज तो इन टिप्स को आजमाएं

लुक को स्टाइलिश बनाने के लिए आपको फैशन से जुड़ी हर-छोटी बड़ी चीज का खास ख्याल रखना चाहिए। इसके लिए आप किसी एक्सपर्ट की सलाह ले सकती हैं।

अक्सर हम स्टाइलिश दिखने के लिए अपने लुक को कई तरह से कस्टमाइज करना पसंद करते हैं और इसके लिए हम हर छोटी-बड़ी चीज का खास ख्याल रखते हैं। ज्यादातर हम ट्रेडिशनल लुक को लोकल डिजाइनर की मदद लेकर अपनी पसंद का डिजाइन तक बनवाते हैं। ट्रेडिशनल लुक की बात करें तो साड़ी हो या लहंगा, लगभग सभी के साथ ब्लाउज को पहना जाता है और इसके भी आपको कई डिजाइन आसानी से मिल जाएंगे।

कई बार ब्लाउज की फिटिंग सही न होने के कारण कंधे बार-बार ठीक करने पर भी गिरते ही रहते हैं। ऐसे में आप ब्लाउज के गिरते कंधे को ठीक तरह से स्टाइल करने के आसान हैक्स अपना सकती हैं।

ब्लाउज के कंधों को स्टाइल करने के लिए करें थ्रेड का इस्तेमाल

अगर आप प्रो हैं और स्टाइलिंग की अच्छी जानकारी रखती हैं तो आप खुद ब्लाउज को परफेक्ट फिटिंग देने के लिए धागे से सिल भी सकती हैं। ध्यान रहे कि इसके लिए पहले अपने माप की पूरी जानकारी को अच्छी तरह से समझ लें और फिर ही किसी नतीजे पर पहुंचे। वहीं धागे का रंग ध्यानपूर्वक चुनें और ब्लाउज के कलर से मिलता-जुलता रंग ही चुनें ताकि ब्लाउज के बाहर से धागा नजर न आने पाए और आप स्टाइलिश नजर आए।

कई बार लाख फिटिंग करने के बाद भी ब्लाउज कंधे से गिरता ही रहता है और एक जगह टिकता नहीं है। इसके लिए आप ट्रांसपेरेंट ब्रा स्ट्रैप्स का इस्तेमाल कर सकती हैं। ध्यान रहे कि ये स्ट्रैप्स आपके साइज के हिसाब से ही सेट हो और ब्लाउज को फीटिंग देने में करें। वहीं इसे लगाने के लिए आप सेफ्टी पिंस की सहायता ले सकती हैं।

इन सबके अलावा आप चाहे तो गिरते हुए ब्लाउज के कंधे को रोकने के लिए डोरी का इस्तेमाल भी कर सकती हैं। बता दें कि डोरी देखने में स्टाइलिश लुक देने में मदद करती है। वहीं आप चाहे तो एक से ज्यादा डोरियां भी लगवा सकती हैं और अपने लुक को आकर्षक बना सकती हैं। साथ ही डोरी को स्टाइलिश लुक देने के लिए आप टैसल या लटकन का भी इस्तेमाल कर सकती हैं।

खूबसूरत दिखने के लिए पहनें व्हाइट गोल्डन सिल्क साड़ी के ट्रेंडी डिजाइन

फैशन

दक्षिण भारत में ओणम बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। इसकी तैयारियां काफी समय पहले से होनी शुरू हो जाती है। इस साल ये त्योहार 20 अगस्त को शुरू होगा और 31 अगस्त तक मनाया जाएगा। इस दिन महिला ट्रेडिशनल लुक में रेडी होगीं। साड़ी पहनेंगी उनके साथ ज्वेलरी को वियर करेंगी। अगर आप भी इस त्योहार में साड़ी पहनने का सोच रही हैं तो आप व्हाइट गोल्डन सिल्क साड़ी डिजाइन को ट्राई कर सकती हैं। इस तरीके की साड़ी काफी सुंदर लगती हैं और पहनने के बाद रॉयल लुक क्रिएट करती हैं।

लाइट वर्क व्हाइट गोल्डन सिल्क साड़ी : अगर आपको सिंपल साड़ी पहनने का मन है तो ये डिजाइन आपके लिए बेस्ट हैं। इस तरीके की साड़ी में आप सिर्फ पल्ले पर हैवी वर्क ले सकती हैं। इससे आपका लुक भी ट्रेडिशनल दिखेगा साथ ही साड़ी पहनने के बाद आप कम्फर्टेबल नजर आएंगी। इस तरीके की साड़ी के पूरे डिजाइन में आपको छोटी-छोटी बूटियां नजर आएंगी। जिससे साड़ी और ज्यादा परफेक्ट लगेगी। इस ओणम इस तरीके की साड़ी पहने और लुक को कंप्लीट करें। मार्केट में ये आपको 1000 से 2000 की रेंज में मिल जाएगी। इसके साथ आप हैवी ज्वेलरी सेट वियर कर सकती हैं।

रेड कलर के साथ व्हाइट गोल्डन सिल्क साड़ी : कई सारी महिलाएं होती हैं जिन्हें रेड कलर पहनना पसंद होता है ऐसे में आप गोल्डन और व्हाइट के कॉम्बिनेशन के साथ इसे वियर कर सकती हैं। व्हाइट और गोल्डन के साथ ये कलर काफी अच्छा लगता है। इसमें आप चाहे तो बॉर्डर वर्क के साथ रेड कलर ले सकती हैं। वरना बूटियों में रेड कलर खरीद सकती हैं। इस तरीके की साड़ी (सिल्क साड़ी कलेक्शन) भी ट्रेडिशनल लुक के लिए बेस्ट होती हैं। इसमें आपको कई सारे ऑप्शन मिल जाते हैं। जिन्हें स्टाइल करके आप ओणम के लिए रेडी हो सकती हैं। इसके साथ गोल्डन ज्वेलरी के वियर करें।

हैवी वर्क व्हाइट गोल्डन सिल्क साड़ी : शादी के बाद अगर आप पहला ओणम सेलिब्रेट कर रही हैं तो इसके लिए सबसे बेस्ट ऑप्शन है हैवी वर्क वाली व्हाइट गोल्डन साड़ी (बनारसी सिल्क साड़ी करें स्टाइल)। जिसमें बॉर्डर के साथ-साथ पल्ले पर भी आपको गोल्डन कलर नजर आएगा। इसमें आप मल्टीकलर एड कर सकती हैं। इस तरीके की साड़ी में आपको कई सारे ऑप्शन मिल जाएंगे। मार्केट से खरीदने पर ये आपको 1000 से 1500 में मिल जाएगी। आप इसके साथ लाइट वेट ज्वेलरी वियर करें। इस तरीके के साड़ी डिजाइन इस ओणम में स्टाइल करें और ट्रेडिशनल लुक क्रिएट करें। आप खूबसूरत के साथ-साथ सबसे अलग नजर आएंगी।

छोटे हाथों पर खूब जचेंगे मेहंदी के ये आसान डिजाइंस

हाथों की खूबसूरती को दो गुना करने के लिए मेहंदी के डिजाइन के लिए आप आसान से पैटर्न को भी चुन सकती हैं। वहीं इसके लिए आप हाथों के आकार को अच्छी तरह से पहले जान लें।

खासकर छोटे हाथों वालों को अपने हिसाब से मेहंदी का डिजाइन चुनने में परेशानी होती है। वहीं हरियाली तीज भी आने वाली है। इस शुभ अवसर पर हाथों की शोभा को बढ़ाने के लिए आज हम आपको दिखाने वाले हैं मेहंदी के कुछ नए डिजाइंस जो खास छोटे साइज वाले हाथों पर खूबसूरत नजर आयेंगे।

फुल हैण्ड मेहंदी डिजाइन

फुल हैण्ड मेहंदी डिजाइन में आप कई तरीके के पैटर्न आसानी से बना सकती हैं। वहीं भरे हाथों की मेहंदी लगाने के लिए आप डिजाइन के लिए बारीक और छोटे पैटर्न ही चुनें। इसके लिए आप चाहे तो डार्क कलर की मेहंदी से आउटलाइन भी कर सकते हैं।

जाल मेहंदी डिजाइन

वैसे तो जाल में कई डिजाइन आपको देखने को मिलेंगे, लेकिन अगर आपके हाथ छोटे हैं तो जाल के पैटर्न को थोड़ा बड़ा-बड़ा बनाए यानि बारीकी से इस डिजाइन को बनाना अवॉयड ही करें। ऐसा इसलिए क्योंकि जाल डिजाइन की मेहंदी हर तरह के हाथों पर खूबसूरत नजर नहीं आती हैं। जाल के लिए आप डॉट-डॉट पैटर्न भी बना सकती हैं।

हाथ फूल स्टाइल मेहंदी डिजाइन

मेहंदी कई डिजाइन में लगाई जाती है। वहीं अगर आप ज्वेलरी स्टाइल में मेहंदी लगाना चाहती हैं तो इस तरह से ब्रेसलेट या हाथफूल स्टाइल बेल मेहंदी को हाथों पर लगा सकती हैं। इस तरह के डिजाइन में आप केरी या डॉट-डॉट मेहंदी डिजाइन बना सकती हैं।

बालों को सिल्की और बाउंसी बनाने का काम करेगा घरेलू नुस्खा

बालों की देखभाल करने के लिए आपको बाहरी प्रोडक्ट्स को अवॉयड ही करना चाहिए और केवल नेचुरल चीजों का ही इस्तेमाल करना चाहिए। इसके लिए आप एक्सपर्ट की सलाह ले सकती हैं। सिल्की और बाउंसी बाल पाने के लिए सही तरीके से देखभाल करना बेहद जरूरी होता है। इसके लिए आजकल आपको कई हेयर केयर प्रोडक्ट्स आसानी से मिल जाएंगे, लेकिन बाहर मिलने वाले इन प्रोडक्ट्स में अनेक तरह के केमिकल के भरी चीजों का इस्तेमाल किया जाता है जो बालों को पोषण देने के जगह बेजान और रुखा बना सकता है।

बालों को सही मात्रा और नेचुरल तरीके से पोषण मिलने से बालों की कई साड़ी समस्याएं कम

हो सकती हैं और इसके लिए घर में मौजूद चीजें बेस्ट रहती हैं। यह घरेलू चीजें बाहरी हेयर केयर ट्रीटमेंट पर खर्च होने वाले पैसे भी बचाने में मदद करती हैं और इनके इस्तेमाल से आपको बेहतर रिजल्ट भी आपको देखने को मिल जाएगा।

दो मुंहे बालों को कम करने में केला बेहद मददगार साबित होता है। बालों में केले को लगाने से बाल स्मूथ और शाइनी होते है। इसके इस्तेमाल से बालों में मौजूद फ्रिजीनेस भी कम होने लगती है।बालों में कच्चे दूध को लगाने से आपके बालों को मुलायम बनाने में मदद करता है। ऐसा इसलिए क्योंकि इसमें भरपूर मात्रा में विटामिन-ए होता है। कच्चा दूध स्कैल्प से लेकर बालों की लेंथ तक को भरपूर मात्रा में पोषण देने का काम करता है।

बालों को पोषण देने के लिए एक बाउल में सबसे पहले करीब 2 केले मैश कर लें। अब इसमें आप 2 से 4 चम्मच कच्चे दूध की डालकर दोनों को अच्छी तरह से मिला लें। इस हेयर मास्क को ब्रश की मदद लेकर स्कैल्प से लेकर बालों की लेंथ तक में लगा लें।

कार्नर न्यूज

आय के साथ-साथ बढ़ेगी आपकी रचनात्मकता भी

खाली वक्त है आपके पास तो घर से शुरू कर सकती हैं 'हैंडमेड ज्वेलरी'का बिजनेस

लोग एक से बढ़कर एक डिजाइन की चूड़ियां, हार, झुमके आदि खरीदना चाहते हैं। लेकिन, क्या आप उन लोगों में से हैं, जो खुद अपने हाथ से ज्वेलरी बनाना पसंद करती हैं? अगर हाँ, तो क्या आपको पता है कि आप अपने इस शौक को अपना व्यवसाय भी बना सकते हैं? जैसा कि दिल्ली निवासी गरिमा बंसल ने किया है। कभी एक शिक्षिका रह चुकीं गरिमा, आज अपना 'हैंडमेड ज्वेलरी' का बिजनेस चला रही हैं। जिसका नाम है- 'द हैंड कृतिज' इसके जरिए, वह खुद डिजाइन की हुई तथा हाथों से बनी ज्वेलरी ग्राहकों तक पहुँचा रही हैं। गरिमा ने अपनी शुरुआत रेशम के धागे वाले कंगन बनाने से की थी और आज वह कलीरें, फूलों वाली ज्वेलरी, बालों के लिए आभूषण, डिजाइनर बैग आदि बना रही हैं।

गरिमा बताती हैं उन्होंने शुरू में मात्र 450 रुपये खर्च किये थे और फिर जैसे-जैसे उनके ऑर्डर बढ़े, वह अपनी कमाई का एक हिस्सा अपने बिजनेस में लगाती रहीं। आज उनकी ज्वेलरी भारतीय शहरों के अलावा, अमेरिका, लंदन और कनाडा जैसे देशों में भी जा रही है। गरिमा कहती हैं, "मुझे बिजनेस की कोई जानकारी नहीं थी लेकिन जैसे-जैसे मैं आगे बढ़ी, सबकुछ समझ में आता गया।"

अपने हुनर पर काम करें: सबसे पहले आप यह देखें कि आप सबसे अच्छा क्या बनाते हैं? कोई भी ज्वेलरी, जिसे बनाने में आप कुशल हैं और जिसके लिए आप अलग-अलग डिजाइन सोच पाते हैं। उस ज्वेलरी से आप शुरुआत करें। अगर आपको सिर्फ शौक है, तो अपने हुनर पर काम करें।

इन बातों का ध्यान

बिजनेस शुरू करने से पहले आप यह सुनिश्चित करें कि आप कच्चा माल कहाँ से खरीद सकते हैं। कच्चा माल अच्छी गुणवत्ता का हो लेकिन, आपको थोक मूल्य पर मिल जाये, तभी आपको फायदा होगा। अगर आपको अपने ही इलाके में कच्चा माल मिल जाए तो अच्छा है वरना आप ऑनलाइन भी आर्डर कर सकते हैं। इसके बाद, सोशल मीडिया पर काम करें। अगर आपको फेसबुक और इंस्टाग्राम के बारे में ज्यादा नहीं पता है, तो सीखें।

कम से कम निवेश से करें शुरुआत

गरिमा कहतीं हैं कि यह ऐसा बिजनेस है, जिसे आप कम पैसों में भी शुरू कर सकते हैं। आप क्या बनाने वाले हैं और इसे बनाने के लिए आपको क्या चीजें चाहिये, पहले इसकी एक सूची बनाएं। फिर, अपना बजट बनाएं और उसी हिसाब से सामान लाकर, काम शुरू करें। एक साथ कई तरह की चीजें बनाकर रखने से बेहतर है कि पहले आप लोगों की प्रतिक्रिया देखें।